The Hobbit - Hindi Edition

Translated by AI & Naveen

जे.आर.आर. टॉल्किन की कृतियाँ

सर्वाधिकार
प्रकाशक के विषय में

चित्र
थ्रोर का नक्शा
ट्रोल्स
पर्वतीय पथ
पश्चिम की ओर देखते धुंधले पर्वत
ब्यॉर्न का भवन
एल्वेंकिग का द्वार
लेक टाउन
सामने का द्वार
बैग-एंड का हॉल
वाइल्डरलांड का नक्शा

पाठ पर टिप्पणी

द हॉबिट सबसे पहले सितंबर १९३७ में प्रकाशित हुई थी। इसके १९५१ के दूसरे संस्करण (पांचवें मुद्रण) में अध्याय ५, “अंधेरे में पहेलियां,” का एक महत्वपूर्ण संशोधित अंश शामिल है, जो द हॉबिट की कहानी को उसकी अगली कड़ी, द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स, जो तब प्रगति पर थी, के साथ अधिक संरेखित करता है। टॉल्किन ने फरवरी १९६६ में बैलांटीन बुक्स द्वारा प्रकाशित अमेरिकी संस्करण में, और उसी वर्ष जॉर्ज एलन एंड अनविन द्वारा प्रकाशित ब्रिटिश तीसरे संस्करण (सोलहवें मुद्रण) में कुछ और संशोधन किए।

हार्परकॉलिन्स द्वारा प्रकाशित १९९५ के ब्रिटिश हार्डकवर संस्करण के लिए, द हॉबिट के पाठ को वर्ड-प्रोसेसिंग फ़ाइलों में दर्ज किया गया था, और मुद्रण त्रुटियों और अशुद्धियों में कई और सुधार किए गए थे। तब से, द हॉबिट के विभिन्न संस्करण उसी कंप्यूटरीकृत पाठ फ़ाइल से तैयार किए गए हैं। वर्तमान पाठ के लिए, उस फ़ाइल की पिछली संस्करणों के साथ फिर से पंक्ति-दर-पंक्ति तुलना की गई है, और एक ऐसा पाठ प्रस्तुत करने के लिए कई और सुधार किए गए हैं जो, यथासंभव, टॉल्किन के अंतिम इच्छित स्वरूप का प्रतिनिधित्व करता है।

द हॉबिट के पाठ में विभिन्न समयों पर किए गए परिवर्तनों के विवरण में रुचि रखने वाले पाठक द एनोटेटेड हॉबिट (१९८८) के परिशिष्ट ए, "पाठ्य और संशोधन संबंधी नोट्स," और वेन जी. हैमंड द्वारा लिखित, डगलस ए. एंडरसन (१९९३) की सहायता से तैयार की गई जे. आर. आर. टॉल्किन: ए डिस्क्रिप्टिव बिब्लियोग्राफी को देख सकते हैं।

डगलस ए. एंडरसन
मई २००१

लेखक का नोट
यह बहुत पहले की कहानी है। उस समय भाषाएं और अक्षर आज की भाषाओं और अक्षरों से काफी भिन्न थे। उन भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए अंग्रेजी का उपयोग किया गया है। लेकिन दो बातों पर ध्यान दिया जा सकता है। (१) अंग्रेजी में 'dwarf' का एकमात्र सही बहुवचन 'dwarfs' है, और विशेषण 'dwarfish' है। इस कहानी में 'dwarves' और 'dwarvish' का उपयोग किया गया है, लेकिन केवल तभी जब उन प्राचीन लोगों के बारे में बात की जा रही हो जिनसे थोरिन ओकेनशील्ड और उनके साथी संबंधित थे। (२) 'Orc' अंग्रेजी शब्द नहीं है। यह एक या दो स्थानों पर आता है, लेकिन आमतौर पर इसे 'goblin' (या बड़े प्रकार के जीवों के लिए 'hobgoblin') के रूप में अनूदित किया जाता है। 'Orc' उस समय इन जीवों को दिए गए नाम का हॉबिट्स का रूप है, और यह हमारे 'orc' या 'ork' से बिल्कुल भी जुड़ा नहीं है, जिसका उपयोग डॉल्फ़िन-प्रकार के समुद्री जानवरों पर किया जाता है।

रून्स (Runes) पुराने अक्षर थे जिनका उपयोग मूल रूप से लकड़ी, पत्थर, या धातु पर काटने या खरोंचने के लिए किया जाता था, और इसलिए वे पतले और कोणीय होते थे। इस कहानी के समय केवल Dwarves ही नियमित रूप से इनका उपयोग करते थे, विशेष रूप से निजी या गुप्त रिकॉर्ड के लिए। उनके रून्स को इस पुस्तक में अंग्रेजी रून्स द्वारा दर्शाया गया है, जिन्हें अब बहुत कम लोग जानते हैं। यदि थ्रोर के नक्शे पर अंकित रून्स की आधुनिक अक्षरों में प्रतिलिखनों† † से तुलना की जाती है, तो आधुनिक अंग्रेजी के अनुकूल बनाए गए वर्णमाला की खोज की जा सकती है और ऊपर दिए गए रूनिक शीर्षक को भी पढ़ा जा सकता है। नक्शे पर X को छोड़कर सभी सामान्य रून्स पाए जाते हैं। J और V के लिए I और U का उपयोग किया जाता है। Q (CW का उपयोग करें) के लिए कोई रून नहीं था; न ही Z के लिए (यदि आवश्यक हो तो ड्वार्फ-रून का उपयोग किया जा सकता है)। हालांकि, यह पाया जाएगा कि कुछ एकल रून्स दो आधुनिक अक्षरों के लिए खड़े होते हैं: th, ng, ee; इसी तरह के अन्य रून्स (ea और st) का भी कभी-कभी उपयोग किया जाता था। गुप्त द्वार को D से चिह्नित किया गया था। बगल से एक हाथ ने इस ओर इशारा किया, और इसके नीचे लिखा था: । अंतिम दो रून्स थ्रोर और थ्रेन के आद्याक्षर हैं। एल्रॉन्ड द्वारा पढ़े गए मून-रून्स थे:
नक्शे पर दिशासूचक बिंदु रून्स में अंकित हैं, जिसमें पूर्व शीर्ष पर है, जैसा कि ड्वार्फ-नक्शों में सामान्य है, और इस प्रकार दक्षिणावर्त (clockwise) पढ़ा जाता है: E(पूर्व), S(दक्षिण), W(पश्चिम), N(उत्तर)।

--- ---

अध्याय I

एक अनपेक्षित दावत

ज़मीन के भीतर एक बिल में एक हॉबिट रहता था। वह कोई गंदा, मैला, नमी भरा बिल नहीं था, जो कीड़ों के अवशेषों और एक चिपचिपी-सी दुर्गंध से भरा हो, और न ही कोई सूखा, उजाड़, रेतीला बिल था जिसमें बैठने या खाने के लिए कुछ न हो: वह एक हॉबिट-बिल था, और इसका अर्थ है आराम।

उसका दरवाज़ा जहाज़ की खिड़की जैसा बिलकुल गोल था, जिसे हरे रंग से रंगा गया था, जिसके ठीक बीच में एक चमकदार पीतल का पीला दस्ता लगा था। दरवाज़ा एक सुरंग जैसी नली के आकार के हॉल में खुलता था: यह धुआँ रहित एक बहुत ही आरामदायक सुरंग थी, जिसकी दीवारें तख्तों से ढकी थीं, और फर्श पर टाइलें लगी थीं तथा कालीन बिछा था, जिसमें पॉलिश की हुई कुर्सियाँ रखी थीं, और टोपी तथा कोट टाँगने के लिए ढेर सारी खूटियाँ थीं—हॉबिट को मेहमानों से बहुत लगाव था। सुरंग टेढ़ी-मेढ़ी होती हुई, सीधी तो नहीं पर काफी हद तक पहाड़ी के किनारे में भीतर तक चली गई थी—द हिल, जैसा कि कई मील दूर तक के सभी लोग इसे पुकारते थे—और इसमें से कई छोटे गोल दरवाज़े खुलते थे, पहले एक तरफ़, फिर दूसरी तरफ़। हॉबिट के लिए ऊपर जाने का कोई झंझट नहीं था: शयनकक्ष, स्नानघर, तहखाने, भंडारघर (इनमें से कई सारे), कपड़े रखने के कमरे (कपड़ों के लिए तो उसने पूरे कमरे समर्पित किए हुए थे), रसोईघर, भोजन कक्ष, सभी एक ही तल पर थे, और वास्तव में एक ही गलियारे में थे। सबसे बेहतरीन कमरे (भीतर जाते समय) बाईं ओर थे, क्योंकि यही एकमात्र ऐसे कमरे थे जिनमें खिड़कियाँ थीं, गहरी धंसी हुई गोल खिड़कियाँ जो उसके बगीचे और उससे आगे नदी की ओर ढलते हुए घास के मैदानों को देखती थीं।

यह हॉबिट बहुत ही सम्पन्न हॉबिट था, और उसका नाम बैगन्स था। बैगन्स परिवार बहुत लंबे समय से द हिल के पड़ोस में रहता आ रहा था, और लोग उन्हें बहुत सम्मानित मानते थे, न

केवल इसलिए कि उनमें से अधिकांश अमीर थे, बल्कि इसलिए भी कि उन्होंने कभी कोई साहसिक कार्य नहीं किया या कुछ भी अनपेक्षित नहीं किया: किसी भी सवाल पर एक बैगन्सि क्या कहेगा, यह आप उससे पूछने की जहमत उठाए बिना ही बता सकते थे। यह कहानी इस बारे में है कि कैसे एक बैगन्सि ने एक साहसिक कार्य किया, और खुद को पूरी तरह से अनपेक्षित चीज़ें करते और कहते हुए पाया। हो सकता है कि उसने पड़ोसियों का सम्मान खो दिया हो, लेकिन उसने पाया—खैर, आप देखेंगे कि अंत में उसने कुछ हासिल किया या नहीं।

हमारे इस ख़ास हॉबिट की माँ—हॉबिट क्या है? मेरा ख्याल है कि हॉबिटों के लिए आजकल कुछ वर्णन आवश्यक है, क्योंकि वे दुर्लभ हो गए हैं और बड़े लोगों (Big People), जैसा कि वे हमें कहते हैं, से शर्माते हैं। वे छोटे लोग होते हैं (या हुआ करते थे), हमारी ऊँचाई के लगभग आधे, और दाढ़ी वाले Dwarves से भी छोटे। हॉबिटों की दाढ़ी नहीं होती है। उनमें लगभग कोई जादू नहीं होता, सिवाय उस साधारण, रोज़मर्रा के जादू के जो उन्हें चुपचाप और तेज़ी से ग़ायब होने में मदद करता है, जब आप और मेरे जैसे बड़े मूर्ख लोग हाथियों जैसा शोर मचाते हुए गड़बड़ाते हुए आते हैं, जिसे वे एक मील दूर से सुन सकते हैं। वे पेट से मोटे होने की प्रवृत्ति रखते हैं; वे चमकीले रंग के कपड़े पहनते हैं (मुख्यतः हरे और पीले); जूते नहीं पहनते, क्योंकि उनके पैरों पर प्राकृतिक चमड़े के तलवे उगते हैं और सिर के बालों जैसा मोटा, गर्म भूरा बाल होता है (जो घुंघराले होते हैं); उनकी लंबी, चतुर भूरी उँगलियाँ होती हैं, भले-मानस वाले चेहरे होते हैं, और वे गहरी, रस भरी हँसी हँसते हैं (ख़ासकर रात के भोजन के बाद, जो वे दिन में दो बार करते हैं, यदि उन्हें मिल जाए)। अब आप उनके बारे में इतना जान गए हैं कि आगे बढ़ सकें। जैसा कि मैं कह रहा था, इस हॉबिट की माँ—यानी बिल्बो बैगन्सि की माँ—प्रसिद्ध बेलाडोना टूक थीं, वह ओल्ड टूक की तीन असाधारण बेटियों में से एक थीं, जो द हिल की तलहटी से बहने वाली छोटी नदी, द वॉटर के पार रहने वाले हॉबिटों के मुखिया थे। (दूसरे परिवारों में) अक्सर कहा जाता था कि बहुत समय पहले टूक के पूर्वजों में से किसी ने एक परी पत्नी से विवाह किया होगा। यह बेशक बेतुका था, लेकिन निश्चित रूप से उनमें अभी भी कुछ ऐसा था जो पूरी तरह हॉबिट जैसा नहीं था, और कभी-कभार टूक-कुल के सदस्य बाहर निकल कर साहसिक कार्य कर आते थे। वे चुपके से ग़ायब हो जाते थे, और परिवार मामले को दबा देता था; लेकिन तथ्य यह था कि टूक, बैगन्सिस जितने सम्मानित नहीं

थे, हालाँकि वे निस्संदेह अधिक धनी थे।

ऐसा नहीं था कि बेलाडोना टूक ने बंगा बैगन्स की पत्नी बनने के बाद कभी कोई साहसिक कार्य किया हो। बंगा, जो बिल्बो के पिता थे, ने उनके लिए (और कुछ हद तक उनके पैसों से भी) सबसे आलीशान हॉबिट-बिल बनवाया जो या तो द हिल के नीचे, द हिल के ऊपर या द वॉटर के पार कहीं भी पाया जा सकता था, और वे अपने जीवन के अंत तक वहीं रहे। फिर भी यह संभव है कि बिल्बो, उनके एकमात्र बेटे, हालाँकि वह बिलकुल अपने सुदृढ़ और आरामदायक पिता के दूसरे संस्करण की तरह दिखते और व्यवहार करते थे, उन्हें अपने स्वभाव में टूक पक्ष से कुछ अजीबोगरीब मिला था, जो बाहर आने के लिए सिर्फ़ एक अवसर की प्रतीक्षा कर रहा था। वह अवसर कभी नहीं आया, जब तक कि बिल्बो बैगन्स बड़े होकर लगभग पचास वर्ष के नहीं हो गए, और अपने पिता द्वारा बनाए गए उस सुंदर हॉबिट-बिल में रहने लगे, जिसका वर्णन मैंने अभी आपके लिए किया है, जब तक कि वह वास्तव में स्पष्ट रूप से अविचल रूप से बस नहीं गए थे।

किसी अजीब संयोगवश, बहुत पहले एक सुबह दुनिया के शांत वातावरण में, जब शोर कम और हरियाली अधिक थी, और हॉबिट अभी भी बहुत सारे और समृद्ध थे, और बिल्बो बैगन्स नाश्ते के बाद अपने दरवाज़े पर खड़े होकर एक बहुत लंबा लकड़ी का पाइप पी रहे थे जो लगभग उनके ऊनी पँजों (जिन्हें उन्होंने करीने से साफ़ किया था) तक पहुँच रहा था—तभी गैंडाल्फ़ वहाँ से गुज़रे। गैंडाल्फ़! अगर आपने उनके बारे में जो कुछ मैंने सुना है उसका केवल चौथाई हिस्सा भी सुना होता, और मुझे तो जो कुछ सुनने लायक है उसका बहुत थोड़ा ही सुना है, तो आप किसी भी तरह की उल्लेखनीय कहानी के लिए तैयार रहते। जहाँ कहीं भी वह जाते थे, सबसे असाधारण तरीक़े से कहानियाँ और साहसिक कार्य हर जगह अंकुरित हो उठते थे। वह युगों-युगों से द हिल के नीचे उस रास्ते पर नहीं आए थे, वास्तव में, अपने मित्र ओल्ड टूक की मृत्यु के बाद से नहीं, और हॉबिट लगभग भूल गए थे कि वह कैसे दिखते थे। जब वे सब छोटे हॉबिट-लड़के और हॉबिट-लड़कियाँ थे, तब से वह अपने किसी काम के लिए द हिल के ऊपर और द वॉटर के पार गए हुए थे।

उस सुबह अनपेक्षित बिल्बो ने जो कुछ देखा, वह एक छड़ी वाला बूढ़ा व्यक्ति था। उसने एक

लंबी नुकीली नीली टोपी, एक लंबा धूसर लबादा, एक चाँदी का दुपट्टा पहना था जिसके ऊपर से उसकी लंबी सफ़ेद दाढ़ी कमर से नीचे तक लटक रही थी, और उसने विशाल काले जूते पहने थे।

"सुप्रभात!" बिल्बो ने कहा, और उसका मतलब यही था। सूरज चमक रहा था, और घास बहुत हरी थी। लेकिन गैंडाल्फ़ ने अपनी लंबी, घनी भौंहों के नीचे से उसे देखा, जो उसकी छायादार टोपी के किनारे से भी आगे निकली हुई थीं।

"आपका क्या मतलब है?" उसने कहा। "क्या आप मेरे लिए सुप्रभात की कामना करते हैं, या आपका मतलब है कि यह अच्छा सुप्रभात है चाहे मैं चाहूँ या नहीं; या यह कि आप आज सुबह अच्छा महसूस कर रहे हैं; या यह कि यह अच्छा बनने के लिए एक सुबह है?"

"ये सब एक साथ," बिल्बो ने कहा। "और इन सबके अलावा, बाहर बैठकर तंबाकू पीने के लिए एक बहुत ही शानदार सुबह। अगर आपके पास पाइप है, तो बैठ जाइए और मेरे तंबाकू का एक भरावन लीजिए! कोई जल्दी नहीं है, हमारे पास पूरा दिन पड़ा है!" फिर बिल्बो अपने दरवाज़े के पास एक सीट पर बैठ गया, पैर मोड़कर, और धुएँ का एक सुंदर धूसर छल्ला बाहर फेंका जो बिना टूटे हवा में ऊपर गया और दहलीज के ऊपर तैरता हुआ दूर निकल गया।

"बहुत सुंदर!" गैंडाल्फ़ ने कहा। "लेकिन आज सुबह मेरे पास धुएँ के छल्ले उड़ाने का समय नहीं है। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रहा हूँ जो मेरे द्वारा आयोजित किए जा रहे एक साहसिक कार्य में हिस्सा ले सके, और किसी को ढूँढना बहुत मुश्किल है।"

"मुझे भी ऐसा ही लगता है—इस इलाक़े में तो! हम सीधे-सादे शांत लोग हैं और हमें साहसिक कार्यों की कोई ज़रूरत नहीं है। ख़राब, परेशान करने वाली, असुविधाजनक चीज़ें! रात के खाने के लिए देर करवा देती हैं! मुझे समझ नहीं आता कि कोई उनमें क्या देखता है," हमारे मिस्टर बैगन्स ने कहा, और अपना एक अँगूठा अपनी पतलून के पट्टों के पीछे फँसा लिया, और धुएँ का एक और भी बड़ा छल्ला बाहर फेंका। फिर उसने अपनी सुबह की चिट्ठियाँ निकालीं और पढ़ने लगा,

उस बूढ़े व्यक्ति पर और अधिक ध्यान न देने का दिखावा करते हुए। उसने तय कर लिया था कि वह व्यक्ति उसकी तरह का नहीं है, और वह चाहता था कि वह चला जाए। पर वह बूढ़ा व्यक्ति हिला नहीं। वह अपनी छड़ी पर झुककर खड़ा रहा और बिना कुछ कहे हॉबिट को देखता रहा, जब तक कि बिल्बो काफी असहज और थोड़ा चिढ़ भी नहीं गया।

"सुप्रभात!" अंत में उसने कहा। "हमें यहाँ किसी साहसिक कार्य की ज़रूरत नहीं है, धन्यवाद! आप दहिलि के उस पार या दवॉटर के उस पार कोशिश कर सकते हैं।" इससे उसका मतलब था कि बातचीत समाप्त हो चुकी है।

"आप 'सुप्रभात' का इस्तेमाल कितनी सारी चीज़ों के लिए करते हैं!" गैंडाल्फ़ ने कहा। "अब आपका मतलब है कि आप मुझसे छुटकारा पाना चाहते हैं, और तब तक कुछ भी अच्छा नहीं होगा जब तक मैं यहाँ से हट न जाऊँ।"

"बिल्कुल नहीं, बिल्कुल नहीं, मेरे प्रिय महोदय! मुझे देखने दीजिए, मुझे नहीं लगता कि मैं आपका नाम जानता हूँ?"

"हाँ, हाँ, मेरे प्रिय महोदय—और मैं आपका नाम जानता हूँ, मिस्टर बिल्बो बैगन्स। और आप मेरा नाम भी जानते हैं, हालाँकि आपको याद नहीं है कि मैं उससे संबंध रखता हूँ। मैं गैंडाल्फ़ हूँ, और गैंडाल्फ़ का मतलब मैं हूँ! यह सोचने वाली बात है कि मैं बेलाडोना टुक के बेटे द्वारा 'सुप्रभात' किए जाने के लिए जीवित रहा, मानो मैं दरवाज़े पर बटन बेच रहा होऊँ!"

"गैंडाल्फ़, गैंडाल्फ़! हे भगवान, मुझे माफ़ करना! वह भटकने वाला विज़ार्ड जिसने ओल्ड टुक को जादुई हीरे के स्टड की एक जोड़ी दी थी जो खुद ही कस जाते थे और जब तक आदेश न दिया जाए तब तक खुलते नहीं थे? वह व्यक्ति नहीं जो पार्टियों में ड्रेगन्स और गॉब्लिन्स और दैत्यों और राजकुमारियों के बचाव और विधवाओं के बेटों के अप्रत्याशित भाग्य के बारे में इतनी शानदार कहानियाँ सुनाया करता था? वह व्यक्ति नहीं जो इतने असाधारण रूप से उत्कृष्ट आतिशबाज़ी बनाता था! मुझे वे याद हैं! ओल्ड टुक उन्हें ग्रीष्म संक्रांति की पूर्व

संध्या पर रखा करते थे। शानदार! वे आग के बड़े कमलों और स्नैपड्रैगनों और लबर्नमों की तरह ऊपर जाते थे और पूरी शाम गोधूलि में लटके रहते थे!" आप पहले ही देख लेंगे कि मिस्टर बैगन्स उतने नीरस नहीं थे जितना वह खुद को मानना पसंद करते थे, साथ ही वह फूलों के बहुत शौकीन भी थे। "हे भगवान!" उसने आगे कहा। "वह गैंडाल्फ़ नहीं जो इतने सारे शांत लड़कों और लड़कियों के पागल साहसिक कार्यों के लिए नीले आकाश में निकल जाने के लिए ज़िम्मेदार था? पेड़ों पर चढ़ने से लेकर एल्व्स से मिलने तक—या जहाज़ों में नौकायन, दूसरे किनारों तक नौकायन! मुझे माफ़ करना, जीवन तो काफी मनो—मेरा मतलब है, आप यहाँ चीज़ों को एक ज़माने में बुरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया करते थे। मैं आपसे माफ़ी माँगता हूँ, पर मुझे अंदाज़ा नहीं था कि आप अभी भी काम कर रहे हैं।"

"और मैं कहाँ होऊँगा?" विज़ार्ड ने कहा। "फिर भी मुझे यह देखकर खुशी हुई कि आपको मेरे बारे में कुछ याद है। कम से कम आपको मेरी आतिशबाज़ी अच्छी तरह याद है, और इसमें कोई उम्मीद की कमी नहीं है। वास्तव में आपके पुराने दादा टुक की खातिर, और बेचारी बेलाडोना की खातिर, मैं आपको वह दूँगा जो आपने माँगा था।"

"मैं माफ़ी चाहता हूँ, मैंने कुछ नहीं माँगा है!"

"हाँ, आपने माँगा है! अब तक दो बार। मेरी क्षमा। मैं आपको यह देता हूँ। वास्तव में मैं इतना आगे जाऊँगा कि आपको इस साहसिक कार्य पर भेज दूँ। मेरे लिए यह बहुत मनोरंजक होगा, आपके लिए बहुत अच्छा—और अगर आप इससे उबर पाए तो, बहुत संभव है कि यह लाभदायक भी हो।"

"माफ़ करना! मुझे कोई साहसिक कार्य नहीं चाहिए, धन्यवाद। आज नहीं। सुप्रभात! लेकिन कृपया चाय पर आइए—जब भी आपका मन करे! कल क्यों नहीं? कल आइए! अलविदा!" इतना कहते ही हॉबिट मुड़ा और अपने गोल हरे दरवाज़े के अंदर तेज़ी से भागा, और जितना जल्दी वह अशिष्ट लगे बिना बंद कर सकता था, उसने कर दिया। आखिरकार, विज़ार्ड तो विज़ार्ड ही होते हैं।

"मैंने उसे चाय के लिए क्यों पूछ लिया!" उसने खुद से कहा, जैसे ही वह कोठरी की ओर गया। उसने अभी-अभी नाश्ता किया था, लेकिन उसने सोचा कि एक या दो केक और कुछ पीने को मिल जाए तो इस घबराहट के बाद उसे अच्छा लगेगा।

इस बीच गैंडाल्फ़ अभी भी दरवाज़े के बाहर खड़ा था, और देर तक, पर धीरे से हँस रहा था। थोड़ी देर बाद वह आगे बढ़ा, और अपनी लाठी की नोंक से हॉबिट के सुंदर हरे सामने वाले दरवाज़े पर एक अजीब निशान खरोंच दिया। फिर वह तेज़ कदमों से आगे बढ़ गया, ठीक उसी समय जब बिल्बो अपना दूसरा केक खत्म कर रहा था और सोचने लगा था कि वह साहसिक कार्यों से बहुत अच्छी तरह बच निकला है।

अगले दिन वह गैंडाल्फ़ के बारे में लगभग भूल चुका था। उसे चीज़ें अच्छी तरह याद नहीं रहती थीं, जब तक कि वह उन्हें अपनी मुलाक़ात पट्टिका पर लिख न दे: इस तरह: गैंडाल्फ़ चाय बुधवार। कल वह इस तरह का कुछ भी करने के लिए बहुत ज़्यादा घबराया हुआ था।

ठीक चाय के समय से पहले, सामने वाले दरवाज़े की घंटी ज़ोरदार बजी, और तभी उसे याद आया! वह दौड़ा और केतली चढ़ा दी, और एक और प्याला और तश्तरी, और एक या दो अतिरिक्त केक बाहर निकाल दिए, और दरवाज़े की ओर भागा।

"मैं आपको इंतज़ार करवाने के लिए बहुत माफ़ी चाहता हूँ!" वह कहने ही वाला था, जब उसने देखा कि वह गैंडाल्फ़ बिल्कुल नहीं था। वह नीली दाढ़ी वाला एक ड्वार्फ़ था जो एक सुनहरी पेटी में फँसाई गई थी, और उसकी गहरी-हरी हुड के नीचे उसकी आँखें बहुत चमकीली थीं। जैसे ही दरवाज़ा खुला, वह अंदर धकेल गया, मानो उसका इंतज़ार ही किया जा रहा हो।

उसने अपना हुड वाला चोंगा पास की खूँटी पर टाँग दिया, और "ड्वैलिन आपकी सेवा में!" उसने झुककर प्रणाम करते हुए कहा।

"बिल्बो बैगिन्स आपकी सेवा में!" हॉबिट ने कहा, जो पल भर के लिए कोई सवाल पूछने में बहुत हैरान था। जब उसके बाद की चुप्पी असहज हो गई, तो उसने जोड़ा: "मैं बस चाय पीने ही

वाला हूँ; कृपया आइए और मेरे साथ लीजिए।" शायद थोड़ा रूखा था, पर उसका इरादा दयालु था। और आप क्या करते, अगर एक बिन-बुलाया ड्वार्फ़ आता और बिना किसी स्पष्टीकरण के आपके दालान में अपनी चीज़ें टाँग देता?

वे ज़्यादा देर तक मेज़ पर नहीं बैठे थे, वास्तव में वे मुश्किल से तीसरे केक तक ही पहुँचे थे, जब घंटी पर एक और भी ज़ोरदार घंटी बजी।

"मुझे क्षमा करें!" हॉबिट ने कहा, और दरवाज़े की ओर चला गया।

"तो आप आख़िरकार यहाँ आ गए!" इस बार वह गैंडाल्फ़ से यही कहने वाला था। लेकिन वह गैंडाल्फ़ नहीं था। इसके बजाय, देहली पर एक बहुत बूढ़ा दिखने वाला ड्वार्फ़ था जिसकी सफ़ेद दाढ़ी और गहरे लाल रंग का हुड था; और दरवाज़ा खुलते ही वह भी अंदर कूद गया, मानो उसे आमंत्रित किया गया हो।

"मैं देखता हूँ कि वे पहले ही आने लगे हैं," उसने कहा जब उसकी नज़र ड्वैलिन के टंगे हुए हरे हुड पर पड़ी। उसने अपना लाल वाला उसके बगल में टाँग दिया, और "बालिन आपकी सेवा में!" उसने अपने सीने पर हाथ रखकर कहा।

"धन्यवाद!" बिल्बो ने हैरानी की साँस लेते हुए कहा। यह कहने के लिए सही बात नहीं थी, पर 'वे आने लगे हैं' वाली बात ने उसे बुरी तरह घबरा दिया था। उसे मेहमान पसंद थे, लेकिन वह उनके आने से पहले उन्हें जानना पसंद करता था, और वह खुद उन्हें आमंत्रित करना पसंद करता था। उसके मन में एक भयानक विचार आया कि केक कम पड़ सकते हैं, और तब उसे—मेज़बान होने के नाते: वह अपना कर्तव्य जानता था और चाहे कितना भी दर्दनाक हो, उस पर टिका रहता था—उसे बिना खाए रहना पड़ सकता था।

"आइए अंदर, और थोड़ी चाय लीजिए!" गहरी साँस लेने के बाद वह किसी तरह कह पाया।

"अगर आपको कोई एतराज़ न हो, मेरे अच्छे महोदय, तो थोड़ी बीयर मेरे लिए ज़्यादा ठीक

रहेगी," सफ़ेद दाढ़ी वाले बालनि ने कहा। "लेकनि मुझे कुछ केक से कोई आपत्ति नहीं—बीज वाला केक, अगर आपके पास हो तो।"

"बहुत सारे!" बल्बिो ने खुद को जवाब देते हुए पाया, जसिसे वह खुद भी हैरान था; और वह खुद को तेज़ी से तहखाने की ओर भागते हुए भी पाया ताकि वह एक पिंट बीयर का मग भर सके, और फिर कोठरी की ओर गया ताकि दो सुंदर गोल बीज वाले केक ला सके जिन्हें उसने उस दोपहर रात के खाने के बाद के अपने निवाले के लिए बेक किया था।

जब वह वापस आया तो बालनि और ड्वैलनि मेज़ पर पुराने दोस्तों की तरह बात कर रहे थे (वास्तव में वे भाई थे)। बल्बिो ने उनके सामने बीयर और केक धम्म से रख दिया, तभी घंटी पर फिर से ज़ोरदार घंटी बजी, और फिर एक और घंटी।

"इस बार पक्का गैंडाल्फ़ होगा," उसने दालान में हाँफते हुए सोचा। लेकनि वह नहीं था। वे दो और ड्वार्फ़ थे, दोनों नीले हुड, चाँदी की पेटी, और पीली दाढ़ी वाले; और उनमें से हर एक के पास औज़ारों का एक थैला और एक फावड़ा था। जैसे ही दरवाज़ा खुलने लगा, वे अंदर कूद गए—बल्बिो

बल्बिो को बल्कुिल भी आश्चर्य नहीं हुआ।

"मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ, मेरे ड्वार्फ़ों?" उसने कहा।

"किली आपकी सेवा में!" एक ने कहा। "और फिली!" दूसरे ने जोड़ा; और उन दोनों ने अपने नीले हुड उतार दिए और झुककर अभिवादन किया।

"आपकी और आपके परिवार की सेवा में भी!" बल्बिो ने इस बार अपना शिष्टाचार याद करते हुए जवाब दिया।

"मैं देखता हूँ, ड्वैलनि और बालनि पहले ही यहाँ हैं," किली ने कहा। "चलो हम भी इस भीड़ में

शामिल हो जाएँ!"

"भीड़!" मिस्टर बैगन्स ने सोचा। "मुझे यह शब्द पसंद नहीं आया। मुझे सच में एक मिनट के लिए बैठ जाना चाहिए और अपने होश ठिकाने लाने चाहिए, और कुछ पीना चाहिए।" वह बस एक घूँट ले ही पाया था—एक कोने में, जबकि चारों ड्वार्फ़ मेज़ के चारों ओर बैठे खानों और सोने, और गॉब्लिनों से होने वाली परेशानियों, और ड्रैगनों के विनाश के बारे में, और बहुत सी अन्य चीज़ों के बारे में बात कर रहे थे जिन्हें वह समझ नहीं पाया था, और समझना भी नहीं चाहता था, क्योंकि वे बहुत ज़्यादा साहसिक लग रहे थे—तभी, डिंग-डोंग-ए-लिंग-डैंग, उसकी घंटी फिर से बजी, मानो कोई शरारती छोटा हॉबिट-लड़का उसका हैंडल खींचकर निकालने की कोशिश कर रहा हो।

"दरवाज़े पर कोई है!" उसने पलकें झपकाते हुए कहा।

"आवाज़ से तो लगता है, कम से कम चार होंगे," फिली ने कहा। "इसके अलावा, हमने उन्हें दूरी में अपने पीछे आते हुए भी देखा था।"

बेचारा छोटा हॉबिट दालान में बैठ गया और अपना सिर हाथों में पकड़ लिया, और सोचने लगा कि क्या हो चुका है, और क्या होने वाला है, और क्या वे सभी रात के खाने के लिए ठहरेंगे। तभी घंटी पहले से कहीं ज़्यादा ज़ोर से बजी, और उसे दरवाज़े की ओर भागना पड़ा। आख़िरकार, वे चार नहीं थे, वे पाँच थे। जब वह दालान में सोच रहा था, तब एक और ड्वार्फ़ आ गया था। उसने अभी हैंडल को मोड़ा ही था कि वे सब अंदर आ गए, एक के बाद एक झुककर "आपकी सेवा में" कह रहे थे। डोरी, नोरी, ओरी, ओइन, और ग्लोइन उनके नाम थे; और बहुत जल्द ही दो बैंगनी हुड, एक स्लेटी हुड, एक भूरा हुड, और एक सफ़ेद हुड खूँटियों पर लटके हुए थे, और वे अपने सोने और चाँदी की पेटी में अपने चौड़े हाथ फँसाए हुए, दूसरों से मिलने के लिए आगे बढ़ गए। अब यह लगभग एक भीड़ बन चुकी थी। कुछ ने ऐल माँगी, कुछ ने पोर्टर, और एक ने कॉफ़ी, और उन सब ने केक माँगे; इसलिए हॉबिट कुछ देर के लिए बहुत व्यस्त हो गया।

कॉफ़ी का एक बड़ा जग अभी चूल्हे के पास रखा ही गया था, बीज वाले केक ख़त्म हो चुके थे, और ड्वार्फ़ मक्खन लगे स्कोन का दौर शुरू कर ही रहे थे कि तभी—एक ज़ोरदार दस्तक हुई। घंटी नहीं बजी थी, बल्कि हॉबिट के सुंदर हरे दरवाज़े पर ज़ोरदार 'रैट-टैट' हुआ था। कोई छड़ी से ठोक रहा था!

बिल्बो दालान में भागा, बहुत नाराज़ था, और पूरी तरह से चकराया और परेशान था—यह सबसे अजीब बुधवार था जो उसे याद था। उसने दरवाज़ा एक झटके से खींचा, और वे सब एक-दूसरे के ऊपर गिरते हुए अंदर आ गए। और ड्वार्फ़, चार और! और पीछे गैंडाल्फ़ थे, अपनी छड़ी पर झुककर हँस रहे थे। उन्होंने सुंदर दरवाज़े पर एक अच्छा-ख़ासा गड्ढा बना दिया था; उन्होंने, वैसे, वह गुप्त निशान भी मिटा दिया था जो उन्होंने पिछली सुबह वहाँ लगाया था।

"आराम से! आराम से!" उन्होंने कहा। "बिल्बो, दोस्तों को पायदान पर इंतज़ार करवाना, और फिर दरवाज़ा किसी पॉप-गन की तरह खोलना तुम्हें शोभा नहीं देता! मुझे परिचय कराने दो बिफ़ुर, बोफ़ुर, बॉम्बुर, और ख़ास तौर पर थोरिन से!"

"आपकी सेवा में!" बिफ़ुर, बोफ़ुर, और बॉम्बुर ने एक पंक्ति में खड़े होकर कहा। फिर उन्होंने दो पीले हुड और एक हल्का हरा हुड टाँग दिया; और एक आसमानी-नीला हुड भी जिस पर लंबा चाँदी का फुंदना लगा था। यह आख़िरी हुड थोरिन का था, एक अत्यंत महत्वपूर्ण ड्वार्फ़, वास्तव में कोई और नहीं बल्कि स्वयं महान थोरिन ओकनशील्ड, जो बिफ़ुर, बोफ़ुर, और बॉम्बुर के अपने ऊपर होने के कारण बिल्बो के पायदान पर औंधे मुँह गिरने से ज़रा भी ख़ुश नहीं थे। एक कारण यह था कि बॉम्बुर बेहद मोटा और भारी था। थोरिन वास्तव में बहुत अभिमानी थे, और उन्होंने सेवा के बारे में कुछ नहीं कहा; लेकिन बेचारे मिस्टर बैगिन्स ने इतनी बार माफ़ी माँगी कि अंत में उन्होंने "कृपा करके इसका ज़िक्र न करें," कहकर गुर्राया और त्यौरियाँ चढ़ाना बंद कर दिया।

"अब हम सब यहाँ हैं!" गैंडाल्फ़ ने खूँटियों पर लटके तेरह हुडों की पंक्ति—सबसे बेहतरीन अलग किए जा सकने वाले पार्टी हुडों—और अपनी खुद की टोपी को देखते हुए कहा। "काफ़ी

मज़ेदार जमावड़ा है! मुझे उम्मीद है कि देर से आने वालों के लिए खाने-पीने के लिए कुछ बचा होगा! वह क्या है? चाय! नहीं धन्यवाद! मुझे लगता है कि मेरे लिए थोड़ी लाल शराब ठीक रहेगी।"

"और मेरे लिए भी," थोरिन ने कहा।

"और रास्पबेरी जैम और सेब का टार्ट," बिफ़ुर ने कहा।

"और मीन्स-पाई और पनीर," बोफ़ुर ने कहा।

"और पोर्क-पाई और सलाद," बॉम्बुर ने कहा।

"और ज़्यादा केक—और ऐल—और कॉफ़ी भी, अगर आपको कोई एतराज़ न हो," अन्य ड्वार्फ़ों ने दरवाज़े से आवाज़ लगाई।

"कुछ अंडे भी चढ़ा दो, मेरे अच्छे दोस्त!" गैंडाल्फ़ ने उसके पीछे से आवाज़ दी, जब हॉबिट कोठरियों की ओर डगमगाते हुए चला गया। "और बस ठंडा चिकन और अचार भी निकाल लाना!"

"लगता है कि वह मेरी कोठरी के अंदर की चीज़ों के बारे में उतना ही जानता है जितना मैं खुद!" मिस्टर बैगन्स ने सोचा, जो पूरी तरह से हक्का-बक्का महसूस कर रहे थे, और सोचने लगे थे कि कहीं कोई बेहद बुरी साहसिक घटना सीधे उनके घर में तो नहीं आ गई है। जब तक उसने सभी बोतलें और व्यंजन और चाकू और काँटे और गिलास और प्लेटें और चम्मच और बाकी चीज़ें बड़ी ट्रे पर ढेर कर ली थीं, तब तक वह बहुत गरम हो चुका था, उसका चेहरा लाल हो गया था, और वह चढ़ि गया था।

"ये ड्वार्फ़ तंग और परेशान करें!" उसने ज़ोर से कहा। "वे आकर हाथ क्यों नहीं बँटाते?" और देखो! बालिन और ड्वैलिन रसोई के दरवाज़े पर खड़े थे, और उनके पीछे फिली और किली थे,

और इससे पहले कि वह कुछ कह पाता, उन्होंने ट्रे और दो छोटी मेज़ें बैठक में पहुँचा दी थीं और सब कुछ नए सिरे से लगा दिया था।

गैंडाल्फ़ तेरह ड्वार्फ़ों के बीच में, समूह के प्रमुख के रूप में बैठे थे: और बिल्बो अंगीठी के पास एक स्टूल पर बैठा था, बिस्कुट कुतर रहा था (उसकी भूख पूरी तरह से जा चुकी थी), और ऐसा दिखने की कोशिश कर रहा था मानो यह सब बिल्कुल सामान्य था और ज़रा भी कोई साहसिक घटना नहीं थी। ड्वार्फ़ खाते गए और खाते गए, और बोलते गए और बोलते गए, और समय बीतता गया। आख़िरकार, उन्होंने अपनी कुर्सियाँ पीछे धकेलीं, और बिल्बो ने प्लेटें और गिलास उठाने के लिए कदम बढ़ाया।

"मेरा ख़याल है कि आप सब रात के खाने के लिए ठहरेंगे?" उसने अपनी सबसे विनम्र और आग्रह न करने वाली आवाज़ में कहा।

"बेशक!" थोरिन ने कहा। "और उसके बाद भी। हमारा काम देर रात तक पूरा नहीं होगा, और पहले हमें कुछ संगीत सुनना चाहिए। अब सफ़ाई शुरू करो!"

इस पर बारह ड्वार्फ़—थोरिन नहीं, वह बहुत महत्वपूर्ण थे, और गैंडाल्फ़ से बात करते रहे—अपने पैरों पर उछल पड़े, और सभी चीज़ों के ऊँचे ढेर बना दिए। वे बिना ट्रे का इंतज़ार किए चल दिए, एक हाथ से प्लेटों के स्तंभों को संतुलित करते हुए, हर ढेर के ऊपर एक बोतल थी, जबकि हॉबिट डर के मारे लगभग चीख़ता हुआ उनके पीछे भागा: "कृपा करके ध्यान से!" और "कृपया, कष्ट न करें! मैं संभाल सकता हूँ।" लेकिन ड्वार्फ़ बस गाने लगे:

गिलासों में चिप लगाओ और प्लेटों को चटकाओ!
चाकुओं को भोथरा करो और काँटों को मोड़ो!
यही है जो बिल्बो बैगिन्स को नापसंद है—
बोतलों को तोड़ो और कॉर्कों को जलाओ!
कपड़े को काटो और चकिनाई पर चलो!
दूध को कोठरी के फ़र्श पर डाल दो!

हड्डियों को बेडरूम के पायदान पर छोड़ दो!
हर दरवाज़े पर शराब के छींटे मारो!
बर्तनों को उबलते कटोरे में डालो;
उन्हें एक मोटे डंडे से कूट दो;
और जब तुम ख़त्म कर लो, अगर कोई साबुत बच जाए,
तो उन्हें दालान में लुढ़कने के लिए भेज दो!
यही है जो बिल्बो बैगन्स को नापसंद है!
तो, ध्यान से! प्लेटों के साथ ध्यान से!

और निश्चित रूप से उन्होंने इनमें से कोई भी भयानक काम नहीं किया, और हॉबिट के रसोई के बीच में गोल-गोल घूमकर यह देखने की कोशिश करते रहने के दौरान कि वे क्या कर रहे हैं, सब कुछ बिजली की तेज़ी से साफ़ करके सुरक्षित रख दिया गया। फिर वे वापस गए, और थोरिन को अंगीठी की जाली पर पैर रखे पाइप पीते हुए पाया। वह सबसे विशाल धुएँ के छल्ले उड़ा रहे थे, और

वह जिसे जहाँ जाने को कहता, वह वहीं जाता—चिमनी के ऊपर, या अंगीठी की मुंडेर पर रखी घड़ी के पीछे, या मेज़ के नीचे, या छत पर गोल घूमता; लेकिन वह जहाँ भी जाता, गैंडल्फ़ से बचने के लिए काफ़ी तेज़ नहीं था। पॉप! उसने अपने छोटे मिट्टी के पाइप से धुएँ का एक छोटा छल्ला सीधा थोरिन के हर छल्ले के बीच से भेज दिया। तब गैंडल्फ़ का धुएँ का छल्ला हरा हो जाता और वापस आकर विज़ार्ड के सिर के ऊपर मंडराने लगता। उसके चारों ओर पहले ही उनका एक बादल बन चुका था, और मंद प्रकाश में वह अजीब और जादुई लग रहा था। बिल्बो चुपचाप खड़ा देखता रहा—उसे धुएँ के छल्ले बहुत पसंद थे—और फिर वह यह सोचकर शरमा गया कि कल सुबह वह द हिल के ऊपर हवा में उड़ाए अपने धुएँ के छल्लों पर कितना गर्व कर रहा था।

“अब कुछ संगीत हो जाए!” थोरिन ने कहा। “वाद्य यंत्र बाहर लाओ!”

किली और फ़िली अपने थैलों की ओर लपके और छोटे वायोलिन वापस लाए; डोरी, नोरी, और

ओरी ने अपने कोट के अंदर से कहीं से बाँसुरियाँ निकालीं; बॉम्बुर ने दालान से एक ढोल निकाला; बफ़िर और बोफ़ुर भी बाहर गए, और क्लेरनिट लेकर वापस आए जिन्हें वे छड़ियों के बीच छोड़ गए थे। डवालिन और बालिन ने कहा: "क्षमा करें, मैं अपना ओसारे में छोड़ आया हूँ!" "मेरा भी अपने साथ लेते आना!" थोरिन ने कहा। वे खुद जितने बड़े वायल लेकर लौटे, और साथ में थोरिन की वीणा भी थी जो एक हरे कपड़े में लपिटी थी। वह एक सुंदर सुनहरी वीणा थी, और जब थोरिन ने उस पर आघात किया तो संगीत तुरंत शुरू हो गया, इतना अचानक और मधुर कि बिल्बो सब कुछ भूल गया, और वह अजीब चंद्रमाओं के नीचे अंधेरे देशों में बह गया, जो द वॉटर के पार और द हिल के नीचे स्थित उसकी हॉबिट-खोह से बहुत दूर थे।

द हिल के किनारे में खुलती छोटी खड़िकी से कमरे में अंधेरा आया; आग की रोशनी टिमिटिमा रही थी—यह अप्रैल का महीना था—और वे अभी भी बजा रहे थे, जबकि गैंडल्फ़ की दाढ़ी की छाया दीवार पर हिल रही थी।

अंधेरे ने पूरे कमरे को भर दिया, और आग धीमी पड़ गई, और परछाइयाँ खो गईं, और वे अब भी बजाते रहे। और अचानक खेलते-खेलते पहले एक ने और फिर दूसरे ने गाना शुरू कर दिया, जो ड्वार्फ़ का उनके प्राचीन घरों की गहरी जगहों का गहरे गले वाला गायन था; और यह उनके गीत का एक अंश मात्र है, अगर यह उनके संगीत के बिना उनके गीत जैसा हो सकता है।

धुँधले ठंडे पर्वतों के पार
गहरे तहख़ानों और प्राचीन गुफ़ाओं की ओर
हमें भोर होने से पहले ही दूर निकल जाना होगा
उस फीके जादुई सोने को खोजने।

पुराने ज़माने के ड्वार्फ़ ने बड़े जादू किए,
जब हथौड़े बजती घंटियों की तरह गिरते थे
गहरी जगहों में, जहाँ अँधेरी चीज़ें सोती हैं,
पहाड़ों के नीचे खोकले हॉलों में।

प्राचीन राजा और एल्वशि लॉर्ड के लिए
वहाँ उन्होंने कई चमकदार सुनहरे ख़ज़ाने
गढ़े और तराशे, और उन्होंने रोशनी पकड़ी
जसिे तलवार की मूठ पर रत्नों में छपिाया।

चाँदी के हारों में उन्होंने गूँथा
फूलों वाले तारों को, मुकुटों पर लटकाया
ड्रैगन-अग्नि को, मुड़े हुए तार में
उन्होंने चाँद और सूरज की रोशनी फँसाई।

धुँधले ठंडे पर्वतों के पार
गहरे तहख़ानों और प्राचीन गुफ़ाओं की ओर
हमें भोर होने से पहले ही दूर नकिल जाना होगा
अपने लंबे समय से भूले हुए सोने पर दावा करने।

उन्होंने अपने लिए वहाँ प्याले तराशे
और सोने की वीणाएँ; जहाँ कोई आदमी खुदाई नहीं करता
वहाँ वे लंबे समय तक पड़े रहे, और कई गीत
मनुष्यों या एल्फ़ों द्वारा अनसुने गाए गए।

ऊँचाई पर चीड़ गरज रहे थे,
रात में हवाएँ कराह रही थीं।
आग लाल थी, वह लपटों में फैल गई;
वृक्ष जलती मशालों की तरह चमक उठे।

घाटी में घंटयिाँ बज रही थीं
और पुरुषों ने पीले चेहरे लिए ऊपर देखा;
ड्रैगन का प्रकोप आग से भी अधकि भयानक

उनकी मीनारों और कमज़ोर घरों को झुका गया।

पर्वत चाँद के नीचे धुआँ उगलने लगा;
ड्वार्फ़ ने, विनाश की पदचाप सुनी।
वे अपने हॉल से अंतिम पतन तक भाग निकले
उसके पैरों के नीचे, चाँद के नीचे।

भयंकर धुँधले पर्वतों के पार
गहरे तहख़ानों और धुंधली गुफ़ाओं की ओर
हमें भोर होने से पहले ही दूर निकल जाना होगा,
उससे अपनी वीणाएँ और सोना जीतने!

जैसे ही उन्होंने गाया, हॉबिट ने हाथों से और चतुराई से और जादू से बनी सुंदर चीज़ों के प्रति प्रेम को अपने अंदर से गुजरते हुए महसूस किया, एक उग्र और ईर्ष्यालु प्रेम, ड्वार्फ़ के हृदयों की लालसा। तब उसके भीतर कुछ टूक-सम्बन्धी जाग उठा, और उसने महान पर्वतों को देखने, और चीड़ के पेड़ों और झरनों को सुनने, और गुफ़ाओं की खोज करने, और छड़ी के बजाय तलवार पहनने की इच्छा की। उसने खिड़की से बाहर देखा। पेड़ों के ऊपर अंधेरे आकाश में तारे निकले हुए थे। उसने अंधेरी गुफ़ाओं में चमकते ड्वार्फ़ के जवाहरातों के बारे में सोचा। अचानक द वॉटर के पार जंगल में एक लौ उछली—संभवतः कोई सूखी लकड़ी की आग जला रहा था—और उसने अपने शांत द हिल पर उतरते हुए और उसे पूरा आग लगा देने वाले लुटेरे ड्रेगनों के बारे में सोचा। वह काँप उठा; और बहुत जल्दी वह फिर से बैग-एंड, अंडर-हिल के सीधे-सादे मिस्टर बैगन्स बन गए।

वह काँपते हुए उठ खड़ा हुआ। उसका मन बत्ती लाने का आधे से भी कम था, और दिखावा करके, तहखाने में बीयर के पीपों के पीछे जाकर छिपने का मन आधे से ज्यादा था, और तब तक बाहर न आने का मन था जब तक कि सारे ड्वार्फ़ चले न जाएँ। अचानक उसने पाया कि संगीत और गायन बंद हो गया था, और वे सब अंधेरे में चमकती आँखों से उसे देख रहे थे।

“तुम कहाँ जा रहे हो?” थोरनि ने एक ऐसे लहजे में कहा जिससे लगा कि वह हॉबिट के मन के दोनों हिस्सों को भाँप गया था।

“थोड़ी रोशनी हो जाए?” बिल्बो ने माफ़ी माँगते हुए कहा।

""हमें अंधेरा पसंद है,” सभी ड्वार्फ़ ने कहा। “अंधेरा, गहरे काम के लिए! भोर होने में अभी कई घंटे हैं।”

“बेशक!” बिल्बो ने कहा, और हड़बड़ी में बैठ गया। वह स्टूल से चूक गया और अंगीठी की जाली पर बैठ गया, और धड़ाम की आवाज़ के साथ चिमटे और फावड़े को गिरा दिया।

“शांत!” गैंडल्फ़ ने कहा। “थोरनि को बोलने दो!” और इस तरह थोरनि ने शुरुआत की।

“गैंडल्फ़, ड्वार्फ़ और मिस्टर बैगन्स! हम अपने मित्र और सह-षड्यंत्रकारी, इस अत्यंत उत्कृष्ट और साहसी हॉबिट के घर में एकत्रित हुए हैं—कामना है कि उसके पंजों के बाल कभी न झड़ें! उसकी शराब और एयल की जय हो!—” वह साँस लेने के लिए और हॉबिट से एक विनम्र टिप्पणी सुनने के लिए रुका, लेकिन बेचारे बिल्बो बैगन्स पर ये प्रशंसाएँ व्यर्थ गईं, जो साहसी और सबसे बढ़कर सह-षड्यंत्रकारी कहे जाने पर विरोध में अपना मुँह हिला रहा था, हालाँकि कोई आवाज़ बाहर नहीं आई, वह इतना घबराया हुआ था। इसलिए थोरनि आगे बोला:

“हम अपनी योजनाओं, अपने मार्गों, साधनों, नीतियों और उपायों पर चर्चा करने के लिए मिले हैं। हम जल्द ही भोर होने से पहले अपनी लंबी यात्रा पर निकलेंगे, एक ऐसी यात्रा जिससे हम में से कुछ, या शायद हम सभी (हमारे मित्र और सलाहकार, चतुर विज़ार्ड गैंडल्फ़ को छोड़कर) शायद कभी वापस न लौटें। यह एक गंभीर क्षण है। मेरा मानना है कि हमारा उद्देश्य हम सभी को अच्छी तरह से ज्ञात है। आदरणीय मिस्टर बैगन्स के लिए, और शायद एक या दो छोटे ड्वार्फ़ के लिए (उदाहरण के लिए, मुझे किली और फ़िली का नाम लेने में सही होना चाहिए), इस समय की सटीक स्थिति को थोड़े संक्षिप्त स्पष्टीकरण की

आवश्यकता हो सकती है—”

यह थोरिन की शैली थी। वह एक महत्वपूर्ण ड्वार्फ़ था। अगर उसे अनुमति दी जाती, तो वह शायद साँस फूलने तक इसी तरह बोलता रहता, बिना वहाँ मौजूद किसी को कुछ भी बताए जो पहले से ज्ञात न हो। लेकिन उसे भद्दे तरीके से बाधित किया गया। बेचारा बिल्बो अब और सहन नहीं कर सका। ‘शायद कभी वापस न लौटें’ सुनते ही उसे लगा कि उसके भीतर एक चीख़ उठ रही है, और जल्द ही वह एक सुरंग से निकलते इंजन की सीटी की तरह फूट निकली। सभी ड्वार्फ़ मेज़ गिराते हुए उछल पड़े। गैंडल्फ़ ने अपनी जादुई छड़ी के सिरे पर नीली रोशनी जलाई, और उसकी आतिशबाज़ी जैसी चमक में बेचारा छोटा हॉबिट अंगीठी के कालीन पर घुटने टेकता हुआ दिखाई दिया, जो पिघलती हुई जेली की तरह काँप रहा था। फिर वह फ़र्श पर औंधा गिर पड़ा, और लगातार चिल्लाता रहा “बिजली गिर गई, बिजली गिर गई...
”

बार-बार; और बहुत देर तक वे उससे बस इतना ही निकलवा पाए। इसलिए उन्होंने उसे उठाया और बैठक के सोफ़े पर, हाथ की पहुँच में पेय रखते हुए, एक तरफ़ लिटा दिया, और वे अपने गंभीर काम में वापस लग गए।

"आसानी से उत्तेजित होने वाला छोटा प्राणी," गैंडल्फ़ ने कहा, जब वे फिर से बैठ गए। "इसे अजीबोगरीब दौरे पड़ते हैं, लेकिन यह सर्वश्रेष्ठ में से एक है, सर्वश्रेष्ठ में से एक—ज़रूरत पड़ने पर अजगर जितना भयंकर।"

यदि आपने कभी अजगर को 'ज़रूरत पड़ने पर' देखा हो, तो आप समझ जाएँगे कि यह किसी भी हॉबिट पर लागू होने वाला केवल काव्यात्मक अतिशयोक्ति था, यहाँ तक कि ओल्ड टुक के पर-पर-चाचा बुलरोअर पर भी, जो (एक हॉबिट के लिए) इतना विशाल था कि वह घोड़े की सवारी कर सकता था। उसने बैटल ऑफ़ द ग्रीन फ़ील्ड्स में माउंट ग्राम के गॉब्लिन्स की पंक्तियों पर हमला किया, और अपनी लकड़ी की लाठी से उनके राजा गोल्फ़िम्बुल का सिर पूरी तरह से धड़ से अलग कर दिया। वह सिर हवा में सौ गज तक उड़ता गया और एक खरगोश के बिल में जा गिरा, और इस तरह युद्ध जीता गया और गोल्फ़ का खेल उसी क्षण ईजाद

हुआ।

हालाँकि, इस बीच, बुलरोअर का अधिक शांत वंशज बैठक में स्वस्थ हो रहा था। थोड़ी देर बाद और एक पेय पीने के बाद, वह घबराकर पार्लर के दरवाज़े तक सरका। उसने यह सुना, ग्लोइन बोल रहा था: "हम्फ़!" (या कुछ ऐसा ही फुफकारना)। "क्या वह काम कर पाएगा, तुम्हें लगता है? गैंडल्फ़ के लिए इस हॉबिट को भयंकर कहना ठीक है, लेकिन उत्तेजना के क्षण में वैसी एक चीख़ ड्रैगन और उसके सारे रिश्तेदारों को जगाने और हम सबको मार डालने के लिए काफ़ी होगी। मुझे लगता है कि यह उत्तेजना से ज़्यादा डर जैसा लग रहा था! सच कहूँ तो, अगर दरवाज़े पर वह निशान न होता, तो मुझे यक़ीन हो जाता कि हम ग़लत घर आ गए हैं। जैसे ही मेरी नज़र चटाई पर उछलते-फुदकते उस छोटे प्राणी पर पड़ी, मुझे संदेह हो गया था। वह सेंधमार से ज़्यादा पंसारी लगता है!"

तभी मिस्टर बैगन्स ने हत्था घुमाया और अंदर चले गए। टुक पक्ष जीत गया था। उन्हें अचानक लगा कि भयंकर समझे जाने के लिए वह बिना बिस्तर और नाश्ते के भी जाने को तैयार हो जाएँगे। जहाँ तक चटाई पर उछलते छोटे प्राणी की बात थी, उस बात ने उन्हें सचमुच भयंकर बना दिया। बाद में कई बार बैगन्स पक्ष को अपने इस काम पर पछतावा हुआ, और उन्होंने खुद से कहा: "बिल्बो, तुम मूर्ख थे; तुम सीधे अंदर चले गए और मुसीबत मोल ले ली।"

"मुझे क्षमा करें," उन्होंने कहा, "यदि मैंने वे शब्द सुन लिए हैं जो आप कह रहे थे। मैं यह समझने का दिखावा नहीं करता कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं, या सेंधमारों का आपका उल्लेख किस संदर्भ में है, लेकिन मुझे लगता है कि मेरा मानना सही है" (इसे वह अपनी मर्यादा पर होना कहते थे) "कि आप सोचते हैं कि मैं किसी काम का नहीं हूँ। मैं आपको दिखाऊँगा। मेरे दरवाज़े पर कोई निशान नहीं है—इसे एक हफ़्ता पहले ही रंगा गया था—, और मुझे पूरा यक़ीन है कि आप ग़लत घर आ गए हैं। जैसे ही मैंने दरवाज़े की सीढ़ी पर आपके अजीब चेहरे देखे, मुझे संदेह हो गया था। लेकिन इसे सही घर मानिए। मुझे बताइए कि आप क्या करवाना चाहते हैं, और मैं कोशिश करूँगा, भले ही मुझे यहाँ से ईस्ट ऑफ़ ईस्ट तक चलना पड़े और लास्ट डेज़र्ट में जंगली वेयर-वॉर्म्स से लड़ना पड़े। मेरा एक पर-पर-पर-पर-चाचा थे, बुलरोअर टुक, और—"

“हाँ, हाँ, लेकिन वह बहुत पहले की बात थी,” ग्लोइन ने कहा। “मैं आपकी बात कर रहा था। और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि इस दरवाज़े पर एक निशान है—पेशे में सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाला, या इस्तेमाल होता था। 'सेंधमार को एक अच्छा काम, ढेर सारी उत्तेजना और उचित इनाम चाहिए,' इसे आमतौर पर ऐसे ही पढ़ा जाता है। अगर आप चाहें तो सेंधमार के बजाय विशेषज्ञ ख़ज़ाना-शिकारी कह सकते हैं। उनमें से कुछ ऐसा ही कहते हैं। हमारे लिए यह सब एक ही है। गैंडल्फ़ ने हमें बताया था कि इन इलाक़ों में इसी तरह का एक आदमी तुरंत काम की तलाश में है, और उसने इस बुधवार चाय के समय यहाँ एक बैठक की व्यवस्था की थी।”

“बेशक निशान है,” गैंडल्फ़ ने कहा। “वह मैंने ख़ुद लगाया था। बहुत अच्छे कारणों से। तुमने मुझसे अपने अभियान के लिए चौदहवाँ आदमी खोजने को कहा था, और मैंने मिस्टर बैगन्स को चुना। बस किसी को कहने दो कि मैंने ग़लत आदमी या ग़लत घर चुना है, और तुम तेरह पर रुक सकते हो और जितनी चाहो उतनी बदक़िस्मती झेल सकते हो, या फिर वापस कोयला खोदने जा सकते हो।”

उसने ग्लोइन को इतने ग़ुस्से से देखा कि ड्वार्फ़ अपनी कुर्सी में सिकुड़कर बैठ गया; और जब बिल्बो ने कोई सवाल पूछने के लिए अपना मुँह खोलने की कोशिश की, तो वह उसकी ओर मुड़ा और उस पर तेवरी चढ़ाकर अपनी घनी भौंहें बाहर निकाल दीं, जब तक कि बिल्बो ने चुपके से अपना मुँह कसकर बंद नहीं कर लिया। “ठीक है,” गैंडल्फ़ ने कहा। “अब और बहस नहीं। मैंने मिस्टर बैगन्स को चुना है और यह तुम सबके लिए काफ़ी होना चाहिए। अगर मैं कहता हूँ कि वह एक सेंधमार है, तो वह सेंधमार है, या समय आने पर बन जाएगा। जितना तुम अंदाज़ा लगाते हो, उससे कहीं ज़्यादा उसके अंदर है, और जितना उसे ख़ुद पता है, उससे कहीं ज़्यादा। हो सकता है कि तुम सब मुझे धन्यवाद देने के लिए ज़िंदा रहो। अब बिल्बो, मेरे बच्चे, दीया लाओ, और चलो इस पर थोड़ी रोशनी डालते हैं!”

लाल शेड वाले एक बड़े दीये की रोशनी में, उसने मेज़ पर एक चर्मपत्र फैलाया जो मानचित्र जैसा लग रहा था।

“यह तुम्हारे दादा, थ्रोर ने बनाया था, थोरनि,” उसने ड्वार्फ़ों के उत्तेजित सवालों के जवाब में कहा। “यह पर्वत का एक नक्शा है।”

“मुझे नहीं लगता कि इससे हमें ज्यादा मदद मिलेगी,” एक नज़र देखने के बाद थोरनि ने निराशा से कहा। “मुझे पर्वत और उसके आसपास की ज़मीनें अच्छी तरह याद हैं। और मैं जानता हूँ कि मिर्किवुड कहाँ है, और वह थिर्ड हीथ भी जहाँ बड़े-बड़े ड्रैगन पलते थे।”

“पर्वत पर लाल रंग से एक ड्रैगन चिह्नित है,” बालिन ने कहा, “लेकिन अगर हम कभी वहाँ पहुँचे, तो उसे इसके बिना ढूँढना भी काफ़ी आसान होगा।”

“एक बात है जिस पर आपने ध्यान नहीं दिया,” विज़ार्ड ने कहा, “और वह है गुप्त प्रवेश द्वार। क्या तुम्हें पश्चिम दिशा पर वह रूण दिखाई दे रहा है, और दूसरे रूणों से उसकी ओर इशारा करता हुआ हाथ? वह निचले कक्षों तक जाने वाले एक गुप्त मार्ग को चिह्नित करता है।” (इस पुस्तक के आरम्भ में दिया गया नक्शा देखिए, और आपको वे रूण वहाँ दिख जाएँगे।)

“हो सकता है कि वह कभी गुप्त रहा हो,” थोरनि ने कहा, “लेकिन हमें कैसे पता चलेगा कि वह अब भी गुप्त है? बूढ़ा स्मॉग अब इतने लंबे समय से वहाँ रह रहा है कि उन गुफ़ाओं के बारे में जानने लायक़ सब कुछ पता चल गया होगा।”

“हो सकता है—लेकिन उसने इसे सालों साल इस्तेमाल नहीं किया होगा।”

“क्यों?”

“क्योंकि यह बहुत छोटा है। रूण कहते हैं, 'दरवाज़ा पाँच फ़ुट ऊँचा और तीन कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं,' लेकिन स्मॉग उस आकार के छेद में रेंगकर नहीं जा सकता था, तब भी नहीं जब वह एक युवा ड्रैगन था, और डेल के इतने सारे ड्वार्फ़ों और मनुष्यों को निगलने

के बाद तो बिलकुल नहीं।”

“यह तो मुझे बहुत बड़ा छेद लगता है,” बिल्बो तीखी आवाज़ में बोला (जिसे ड्रैगनों का नहीं, बल्कि केवल हॉबिट-छेद का अनुभव था)। वह फिर से उत्साहित और उत्सुक हो रहा था, इसलिए वह अपना मुँह बंद रखना भूल गया। उसे नक्शे बहुत पसंद थे, और उसके हॉल में आसपास के इलाक़े का एक बड़ा नक्शा टँगा हुआ था जिस पर उसके सभी पसंदीदा पैदल रास्ते लाल स्याही से चिह्नित थे। “इतने बड़े दरवाज़े को बाहर के सभी लोगों से, ड्रैगन को छोड़कर, कैसे गुप्त रखा जा सकता है?” उसने पूछा। आपको याद रखना चाहिए कि वह केवल एक छोटा हॉबिट था।

“बहुत से तरीक़ों से,” गैंडल्फ़ ने कहा। “लेकिन यह दरवाज़ा किस तरीक़े से छिपाया गया है, यह हमें वहाँ जाकर देखे बिना पता नहीं चलेगा। नक्शे पर जो लिखा है, उससे मेरा अंदाज़ा है कि वहाँ एक बंद दरवाज़ा है जिसे हूबहू पर्वत के किनारे जैसा दिखने के लिए बनाया गया है। यह ड्वार्फ़ों का सामान्य तरीक़ा है—मुझे लगता है कि यह सही है, है ना?”

“एकदम सही,” थोरिन ने कहा।

“साथ ही,” गैंडल्फ़ आगे बोला, “मैं यह बताना भूल गया था कि नक्शे के साथ एक चाबी भी थी, एक छोटी और अजीब चाबी। यह रही!” उसने कहा, और थोरिन को चाँदी से बनी एक लंबी शाफ़्ट और जटिल खाँचों वाली चाबी सौंप दी। “इसे सुरक्षित रखना!”

“निश्चित रूप से रखूँगा,” थोरिन ने कहा, और उसने उसे एक बारीक ज़ंजीर पर कस दिया जो उसके गले में लटकी हुई थी और

अपनी जैकेट के नीचे। “अब चीज़ें ज़्यादा आशाजनक लगने लगी हैं। इस ख़बर से वे काफ़ी बेहतर हो गई हैं। अब तक हमारे पास यह स्पष्ट विचार नहीं था कि क्या करना है। हमने सोचा था कि जितना हो सके चुपचाप और सावधानी से पूरब की ओर, लॉन्ग लेक (Long Lake) तक जाएँगे। उसके बाद परेशानी शुरू हो जाती—”

“उससे भी बहुत पहले, अगर मुझे पूरब के रास्तों के बारे में कुछ भी पता है तो,” गैंडल्फ़ ने बीच में टोकते हुए कहा।

“वहाँ से हम रनिंग रिवर (Running River) के किनारे-किनारे ऊपर जा सकते थे,” थोरिन ने अनदेखी करते हुए अपनी बात जारी रखी, “और इस तरह डेल (Dale) के खंडहरों तक—जो वहाँ घाटी में पर्वत की छाँव के नीचे पुराना क़स्बा है। लेकिन हममें से किसी को भी सामने वाले फाटक (Front Gate) का विचार पसंद नहीं आया। नदी पर्वत के दक्षिण में स्थित विशाल चट्टान से होकर सीधे उसी में से बाहर निकलती है, और उसमें से ड्रैगन भी बाहर आता है—बहुत ज़्यादा बार, जब तक कि उसने अपनी आदतें न बदल ली हों।”

“वह अच्छा नहीं होगा,” उस जादूगर ने कहा, “किसी शक्तिशाली योद्धा, यहाँ तक कि किसी वीर (Hero) के बिना तो बिल्कुल नहीं। मैंने एक ढूँढने की कोशिश की; लेकिन योद्धा दूर की ज़मीनों में आपस में लड़ने में व्यस्त हैं, और इस इलाक़े में वीर कम हैं, या बस मिलते ही नहीं। इन हिस्सों में तलवारें ज़्यादातर भोथरी हैं, और कुल्हाड़ियाँ पेड़ों के लिए इस्तेमाल होती हैं, और ढालों को पालनों या बर्तन के ढक्कनों की तरह इस्तेमाल किया जाता है; और ड्रैगन आराम से दूर हैं (और इसलिए केवल कहानियों में)। इसीलिए मैंने सेंधमारी (burglary) पर ध्यान केंद्रित किया—ख़ासकर तब जब मुझे एक साइड-डोर (Side-door) के अस्तित्व की याद आई। और यह रहे हमारे छोटे बिल्बो बैगन्स (Bilbo Baggins), सेंधमार, चुने हुए और चयनित सेंधमार। तो अब चलो आगे बढ़ते हैं और कुछ योजनाएँ बनाते हैं।”

“तो बहुत ठीक है,” थोरिन ने कहा, “मान लीजिए कि सेंधमार-विशेषज्ञ हमें कुछ विचार या सुझाव देते हैं।” वह बनावटी-विनम्रता के साथ बिल्बो की ओर मुड़ा।

“सबसे पहले मैं चीज़ों के बारे में थोड़ा और जानना चाहूँगा,” उसने कहा, अंदर से बहुत उलझन और थोड़ी घबराहट महसूस करते हुए, लेकिन अभी तक चीज़ों के साथ आगे बढ़ने के लिए टूकी (Tookishly) तरीक़े से दृढ़ था। “मेरा मतलब है, सोने और ड्रैगन के बारे में, और वह सब, और वह वहाँ कैसे पहुँचा, और वह किसका है, और आगे क्या-क्या।”

“हे भगवान!” थोरनि ने कहा, “क्या तुम्हारे पास नक्शा नहीं है? और क्या तुमने हमारा गीत नहीं सुना? और क्या हम घंटों से इन सबके बारे में बात नहीं कर रहे हैं?”

“फिर भी, मैं यह सब स्पष्ट और साफ़-साफ़ जानना चाहूँगा,” उसने हठपूर्वक कहा, अपनी व्यावसायिक मुद्रा (जो आमतौर पर उन लोगों के लिए आरक्षित थी जो उससे पैसे उधार लेने की कोशिश करते थे) अपनाते हुए, और गैंडल्फ़ की सिफ़ारिश पर खरा उतरने के लिए बुद्धिमान, विवेकपूर्ण और पेशेवर दिखने की पूरी कोशिश करते हुए। “साथ ही मैं जोखिमों, अपनी जेब से होने वाले ख़र्चों, आवश्यक समय और पारिश्रमिक, और ऐसी ही अन्य चीज़ों के बारे में जानना चाहूँगा”—जिससे उसका मतलब था: “मुझे इससे क्या मिलेगा? और क्या मैं ज़िंदा वापस आऊँगा?”

“ओह बहुत ठीक,” थोरनि ने कहा। “बहुत पहले, मेरे दादा थ्रोर (Thror) के समय में, हमारे परिवार को सुदूर उत्तर से खदेड़ दिया गया था, और वे अपने सारे धन और औज़ारों के साथ नक्शे पर दिखाए गए इस पर्वत पर वापस आ गए। इसकी खोज मेरे दूर के पूर्वज, थ्रेन द ओल्ड (Thrain the Old) ने की थी, लेकिन अब उन्होंने खनन किया और सुरंगें बनाईं और विशालतर हॉल और बड़े कारख़ाने बनाए—और इसके अलावा मेरा मानना है कि उन्हें काफ़ी सारा सोना और बहुत से जवाहरात भी मिले। ख़ैर, वे बहुत ज़्यादा अमीर और प्रसिद्ध हो गए, और मेरे दादा फिर से पर्वत के राजा (King under the Mountain) बन गए, और नश्वर मनुष्यों द्वारा उनका बहुत आदर-सत्कार किया जाता था, जो दक्षिण में रहते थे, और धीरे-धीरे रनिंग रिवर (Running River) के किनारे-किनारे पर्वत की छाया वाली घाटी तक फैल रहे थे। उन दिनों उन्होंने वहाँ डेल (Dale) का प्रसन्नचित्त शहर बनाया। राजा हमारे लोहारों को बुलाते थे, और कम से कम कुशल को भी भरपूर इनाम देते थे। पिता हमसे विनती करते थे कि हम उनके बेटों को प्रशिक्षु (apprentices) के रूप में लें, और हमें अच्छा भुगतान करते थे, ख़ासकर खाद्य-सामग्री के रूप में, जिसे उगाने या खोजने की हमने कभी परवाह नहीं की। कुल मिलाकर, वे हमारे लिए अच्छे दिन थे, और हममें से सबसे ग़रीब के पास भी ख़र्च करने और उधार देने के लिए पैसा था, और केवल मनोरंजन के लिए सुंदर चीज़ें बनाने का ख़ाली समय था, सबसे अद्भुत और जादुई खिलौनों की तो बात ही क्या है, जिनके जैसा

आजकल दुनिया में कहीं नहीं मिलता। इसलिए मेरे दादा के हॉल कवच और जवाहरात और नक्क़ाशी और प्यालों से भर गए, और डेल का खिलौनों का बाज़ार उत्तर का अजूबा था।

“निस्संदेह, वही था जो ड्रैगन को ले आया। ड्रैगन सोना और जवाहरात चुराते हैं, आप जानते हैं, मनुष्यों और एल्वों (elves) और ड्वार्फ़ों (dwarves) से, जहाँ कहीं भी वे उन्हें पा सकते हैं; और वे अपने लूट के माल की तब तक रखवाली करते हैं जब तक वे ज़िंदा रहते हैं (जो व्यावहारिक रूप से हमेशा के लिए है, जब तक कि उन्हें मार न दिया जाए), और वे उसमें से एक पीतल के छल्ले का भी आनंद नहीं लेते। वास्तव में, वे शायद ही अच्छी कारीगरी और बुरी कारीगरी में फ़र्क़ जानते हैं, हालाँकि उन्हें आमतौर पर वर्तमान बाज़ार मूल्य का अच्छा अंदाज़ा होता है; और वे अपने लिए एक चीज़ भी नहीं बना सकते, अपने कवच का एक छोटा सा ढीला छिलका भी ठीक नहीं कर सकते। उन दिनों उत्तर में बहुत सारे ड्रैगन थे, और शायद वहाँ सोना कम होता जा रहा था, ड्वार्फ़ों के दक्षिण की ओर भागने या मारे जाने के कारण, और ड्रैगनों द्वारा किए गए सामान्य नुक़सान और विनाश के कारण स्थिति बिद से बदतर होती जा रही थी। वहाँ स्माउग (Smaug) नामक एक विशेष रूप से लालची, मज़बूत और दुष्ट कीड़ा (worm) था। एक दिन वह हवा में उड़ गया और दक्षिण की ओर आया। सबसे पहले हमने जो सुना, वह उत्तर से आती हुई तूफ़ान जैसी आवाज़ थी, और पर्वत पर चीड़ के पेड़ हवा में चरमरा रहे थे और टूट रहे थे। कुछ ड्वार्फ़ जो इत्तेफ़ाक़ से बाहर थे (सौभाग्य से मैं उनमें से एक था—उन दिनों एक अच्छा साहसी लड़का, जो हमेशा घूमता रहता था, और उस दिन मेरी जान बच गई)—ख़ैर, काफ़ी दूर से हमने ड्रैगन को आग की लपटों के फ़व्वारे के साथ हमारे पर्वत पर उतरते देखा। फिर वह ढलानों से नीचे आया और जब वह जंगल तक पहुँचा तो वे सब आग की लपेट में आ गए। तब तक डेल में सभी घंटियाँ बज रही थीं और योद्धा हथियार उठा रहे थे। ड्वार्फ़ अपने बड़े फाटक से बाहर भागे; लेकिन ड्रैगन उनका इंतज़ार कर रहा था। कोई भी उस रास्ते से बच नहीं पाया। नदी भाप बनकर ऊपर उठी और डेल पर कोहरा छा गया, और उस कोहरे में ड्रैगन उन पर आ पड़ा और ज़्यादातर योद्धाओं को नष्ट कर दिया—वही सामान्य दुखद कहानी, उन दिनों यह बहुत आम थी। फिर वह वापस गया और सामने के फाटक (Front Gate) से अंदर घुस गया और सभी हॉलों, गलियों, सुरंगों, सँकरी गलियों, तहख़ानों, हवेलियों और रास्तों को खंगाल डाला। उसके बाद अंदर कोई भी ड्वार्फ़ ज़िंदा नहीं बचा था, और उसने उनकी सारी दौलत अपने लिए ले ली। शायद, क्योंकि यही ड्रैगनों का तरीक़ा है, उसने उन

सबको अंदर एक बड़े ढेर में जमा कर लिया है, और उस पर बिस्तर की तरह सोता है। बाद में वह बड़े फाटक से बाहर रेंगकर आता था और रात को डेल आता था, और लोगों, ख़ासकर युवतियों को खाने के लिए उठा ले जाता था, जब तक कि डेल तबाह नहीं हो गया, और सभी लोग मर नहीं गए या चले नहीं गए। अब वहाँ क्या चल रहा है, मुझे यक़ीन से नहीं पता, लेकिन मुझे नहीं लगता कि आजकल कोई भी लॉन्ग लेक (Long Lake) के सुदूर किनारे से ज़्यादा पर्वत के क़रीब रहता होगा।

“हममें से जो कुछ बाहर थे, वे छिपकर बैठे रोते रहे और स्माउग को कोसते रहे; और वहीं अचानक मेरे पिता और मेरे दादा हमसे आ मिले जिनकी दाढ़ियाँ झुलस गई थीं। वे बहुत गंभीर दिख रहे थे, लेकिन उन्होंने बहुत कम कहा। जब मैंने पूछा कि वे कैसे बच निकले, तो उन्होंने मुझे चुप रहने को कहा, और कहा कि सही समय आने पर एक दिन मुझे पता चलेगा। उसके बाद हम चले गए, और हमने पूरी ज़मीन पर जहाँ तक संभव हो सका, अपनी जीविका कमाई, अक्सर लोहार के काम या यहाँ तक कि कोयला खनन तक गिरते रहे। लेकिन हम अपना चुराया हुआ ख़ज़ाना कभी नहीं भूले। और अब भी, जब मैं यह मानने को तैयार हूँ कि हमने काफ़ी कुछ बचाकर रखा है और हमारी हालत ज़्यादा ख़राब नहीं है”—यहाँ थोरिन

गले में पड़ी अपनी सोने की ज़ंजीर पर हाथ फेरा—“हम इसे वापस लेने का अभी भी इरादा रखते हैं, और स्माउग पर अपने शापों को पूरा करने का—अगर हम ऐसा कर सकें।

“मैंने अक्सर अपने पिता और दादा के भाग निकलने के बारे में सोचा है। अब मैं देखता हूँ कि उनके पास ज़रूर कोई निजी पार्श्व-द्वार (Side-door) रहा होगा जिसके बारे में केवल वे ही जानते थे। लेकिन ज़ाहिर है कि उन्होंने एक नक्शा बनाया था, और मैं जानना चाहूँगा कि गैंडाल्फ़ को वह कैसे मिला, और वह मेरे पास, सही वारिस के पास, क्यों नहीं आया।”

जादूगर ने कहा, “मैंने ‘उसे पकड़ा’ नहीं, वह मुझे दिया गया था।” “तुम्हारे दादा थ्रोर, तुम्हें याद होगा, मोरिया की खदानों में अज़ॉग द गॉब्लिन (Azog the Goblin) द्वारा मारे गए थे।”

“उसका नाम शापित हो, हाँ,” थोरिन ने कहा।

“और तुम्हारे पिता थ्रेन सौ साल पहले पिछले गुरुवार को इक्कीस अप्रैल के दिन चले गए थे, और उसके बाद तुम्हें कभी दिखाई नहीं दिए—”

“सच है, सच है,” थोरिन ने कहा।

“ख़ैर, तुम्हारे पिता ने यह मुझे तुम्हें देने के लिए दिया था; और अगर मैंने इसे सौंपने के लिए अपना समय और अपना तरीक़ा चुना है, तो तुम शायद ही मुझे दोष दे सकते हो, ख़ासकर यह देखते हुए कि तुम्हें ढूँढने में मुझे कितनी परेशानी हुई थी। तुम्हारे पिता को कागज़ देते समय अपना नाम भी याद नहीं था, और उन्होंने मुझे तुम्हारा नाम कभी नहीं बताया; इसलिए कुल मिलाकर मुझे लगता है कि मेरी तारीफ़ और धन्यवाद होना चाहिए! यह रहा,” यह कहकर उन्होंने नक्शा थोरिन को सौंप दिया।

“मुझे समझ नहीं आ रहा,” थोरिन ने कहा, और बिल्बो को लगा कि वह भी यही कहना पसंद करता। स्पष्टीकरण से बात साफ़ नहीं हुई।

जादूगर ने धीरे और गंभीर होकर कहा, “तुम्हारे दादा ने मोरिया की खदानों में जाने से पहले सुरक्षा के लिए नक्शा अपने बेटे को दिया था। तुम्हारे दादा के मारे जाने के बाद तुम्हारे पिता नक्शे के साथ अपनी क़िस्मत आज़माने चले गए थे; और उन्हें बहुत सारी अप्रिय क़िस्म की साहसिक यात्राएँ करनी पड़ीं, लेकिन वे कभी भी पर्वत के क़रीब नहीं पहुँचे। वह वहाँ कैसे पहुँचे, मुझे नहीं पता, लेकिन मैंने उन्हें नेक्रोमैंसर (Necromancer) की काल-कोठरियों में क़ैदी पाया।”

“आप वहाँ क्या कर रहे थे?” थोरिन ने सिहरन के साथ पूछा, और सभी ड्वार्फ़ काँप उठे।

“तुम्हें उससे कोई मतलब नहीं। मैं हमेशा की तरह चीज़ों का पता लगा रहा था; और वह एक बुरा ख़तरनाक काम था। यहाँ तक कि मैं, गैंडाल्फ़ भी, बस मुश्किल से बचा। मैंने तुम्हारे पिता को बचाने की कोशिश की, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। वह बुद्धिहीन और भटकते हुए थे,

और नक्शे और चाबी के सिवा लगभग सब कुछ भूल चुके थे।”

थोरिन ने कहा, “हमने मोरिया के गॉब्लिनों का हिसाब तो बहुत पहले ही चुका दिया है; अब हमें नेक्रोमैंसर के बारे में सोचना होगा।”

“अजीब बात मत करो! वह एक ऐसा दुश्मन है जो सभी ड्वार्फ़ों की सम्मिलित शक्तियों से कहीं ज़्यादा है, भले ही उन्हें दुनिया के चारों कोनों से दोबारा इकट्ठा कर लिया जाए। तुम्हारे पिता की एकमात्र इच्छा यह थी कि उनका बेटा नक्शा पढ़े और चाबी का इस्तेमाल करे। ड्रैगन और पर्वत ही तुम्हारे लिए ज़रूरत से ज़्यादा बड़े काम हैं!”

“बिल्कुल सही!” बिल्बो ने कहा, और ग़लती से यह ज़ोर से निकल गया।

“क्या सही?” उन सब ने अचानक उसकी ओर मुड़ते हुए कहा, और वह इतना घबरा गया कि उसने जवाब दिया, “सुनो, जो मुझे कहना है!”

“वह क्या है?” उन्होंने पूछा।

“खैर, मुझे कहना चाहिए कि आपको पूरब जाना चाहिए और आस-पास देखना चाहिए। आख़िरकार, पार्श्व-द्वार तो है ही, और मुझे लगता है कि ड्रैगनों को कभी-कभी तो सोना ही पड़ता होगा। यदि आप काफ़ी देर तक दरवाज़े की देहली पर बैठे रहेंगे, तो मैं कह सकता हूँ कि आप कुछ-न-कुछ सोच ही लेंगे। और खैर, आप जानते नहीं, मेरा मतलब यह है कि मुझे लगता है कि हमने एक रात के लिए काफ़ी लंबी बातचीत कर ली है। बिस्तर, और जल्दी शुरुआत, और उन सब के बारे में क्या ख़याल है? जाने से पहले मैं आपको एक बढ़िया नाश्ता कराऊँगा।”

“मुझे लगता है, तुम्हारा मतलब है ‘हमारे जाने से पहले’,” थोरिन ने कहा। “क्या तुम चोर नहीं हो? और दरवाज़े के अंदर जाने की बात तो छोड़ ही दो, क्या दरवाज़े की देहली पर बैठना तुम्हारा काम नहीं है? लेकिन मैं बिस्तर और नाश्ते के बारे में सहमत हूँ। यात्रा शुरू करते समय, मुझे अपने हैम के साथ छह अंडे पसंद हैं: तले हुए, उबाले हुए नहीं, और ध्यान रहे कि तुम उन्हें

तोड़ो नहीं।”

बाक़ी सबने ‘कृपया’ तक कहे बिना अपने नाश्ते का ऑर्डर दे दिया (जिससे बिल्बो बहुत नाराज़ हुआ), फिर वे सब उठ गए। हॉबिट को उन सभी के लिए जगह ढूँढनी पड़ी, और उसने अपने सभी अतिरिक्त कमरों को भर दिया और कुर्सियों तथा सोफ़ों पर बिस्तर बनाए, इससे पहले कि वह उन सबको टिकाकर, बहुत थका हुआ और पूरी तरह से ख़ुश न होते हुए, अपने छोटे से बिस्तर पर गया।

एक बात जो उसने पक्की कर ली थी, वह यह थी कि वह इतनी सुबह उठकर बाक़ी सब का घटिया नाश्ता बनाने की परवाह नहीं करेगा। 'टूकीपन' उतर रहा था, और अब वह इतना निश्चित नहीं था कि सुबह वह किसी यात्रा पर जा रहा है।

जब वह बिस्तर पर लेटा था, तो वह बगल के सबसे अच्छे शयनकक्ष में थोरिन को अब भी गुनगुनाते हुए सुन सकता था:

कोहरे भरे ठंडे पर्वतों के पार दूर
गहरे कारागारों और पुरानी गुफ़ाओं में
दिन की रोशनी होने से पहले, हमें चले जाना चाहिए,
ताकि अपने लंबे समय से भूले हुए स्वर्ण को पा सकें।

बिल्बो वही अपने कानों में लिए सो गया, और इसने उसे बहुत असहज सपने दिए। जब वह उठा, तब दिन की रोशनी हुए बहुत देर हो चुकी थी।

--- ---

अध्याय II

भुना हुआ भेड़ का मांस

बिल्बो उछलकर उठा, और अपना बाथरोब पहनकर भोजन कक्ष में गया। वहाँ उसे कोई नहीं दिखा, सिवाय एक बड़े और जल्दीबाज़ी में किए गए नाश्ते के सभी चिह्नों के। कमरे में एक भयानक गड़बड़ी फैली थी, और रसोई में बिना धुले बर्तनों के ढेर लगे थे। उसका लगभग हर बर्तन और कड़ाही इस्तेमाल हो चुका था। बरतन धोना इतना निराशाजनक रूप से वास्तविक था कि बिल्बो को यह मानने के लिए मजबूर होना पड़ा कि पिछली रात की मंडली उसके बुरे सपनों का हिस्सा नहीं थी, जैसा कि उसे कुछ उम्मीद थी। वास्तव में, उसे यह सोचकर सच में राहत मिली कि वे सब उसे जगाने की परवाह किए बिना, उसके बिना ही चले गए थे (उसने सोचा, "लेकिन एक बार शुक्रिया तक नहीं कहा"); फिर भी एक तरह से वह थोड़ा निराश महसूस किए बिना नहीं रह सका। इस भावना ने उसे हैरान कर दिया।

"मूर्ख मत बनो, बिल्बो बैगिन्स!" उसने खुद से कहा, "तुम्हारी इस उम्र में ड्रेगनों (dragons) और उस सब विचित्र बकवास के बारे में सोचना!" इसलिए उसने एक एप्रन पहना, आग जलाई, पानी उबाला और बरतन धोए। फिर उसने भोजन कक्ष की सफ़ाई करने से पहले रसोई में एक छोटा सा, अच्छा सा नाश्ता किया। तब तक सूरज चमक रहा था; और सामने का दरवाज़ा खुला था, जिससे बसंत की गर्म हवा अंदर आ रही थी। बिल्बो ज़ोर से सीटी बजाने लगा और पिछली रात के बारे में भूल गया। वास्तव में, वह खुली खिड़की के पास भोजन कक्ष में बैठकर एक अच्छा सा छोटा दूसरा नाश्ता करने ही वाला था, जब गैंडाल्फ़ अंदर आ गए।

"मेरे प्यारे दोस्त," उन्होंने कहा, "तुम कब आने वाले हो? जल्दी शुरुआत का क्या हुआ?—और तुम यहाँ साढ़े दस बजे नाश्ता कर रहे हो, या जो भी तुम इसे कहते हो! वे तुम्हारे लिए संदेश छोड़ गए हैं, क्योंकि वे इंतज़ार नहीं कर सकते थे।"

“क्या संदेश?” बेचारे मिस्टर बैगन्स ने हड़बड़ी में कहा।

“अरे बाबा रे!” गैंडाल्फ़ ने कहा, “तुम आज सुबह बिल्कुल भी अपने होश में नहीं हो—तुमने अंगीठी का शेल्फ़ साफ़ नहीं किया!”

“इसका उससे क्या लेना-देना है? मुझे चौदह लोगों के लिए बरतन धोने में ही बहुत काम हो गया है!”

“अगर तुमने शेल्फ़ साफ़ की होती, तो तुम्हें यह घड़ी के ठीक नीचे मिल जाता,” गैंडाल्फ़ ने बिल्बो को एक नोट (जो ज़ाहिर है, उसके अपने ही कागज़ पर लिखा था) देते हुए कहा।

उसने यह पढ़ा:

“थोरिन एंड कंपनी की ओर से सेंधमार बिल्बो को नमस्कार! आपके आतिथ्य के लिए हमारा हार्दिक आभार, और पेशेवर सहायता के आपके प्रस्ताव को हम आभारपूर्वक स्वीकार करते हैं। शर्तें: माल मिलने पर नकद भुगतान, कुल लाभ (यदि कोई हो) के चौदहवें हिस्से तक, और उससे अधिक नहीं; यात्रा के सभी खर्चों की किसी भी स्थिति में गारंटी है; यदि आवश्यकता हुई और यदि मामला अन्यथा व्यवस्थित नहीं किया गया, तो अंतिम संस्कार के खर्चों को हमारे या हमारे प्रतिनिधियों द्वारा वहन किया जाएगा।

“आपके माननीय विश्राम में बाधा डालना अनावश्यक समझते हुए, हम आवश्यक तैयारियाँ करने के लिए पहले ही प्रस्थान कर चुके हैं, और बायवॉटर स्थित द ग्रीन ड्रेगन इन पर सुबह ठीक 11 बजे आपके सम्माननीय व्यक्ति का इंतज़ार करेंगे। यह विश्वास करते हुए कि आप समयनिष्ठ होंगे,

“ हम सम्मान के साथ आपके बने रहते हैं
“ आपके गहरे हितैषी

“ थोरनि एंड कंपनी।”

“तुम्हारे पास सिर्फ़ दस मिनिट बचे हैं। तुम्हें भागना पड़ेगा,” गैंडाल्फ़ ने कहा।

“लेकिन—” बिल्बो ने कहा।

“इसके लिए समय नहीं है,” जादूगर ने कहा।

“लेकिन—” बिल्बो ने फिर कहा।

“उसके लिए भी समय नहीं है! जाओ!”

अपने जीवन के अंत तक बिल्बो को याद नहीं आया कि वह खुद को बाहर कैसे मिला, बिना टोपी के, बिना छड़ी के या बिना किसी पैसे के, या बिना किसी भी चीज़ के जो वह आमतौर पर बाहर जाते समय लेता था; अपना दूसरा नाश्ता आधा-अधूरा और बरतन पूरी तरह से बिना धुले छोड़कर, अपनी चाबियाँ गैंडाल्फ़ के हाथों में थमाकर, और अपने रोएँदार पैरों से जितनी तेज़ी से भागा जा सकता था, वह गली में, बड़ी चक्की के पास से, द वॉटर को पार करके, और फिर एक मील या उससे अधिक दूर तक दौड़ता चला गया।

जब वह ठीक ग्यारह बजे बायवॉटर पहुँचा, तो वह बुरी तरह हाँफ रहा था, और उसने पाया कि वह बिना रूमाल के आ गया था!

“शाबाश!” बालिन ने कहा, जो सराय के दरवाज़े पर खड़ा उसका इंतज़ार कर रहा था।

तभी बाक़ी सब गाँव की तरफ़ से सड़क के कोने से आ गए। वे टट्टुओं पर सवार थे, और हर टट्टू सभी प्रकार के सामान, गठरियों, पार्सलों और साज़ोसामान से लदा हुआ था। एक बहुत छोटा टट्टू था, जो स्पष्ट रूप से बिल्बो के लिए था।

“तुम दोनों चढ़ो, और हम चलें!” थोरनि ने कहा।

“मुझे बहुत माफ़ी है,” बल्बिो ने कहा, “लेकनि मैं अपनी टोपी के बनिा आया हूँ, और मैं अपना रूमाल पीछे छोड़ आया हूँ, और मेरे पास पैसे भी नहीं हैं। ठीक-ठीक बताऊँ तो मुझे आपका नोट 10.45 के बाद ही मलिा।”

“इतने ठीक-ठीक मत बनो,” ड्वालनि ने कहा, “और चतिा मत करो! यात्रा के अंत तक पहुँचने से पहले तुम्हें रूमालों, और बहुत सी अन्य चीज़ों के बनिा काम चलाना होगा। जहाँ तक टोपी की बात है, मेरे सामान में एक अतरिक्ति हूड (hood) और चोगा है।”

इस तरह उन सबने शुरुआत की, मई से ठीक पहले की एक सुहानी सुबह, लदे हुए टट्टुओं पर सराय से टहलते हुए चल पड़े; और बल्बिो ने एक गहरे हरे रंग का हूड (जो थोड़ा मौसम से धुंधला था) और ड्वालनि से उधार लयिा हुआ एक गहरे हरे रंग का चोगा पहना हुआ था। वे उसके लएि बहुत बड़े थे, और वह थोड़ा मज़ाकयिा लग रहा था। उसके पतिा बुंगो ने उसके बारे में क्या सोचा होता, मैं कल्पना करने की हम्मिति नहीं करता। उसकी एकमात्र तसल्ली यह थी कदिाढ़ी न होने के कारण उसे ड्वार्फ़ समझने की गलती नहीं की जा सकती थी।

वे ज्यादा देर तक सवारी नहीं कर पाए थे, जब गैंडाल्फ़ एक सफ़ेद घोड़े पर बहुत शानदार ढंग से आ पहुँचे। वह ढेर सारे रूमाल, और बल्बिो का पाइप और तंबाकू लेकर आए थे। इसलएि उसके बाद मंडली बहुत खुशी-खुशी आगे बढ़ी, और वे दनि भर आगे बढ़ते हुए कहानयिाँ सुनाते रहे या गाने गाते रहे, सवाय इसके कवि भोजन के लएि रुकते थे। ये भोजन उतनी बार नहीं आए जतिनी बार बल्बिो चाहता था, लेकनि फरि भी उसे लगने लगा कआिखरिकार रोमांच इतने भी बुरे नहीं थे।

शुरू में वे हॉबटि-प्रदेशों से गुज़रे थे, जो भले लोगों द्वारा बसा हुआ एक वस्तिृत, सम्मानजनक देश था, जहाँ अच्छी सड़कें थीं, एक या दो सराय थीं, और कभी-कभार कोई ड्वार्फ़ या कसिान काम से आराम से आता-जाता दखिाई देता था। फरि वे ऐसी जगहों पर पहुँचे जहाँ लोग अजीब तरह से बोलते थे, और ऐसे गाने गाते थे जो बल्बिो ने पहले कभी नहीं

सुने थे। अब वे लोन-लैंड्स में काफ़ी आगे निकल आए थे, जहाँ कोई लोग नहीं बचे थे, कोई सराय नहीं थी, और सड़कें लगातार ख़राब होती जा रही थीं। ज़्यादा दूर नहीं उदास पहाड़ियाँ थीं, जो ऊँची और ऊँची उठती जा रही थीं, और पेड़ों से काली थीं। उनमें से कुछ पर पुराने महल थे जिनकी शक्ल ख़राब थी, जैसे कि उन्हें दुष्ट लोगों ने बनाया हो। सब कुछ उदास लग रहा था, क्योंकि उस दिन मौसम ने एक बुरा मोड़ ले लिया था। ज़्यादातर यह उतना ही अच्छा रहा था जितना मई का मौसम हो सकता है, यहाँ तक कि ख़ुशहाल कहानियों में भी, लेकिन अब ठंड थी और गीलापन था। लोन-लैंड्स में वे जब भी कर सकते थे, शिविर लगाने के लिए मजबूर थे, लेकिन कम से कम सूखा तो था।

“यह सोचो कि जल्द ही जून आने वाला है!” बिल्बो बड़बड़ाया, क्योंकि वह एक बहुत ही कीचड़ भरे रास्ते पर बाक़ी सब के पीछे छप-छप करते हुए चल रहा था। चाय के समय के बाद का समय था; ज़ोरदार बारिश हो रही थी, और पूरे दिन होती रही थी; उसका हूड उसकी आँखों में टपक रहा था, उसका चोगा पानी से भरा था; टट्टू थक चुका था और पत्थरों पर लड़खड़ा रहा था; बाक़ी सब बात करने के लिए बहुत चिड़चिड़े थे। “और मुझे यक़ीन है कि बारिश सूखे कपड़ों और खाने के थैलों में घुस गई होगी,” बिल्बो ने सोचा। “सेंधमारी और उससे जुड़ी हर चीज़ को भाड़ में जाने दो! काश मैं अपनी प्यारी कोठरी में आग के पास होता, जहाँ केतली अभी-अभी गाना शुरू कर रही होती!” यह आख़िरी बार नहीं था जब उसने ऐसी इच्छा जताई!

फिर भी ड्वार्फ़्स टहलते रहे, न तो मुड़े और न ही उन्होंने हॉबिट पर कोई ध्यान दिया। भूरे बादलों के पीछे कहीं सूरज डूब गया होगा, क्योंकि जैसे ही वे नीचे एक गहरी घाटी में गए जिसके तल पर एक नदी थी, अंधेरा होने लगा। हवा चली, और उसके किनारों पर विलो के पेड़ झुक गए और आहें भरने लगे। सौभाग्य से, सड़क एक प्राचीन पत्थर के पुल के ऊपर से गुज़रती थी, क्योंकि नदी,

बारिश से भरी हुई, उत्तर की पहाड़ियों और पर्वतों से नीचे तेज़ी से बहती आ रही थी।

जब उन्होंने नदी पार की तब लगभग रात हो चुकी थी। हवा ने भूरे बादलों को फाड़ दिया, और उड़ते हुए चिथड़ों के बीच, पहाड़ियों के ऊपर एक विचरण करता हुआ चंद्रमा दिखाई दिया। तब

वे रुक गए, और थोरिन ने रात के खाने के बारे में कुछ बुदबुदाया, “और हमें सोने के लिए कोई सूखी जगह कहाँ मिलेगी?” तभी उन्होंने ध्यान दिया कि गैंडल्फ़ ग़ायब थे। अब तक वह पूरे रास्ते उनके साथ आए थे, उन्होंने कभी नहीं कहा था कि वह इस साहसिक कार्य में शामिल थे या केवल कुछ समय के लिए उनका साथ दे रहे थे। उन्होंने सबसे ज़्यादा खाया था, सबसे ज़्यादा बातें की थीं, और सबसे ज़्यादा हँसे थे। लेकिन अब वह वहाँ बिल्कुल भी नहीं थे!

“ठीक उस वक़्त जब एक जादूगर सबसे ज़्यादा उपयोगी साबित होता,” डोरी और नोरी कराह उठे (जो नियमित भोजन, बहुतायत और अक्सर खाने के बारे में हॉबिट के विचारों से सहमत थे)।

अंत में उन्होंने तय किया कि उन्हें वहीं डेरा डालना पड़ेगा जहाँ वे थे। वे पेड़ों के एक झुरमुट के पास चले गए, और हालाँकि उनके नीचे ज़्यादा सूखा था, हवा ने पत्तियों से बारिश को झाड़ दिया, और टप-टप की आवाज़ बहुत ही कष्टप्रद थी। ऐसा भी लग रहा था कि आग में कोई शैतानी घुस गई थी। ड्वार्फ़्स लगभग कहीं भी, लगभग किसी भी चीज़ से आग जला सकते हैं, हवा हो या न हो; लेकिन उस रात वे ऐसा नहीं कर पाए, यहाँ तक कि ओइन और ग्लोइन भी नहीं, जो इसमें ख़ास तौर पर माहिर थे।

तभी टट्टुओं में से एक बिना किसी बात के डर गया और भाग गया। वे उसे पकड़ पाते, इससे पहले वह नदी में पहुँच गया; और वे उसे दोबारा बाहर निकाल पाते, इससे पहले फ़िली और कीली लगभग डूब ही गए थे, और जो सारा सामान वह ढो रहा था वह उससे बह गया। बेशक, वह ज़्यादातर भोजन था, और रात के खाने के लिए बहुत ही कम बचा था, और नाश्ते के लिए तो उससे भी कम।

वे सब वहीं उदास, गीले और बड़बड़ाते हुए बैठे थे, जबकि ओइन और ग्लोइन आग जलाने की कोशिश करते रहे और इस बात पर झगड़ते रहे। बिल्बो दुखपूर्वक विचार कर रहा था कि साहसिक कार्य मई की धूप में टट्टू की सवारी जैसे ही नहीं होते, तभी बालिन, जो हमेशा उनके निगरानीकर्ता थे, ने कहा: “उधर एक रोशनी है!” कुछ दूरी पर एक पहाड़ी थी जिस पर पेड़ थे, कुछ हिस्सों में वे काफ़ी घने थे। पेड़ों के उस अँधेरे ढेर से अब उन्हें एक रोशनी चमकती

हुई दिखाई दी, एक लालिमा लिए हुए आरामदायक-सी लगने वाली रोशनी, मानो वह आग हो या टिमटिमाती हुई मशालें हों।

जब उन्होंने कुछ देर तक उसे देखा, तो वे बहस करने लगे। कुछ ने कहा "नहीं" और कुछ ने कहा "हाँ"। कुछ ने कहा कि वे केवल जाकर देख सकते हैं, और यह थोड़ी-सी रात के खाने, उससे भी कम नाश्ते, और पूरी रात गीले कपड़ों में रहने से बेहतर ही होगा।

दूसरों ने कहा: "ये इलाक़े ज़्यादा जाने-पहचाने नहीं हैं, और पहाड़ों के बहुत नज़दीक हैं। अब यात्री शायद ही कभी इस रास्ते से आते हैं। पुराने नक्शे बेकार हैं: चीज़ें बद से बदतर हो गई हैं और सड़क असुरक्षित है। उन्होंने यहाँ राजा का नाम भी शायद ही सुना हो, और आप जितना कम पूछताछ करते हुए आगे बढ़ेंगे, आपको उतनी ही कम परेशानी होने की संभावना होगी।" कुछ ने कहा: "आख़िरकार हम चौदह हैं।" दूसरों ने कहा: "गैंडल्फ़ कहाँ चले गए?" इस टिप्पणी को सबने दोहराया। तभी बारिश पहले से भी ज़्यादा ज़ोर से बरसने लगी, और ओइन तथा ग्लोइन लड़ने लगे।

इससे बात तय हो गई। उन्होंने कहा, "आख़िरकार हमारे साथ एक सेंधमार तो है ही"; और इसलिए वे अपने टट्टुओं को (पूरी सावधानी और उचित सतर्कता के साथ) रोशनी की दिशा में ले जाते हुए चल पड़े। वे पहाड़ी पर पहुँचे और जल्द ही जंगल में थे। वे पहाड़ी के ऊपर चढ़े; लेकिन कोई उचित रास्ता दिखाई नहीं दिया, जैसा कि किसी घर या फ़ार्म तक जाता हो; और वे जो कुछ भी कर सकते थे, घने अँधेरे में पेड़ों से गुज़रते हुए उन्होंने बहुत सारी सरसराहट और चरमराहट और किटकिटाहट की आवाज़ें (और ख़ूब बड़बड़ाहट और कोसना) पैदा कीं।

अचानक लाल रोशनी ज़्यादा दूर नहीं, ठीक आगे पेड़ के तनों के बीच से बहुत तेज़ी से चमक उठी।

उन्होंने कहा, "अब सेंधमार की बारी है," उनका मतलब बिल्बो से था। थोरिन ने हॉबिट से कहा, "तुम्हें आगे जाकर उस रोशनी के बारे में सब कुछ पता लगाना होगा, कि वह किसलिए है, और क्या सब कुछ पूरी तरह सुरक्षित और भरोसेमंद है।" "अब सरपट भागो, और अगर सब ठीक

हो तो जल्दी वापस आना। अगर नहीं, तो वापस आना अगर तुम आ सको! अगर नहीं आ सकते, तो खलहिान के उल्लू की तरह दो बार और चीख़ने वाले उल्लू की तरह एक बार हूट करना, और हम जो कुछ कर सकते हैं, वह करेंगे।"

बिल्बो को जाना पड़ा, इससे पहले कि वह यह समझा पाता कि वह चमगादड़ की तरह उड़ने की बजाय किसी भी तरह के उल्लू की तरह एक बार भी हूट नहीं कर सकता था। लेकिन किसी भी हाल में हॉबिट्स जंगल में चुपचाप चल सकते हैं, बिल्कुल चुपचाप। उन्हें इस पर गर्व होता है, और बिल्बो ने 'इस ड्वार्फ़िश शोरगुल' पर एक से ज़्यादा बार नाक सिकोड़ी थी, जैसा कि वह उसे कहता था, जब वे चल रहे थे, हालाँकि मुझे नहीं लगता कि आपने या मैंने हवा वाली रात में कुछ भी ध्यान दिया होगा, भले ही पूरी घुड़सवार टुकड़ी दो फ़ुट की दूरी से गुज़री हो। जहाँ तक बिल्बो का सवाल है जो लाल रोशनी की ओर सभ्य तरीके से चल रहा था, मुझे नहीं लगता कि एक नेवले ने भी उस पर अपनी मूँछ मरोड़ी होगी। इसलिए, स्वाभाविक रूप से, वह किसी को भी परेशान किए बिना सीधे आग तक पहुँच गया—क्योंकि वह आग ही थी। और उसने यह देखा।

बीच की लकड़ियों की एक बहुत बड़ी आग के चारों ओर तीन बहुत बड़े व्यक्ति बैठे थे। वे लकड़ी की लंबी सींखों पर मटन भून रहे थे, और अपनी उँगलियों से तरी चाट रहे थे। एक अच्छी स्वादिष्ट महक आ रही थी। पास ही अच्छे पेय का एक पीपा भी रखा था, और वे जगों से पी रहे थे। लेकिन वे ट्रोल्स थे। स्पष्ट रूप से ट्रोल्स। यहाँ तक कि बिल्बो भी, अपने सुरक्षित जीवन के बावजूद, यह देख सकता था: उनके बड़े भारी चेहरों से, और उनके आकार से, और उनके पैरों की बनावट से, उनके बोलने के तरीक़े का तो ज़िक्र ही क्या करें, जो बिल्कुल भी 'ड्रॉइंग-रूम' के चलन का नहीं था, बिल्कुल भी नहीं।

एक ट्रोल ने कहा, "कल मटन, आज मटन, और कसम से, अगर कल फिर से मटन जैसा न लगे।"

दूसरे ने कहा, "हमें काफ़ी समय से आदमी के माँस का एक चमकता हुआ टुकड़ा भी नहीं मिला है।" "विलियम की क्या सोच थी कि हमें इन इलाक़ों में ले आया, यह मेरी समझ से बाहर

है—और तो और, पीने का सामान कम होता जा रहा है," उसने विलियम की कोहनी को झटका देते हुए कहा, जो अपने जग से घूँट ले रहा था।

विलियम को ठसका लग गया। जैसे ही वह बोल सका, उसने कहा, "अपना मुँह बंद रखो!" "तुम यह उम्मीद नहीं कर सकते कि लोग हमेशा यहीं रुके रहेंगे ताकि तुम और बर्ट उन्हें खा सको। जब से हम पहाड़ों से नीचे आए हैं, तुम दोनों मिलकर डेढ़ गाँव खा चुके हो। तुम्हें और कितना चाहिए? और हमारे इलाके में ऐसा समय भी था, जब तुम इस तरह के बढ़िया, घाटी के चर्बीदार मटन के टुकड़े के लिए 'धन्यवाद बिलि' कहते।" उसने भेड़ की उस टाँग में से एक बड़ा टुकड़ा काटा जिसे वह भून रहा था, और अपनी आस्तीन से अपने होंठ पोंछे।

हाँ, मुझे डर है कि ट्रोल्स ऐसा ही व्यवहार करते हैं, यहाँ तक कि वे भी जिनका सिर्फ़ एक ही सिर होता है। यह सब सुनने के बाद बिल्बो को तुरंत कुछ करना चाहिए था। या तो उसे चुपचाप वापस जाकर अपने दोस्तों को चेतावनी देनी चाहिए थी कि पास में तीन ठीक-ठाक आकार के ट्रोल्स ख़राब मूड में मौजूद थे, और संभवतः बदलाव के लिए भुने हुए ड्वार्फ़, या यहाँ तक कि टट्टू को भी आज़माने वाले थे; या फिर उसे थोड़ी बढ़िया, तेज़ी से सेंधमारी करनी चाहिए थी। एक सचमुच प्रथम श्रेणी का और महान सेंधमार इस मौके पर ट्रोल्स की जेबें साफ़ कर देता—यदि आप यह कर सकते हैं तो यह लगभग हमेशा फ़ायदेमंद होता है—, सींखों से मटन चुरा लेता, बीयर उड़ा लेता, और उनके ध्यान दिए बिना चला जाता। ज़्यादा व्यावहारिक, लेकिन कम पेशेवर गर्व वाले अन्य लोग शायद इससे पहले कि वे उसे देखते, उनमें से हरेक में एक कटार घोंप देते। तब रात ख़ुशी-ख़ुशी गुज़ारी जा सकती थी।

बिल्बो यह जानता था। उसने बहुत सी ऐसी चीज़ों के बारे में पढ़ा था जिन्हें उसने कभी देखा या किया नहीं था। वह बहुत ज़्यादा घबराया हुआ था, साथ ही घृणा से भरा हुआ भी; उसने इच्छा की कि वह सौ मील दूर होता, और फिर भी—और फिर भी

फिर भी, किसी तरह वह ख़ाली हाथ थोरिन और मंडली के पास सीधे वापस नहीं जा सकता था। इसलिए वह परछाइयों में खड़ा झिझिकता रहा। सेंधमारी के जिन विभिन्न कार्यों के बारे में उसने सुना था, उनमें से ट्रोल्स की जेबें साफ़ करना सबसे कम कठिन लगा, इसलिए

आख़िरकार वह विलियम के ठीक पीछे एक पेड़ के पीछे रेंग गया। बर्ट और टॉम पीपे की ओर चले गए। विलियम एक और घूँट ले रहा था। तभी बिल्बो ने हिम्मत जुटाई और अपना छोटा हाथ विलियम की विशाल जेब में डाल दिया। उसमें एक बटुआ था, जो बिल्बो के लिए एक थैले जितना बड़ा था। "हा!" उसने सोचा, अपने नए काम से उत्साहित होते हुए जब उसने उसे सावधानी से बाहर निकाला, "यह तो बस शुरुआत है!"

हाँ, थी! ट्रोल्स के बटुए मुसीबत होते हैं, और यह कोई अपवाद नहीं था। "ए, तू कौन है?" जैसे ही वह जेब से निकला, वह चीख़ा; और विलियम तुरंत मुड़ गया और बिल्बो के गर्दन को धर दबोचा, इससे पहले कि वह पेड़ के पीछे दुबक पाता।

"अरे बाप रे, बर्ट, देख मैंने क्या पकड़ा है!" विलियम ने कहा।

"यह क्या है?" बाक़ी दोनों पास आते हुए बोले। "यार, मुझे पता हो तो! तू क्या है?"

"बिल्बो बैगन्स, एक सें—एक हॉबिट," बेचारे बिल्बो ने काँपते हुए कहा, और सोचने लगा कि इससे पहले कि वे उसका गला घोंट दें, वह उल्लू जैसी आवाज़ कैसे निकाले।

"एक सेंधा-हॉबिट?" उन्होंने थोड़ा चौंकते हुए कहा। ट्रोल्स देर से बात समझते हैं, और अपने लिए किसी भी नई चीज़ को लेकर बहुत संदेह करते हैं।

"इस सेंधा-हॉबिट का मेरी जेब से आख़िरकार क्या लेना-देना है?" विलियम ने कहा।

"और क्या इन्हें पकाया जा सकता है?" टॉम ने पूछा।

"तुम कोशिश कर सकते हो," बर्ट ने एक सींख उठाते हुए कहा।

"वह एक कौर से ज्यादा नहीं बनेगा," विलियम ने कहा, जिसने पहले ही अच्छा रात का खाना खा लिया था, "ख़ासकर जब उसकी खाल उतार दी जाए और हड्डियाँ निकाल दी जाएँ।"

"शायद इसके जैसे और भी यहाँ-आसपास होंगे, और हम एक पाई बना सकते हैं," बर्ट ने कहा। "ए तू, क्या तेरी क़स्म के और लोग भी इन जंगलों में दुबके हुए हैं, ओ गंदी सी छोटी खरगोश की औलाद," उसने हॉबिट के रोएँदार पैरों को देखते हुए कहा; और उसने उसे पंजों से उठाया और झकझोरा।

"हाँ, बहुत सारे," बिल्बो ने कहा, इससे पहले कि उसे याद आया कि उसे अपने दोस्तों की ख़बर नहीं देनी है। "नहीं, बिलकुल नहीं, एक भी नहीं," उसने तुरंत बाद कहा।

"तेरा क्या मतलब है?" बर्ट ने उसे अबकी बार बालों से पकड़कर सीधा करते हुए कहा।

"वही जो मैं कह रहा हूँ," बिल्बो ने हाँफते हुए कहा। "और कृपया मुझे मत पकाइए, दयालु महानुभावों! मैं खुद एक अच्छा रसोइया हूँ, और मैं उतना अच्छा नहीं पकता जितना कि पका सकता हूँ, अगर आप मेरा मतलब समझ रहे हों। मैं आपके लिए शानदार खाना बनाऊँगा, आपके लिए एकदम शानदार नाश्ता बनाऊँगा, बस आप मुझे रात के खाने में मत खाइए।"

"बेचारा छोटा कमबख्त," विलियम ने कहा। उसने पहले ही जितना खा सकता था, उतना रात का खाना खा लिया था; साथ ही उसने खूब बीयर भी पी रखी थी। "बेचारा छोटा कमबख्त! इसे जाने दो!"

"जब तक यह नहीं बताता कि इसका 'बहुत सारे' और 'बिलकुल नहीं' से क्या मतलब है, तब तक नहीं," बर्ट ने कहा। "मैं नहीं चाहता कि सोते हुए मेरा गला काट दिया जाए! जब तक यह बोलता नहीं, तब तक इसके पंजों को आग में डालो!"

"मैं ऐसा नहीं होने दूँगा," विलियम ने कहा। "इसे मैंने पकड़ा है, वैसे भी।"

"तू एक मोटा मूर्ख है, विलियम," बर्ट ने कहा, "जैसा कि मैं आज शाम पहले भी कह चुका हूँ।"

"और तू एक गँवार है!"

"और मैं यह तुझसे नहीं सुनूँगा, बलि हगन्स," बर्ट कहता है, और वलियिम की आँख पर अपना मुक्का मारता है।

फिर एक शानदार झगड़ा शुरू हो गया। जब बर्ट ने उसे ज़मीन पर गिराया, तो बिल्बो में बस इतनी अक्ल बची थी कि वह उनके पैरों के रास्ते से हटकर रेंग सके, इससे पहले कि वे कुत्तों की तरह लड़ने लगे, और बहुत ज़ोरदार आवाज़ में एक-दूसरे को तमाम तरह के एकदम सच्चे और सटीक नाम देने लगे। जल्द ही वे एक-दूसरे की बाँहों में जकड़े हुए थे, और आग के पास लुढ़क रहे थे, लातें मार रहे थे और धक्के दे रहे थे, जबकि टॉम उन्हें होश में लाने के लिए एक टहनी से उन दोनों को मार रहा था—और निश्चित रूप से इससे वे पहले से कहीं ज़्यादा पागल हो गए।

यह वह समय था जब बिल्बो को चले जाना चाहिए था। लेकिन उसके बेचारे छोटे पैर बर्ट के बड़े पंजे में बहुत दब गए थे, और उसके शरीर में साँस नहीं थी, और उसका सिर चकरा रहा था; इसलिए वह थोड़ी देर तक वहीं पड़ा हाँफता रहा, आग की रोशनी के दायरे से ठीक बाहर।

झगड़े के ठीक बीच में बालिन आ पहुँचा। ड्वार्फ़ों ने दूर से शोर सुना था, और बिल्बो के वापस आने या उल्लू की तरह हू-हू करने के लिए कुछ देर इंतज़ार करने के बाद, वे एक-एक करके जितनी ख़ामोशी से हो सकता था, रोशनी की ओर रेंगने लगे। जैसे ही टॉम ने बालिन को रोशनी में आते देखा, उसने एक भयानक चीख़ मारी। ट्रोल्स ड्वार्फ़ों की शक्ल से (बिना पके हुए) बिलकुल नफ़रत करते हैं। बर्ट और बिल ने तुरंत लड़ना बंद कर दिया, और बोले, "एक बोरा, टॉम, जल्दी!" बालिन, जो सोच रहा था कि इस सब उपद्रव में बिल्बो कहाँ है, इससे पहले कि वह समझ पाता कि क्या हो रहा है, एक बोरा उसके सिर पर था, और वह ज़मीन पर गिर गया।

"अभी और भी आने वाले हैं," टॉम ने कहा, "नहीं तो मैं बड़ी ग़लती कर रहा हूँ। 'बहुत सारे' और 'बिलकुल नहीं'—यही बात है," उसने कहा। "कोई सेंधा-हॉबिट नहीं, पर ये ड्वार्फ़ बहुत सारे हैं। बात कुछ-कुछ यही है!"

"मुझे लगता है कि तू सही कह रहा है," बर्ट ने कहा, "और हमें रोशनी से दूर हट जाना चाहिए।"

और उन्होंने वैसा ही किया। अपने हाथों में बोरे लिए हुए, जिनका उपयोग वे मटन और अन्य लूट का माल ले जाने के लिए करते थे, वे परछाइयों में इंतज़ार करने लगे। जैसे ही हर ड्वार्फ़ आया और आग, उथले हुए जगों, और कुतरे हुए मटन को देखकर हैरान हुआ, पॉप! एक भद्दा, बदबूदार बोरा उसके सिर पर चला गया, और वह ज़मीन पर गिर गया। जल्द ही द्वॉलिन बालिन के पास पड़ा था, और फ़ीली और कीली साथ में, और दोरी और नोरी और ओरी सब एक ढेर में, और ओइन और ग्लोइन तथा बिफ़ुर और बोफ़ुर और बॉम्बुर आग के पास असहज ढंग से ढेर हो गए थे।

"अब इन्हें सबक़ मिलेगा," टॉम ने कहा; क्योंकि बिफ़ुर और बॉम्बुर ने बहुत परेशानी दी थी, और कोने में धकेल दिए जाने पर ड्वार्फ़ों की तरह पागलों की तरह लड़े थे।

थोरिन आख़िर में आया—और वह अनजाने में नहीं पकड़ा गया। वह उपद्रव की उम्मीद करते हुए आया था, और उसे यह बताने के लिए अपने दोस्तों के पैर बोरों से बाहर निकिले हुए देखने की ज़रूरत नहीं थी कि सब ठीक नहीं था। वह कुछ दूर पर परछाइयों में खड़ा रहा, और कहा: "यह सारा उपद्रव क्या है? कौन मेरे लोगों को पीट रहा है?"

"ट्रोल्स हैं!" बिल्बो ने एक पेड़ के पीछे से कहा। वे उसे पूरी तरह भूल चुके थे। "वे बोरों के साथ झाड़ियों में छिपे हुए हैं," उसने कहा।

"ओह! क्या वे हैं?" थोरिन ने कहा, और इससे पहले कि वे उस पर कूद पाते, वह आग की ओर आगे कूदा। उसने एक बड़ी टहनी उठाई जिसका एक सिरा जल रहा था; और बर्ट इससे पहले कि वह हट पाता, वह जलता हुआ सिरा उसकी आँख में पड़ गया। इससे वह थोड़ी देर के लिए लड़ाई से बाहर हो गया। बिल्बो ने अपनी पूरी कोशिश की। उसने टॉम का पैर पकड़ लिया—जितना वह पकड़ सकता था, वह एक छोटे पेड़ के तने जितना मोटा था—लेकिन जब टॉम ने थोरिन के चेहरे पर चिंगारियाँ मारीं, तो वह झटके से कुछ झाड़ियों के ऊपर जा गिरा।

ट्रोल्स

उसके लिए टॉम को वह टहनी अपने दाँतों पर मिली, और उसने अपने आगे के दाँतों में से एक खो दिया। मैं आपको बता सकता हूँ कि इससे वह चीख़ उठा। लेकिन ठीक उसी क्षण विलियम पीछे से आया और थोरिन के सिर पर, और पैरों तक, एक बोरा डाल दिया। और इस तरह लड़ाई समाप्त हो गई। अब वे सब एक अच्छी मुसीबत में थे: सब करीने से बोरों में बँधे हुए, तीन गुस्सैल ट्रोल्स (और दो को जलने और पीटने का अनुभव याद रहा होगा) उनके पास बैठे बहस कर रहे थे कि उन्हें धीरे-धीरे भूना जाए, या उन्हें बारीक काट कर उबाला जाए, या बस एक-एक करके उन पर बैठकर उन्हें दबाकर जैली जैसा बना दिया जाए; और बिल्बो एक झाड़ी में ऊपर था, उसके कपड़े और चमड़ी फटी हुई थी, वह इस डर से हिलने की हिम्मत नहीं कर रहा था कि वे उसे सुन लेंगे।

ठीक तभी गैंडाल्फ़ वापस आया। लेकिन किसी ने उसे नहीं देखा। ट्रोल्स ने अभी-अभी ड्वार्फ़ों को भूनने और उन्हें बाद में खाने का फ़ैसला किया था—यह बर्ट का विचार था, और बहुत बहस के बाद वे सब इस पर सहमत हो गए थे।

"इन्हें अभी भूनने का कोई फ़ायदा नहीं, इसमें पूरी रात लग जाएगी," एक आवाज़ ने कहा। बर्ट को लगा कि यह विलियम की आवाज़ है।

"बहस फिर से शुरू मत करो, बिल," उसने कहा, "नहीं तो इसमें पूरी रात लग जाएगी।"

"कौन बहस कर रहा है?" विलियम ने कहा, जिसे लगा कि बिर्ट बोला था।
"तुम हो," बर्ट ने कहा।
"तुम झूठे हो," विलियम ने कहा; और इस तरह बहस फिर से शुरू हो गई। अंत में उन्होंने उन्हें बारीक काटकर उबालने का फैसला किया। इसलिए वे एक बड़ा काला बर्तन लाए, और उन्होंने अपनी छुरियाँ निकाल लीं।
"उन्हें उबालने का कोई फ़ायदा नहीं! हमारे पास पानी नहीं है, और कुआँ भी बहुत दूर है," एक

आवाज़ ने कहा। बर्ट और विलियम को लगा कि यह टॉम की आवाज़ है।
"चुप रहो!" उन्होंने कहा, "नहीं तो हम कभी ख़त्म नहीं कर पाएँगे। और अगर तुम कुछ और बोलोगे, तो पानी खुद लेकर आना।"
"तुम खुद चुप रहो!" टॉम ने कहा, जिसे लगा कि यह विलियम की आवाज़ है। "मैं जानना चाहूँगा कि तुम्हारे सिवा और कौन बहस कर रहा है।"
"तुम एक बेवकूफ़ हो," विलियम ने कहा।
"खुद बेवकूफ़ हो!" टॉम ने कहा।
और इस तरह बहस फिर से शुरू हो गई, और पहले से ज़्यादा गर्म होती चली गई, जब तक कि आख़िरकार उन्होंने एक-एक करके बोरों पर बैठकर उन्हें दबाने, और अगली बार उबालने का फ़ैसला नहीं कर लिया।
"हम सबसे पहले किस पर बैठें?" आवाज़ ने कहा।
"पहले आख़िरी वाले आदमी पर बैठना बेहतर है," बर्ट ने कहा, जिसकी आँख थोरिन ने ज़ख्मी कर दी थी। उसे लगा कि टॉम बोल रहा है।
"खुद से बातें मत करो!" टॉम ने कहा। "लेकिन अगर तुम आख़िरी वाले पर बैठना चाहते हो, तो उस पर बैठो। वह कौन है?"
"वह, जिसकी पीली जुराबें हैं," बर्ट ने कहा।
"बकवास, वह, जिसकी भूरी (ग्रे) जुराबें हैं," विलियम जैसी एक आवाज़ ने कहा।
"मुझे पक्का याद है कि वे पीली थीं," बर्ट ने कहा।
"पीली ही थीं," विलियम ने कहा।
"तो फिर तुमने उन्हें भूरी क्यों कहा?" बर्ट ने कहा।
"मैंने कभी नहीं कहा। टॉम ने कहा था।"
"मैंने तो कभी नहीं कहा!" टॉम ने कहा। "तुम थे।"
"दो के मुकाबले एक, इसलिए अपना मुँह बंद रखो!" बर्ट ने कहा।
"तुम किससे बात कर रहे हो?" विलियम ने कहा।
"अब बंद करो!" टॉम और बर्ट ने एक साथ कहा। "रात बीत रही है, और सुबह जल्दी होती है। चलो, काम शुरू करें!"
"भोर तुम सबको ले जाए, और तुम पत्थर बन जाओ!" एक आवाज़ ने कहा जो विलियम जैसी लगी। लेकिन वह नहीं थी। क्योंकि ठीक उसी क्षण पहाड़ी के ऊपर से रोशनी आई, और

शाखाओं में एक ज़ोरदार चहचहाहट हुई। विलियम कभी बोल नहीं पाया, क्योंकि जिस मुद्रा में वह झुका हुआ था, उसी में वह पत्थर बन गया; और जब बर्ट और टॉम ने उसे देखा तो वे चट्टानों की तरह जम गए। और वे आज तक वहीं खड़े हैं, अकेले, सिवाय इसके कि उन पर पक्षी बैठ जाएँ; क्योंकि ट्रोल्स को, जैसा कि आप शायद जानते हैं, भोर होने से पहले ज़मीन के नीचे होना ज़रूरी है, अन्यथा वे उस पहाड़ी के पदार्थ में वापस बदल जाते हैं जिससे वे बने होते हैं, और फिर कभी हिलते नहीं। बर्ट, टॉम और विलियम के साथ यही हुआ था।

"उत्कृष्ट!" गैंडाल्फ़ ने कहा, जैसे ही वह एक पेड़ के पीछे से बाहर आया, और बिल्बो को एक कँटीली झाड़ी से नीचे उतरने में मदद की। तब बिल्बो समझा। यह उस जादूगर की आवाज़ थी जिसने ट्रोल्स को आपस में झगड़ने और बहस करने में उलझाए रखा, जब तक कि रोशनी नहीं आ गई और उनका अंत नहीं हो गया।

अगली चीज़ बोरों की गाँठें खोलना और ड्वार्फ़ों को बाहर निकालना था। उनका दम घुटने वाला था, और वे बहुत नाराज़ थे: उन्हें वहाँ लेटे रहकर ट्रोल्स की उन्हें भूनने, दबाने और बारीक काटने की योजनाएँ सुनना ज़रा भी पसंद नहीं आया था। संतुष्ट होने से पहले उन्हें बिल्बो के साथ जो कुछ हुआ था, उसका वृत्तांत दो बार सुनना पड़ा।

"चोरी और जेब काटने का अभ्यास करने का यह मूर्खतापूर्ण समय है," बॉम्बुर ने कहा, "जब हमें आग और खाना चाहिए था!"

"और उन लोगों से बिना संघर्ष किए तुम्हें यह किसी भी सूरत में नहीं मिलता," गैंडाल्फ़ ने कहा। "वैसे भी तुम अब समय बर्बाद कर रहे हो। क्या तुम्हें एहसास नहीं है कि ट्रोल्स ने सूरज से छिपने के लिए कहीं आस-पास कोई गुफ़ा या गड्ढा खोदा होगा? हमें उसकी जाँच करनी चाहिए!"

उन्होंने चारों ओर खोजबीन की, और जल्द ही पेड़ों के बीच से जाते हुए ट्रोल्स के पथरीले बूटों के निशान मिल गए। उन्होंने पहाड़ी के ऊपर उन निशानों का पीछा किया, जब तक कि झाड़ियों से छिपे हुए वे एक गुफ़ा की ओर जाने वाले एक बड़े पत्थर के दरवाज़े पर नहीं पहुँच

गए। लेकिन वे उसे खोल नहीं पाए, भले ही उन सबने ज़ोर लगाया जबकि गैंडाल्फ़ ने तरह-तरह के मंत्रों का जाप करके देखा।

"क्या यह किसी काम आएगा?" जब वे थकने और नाराज़ होने लगे, तो बिल्बो ने पूछा। "मुझे यह उस जगह पर मिला जहाँ ट्रोल्स लड़ रहे थे।" उसने एक काफ़ी बड़ी चाबी पकड़ रखी थी, हालाँकि इसमें कोई संदेह नहीं कि विलियम ने इसे बहुत छोटा और गुप्त समझा होगा। पत्थर बनने से पहले, बहुत सौभाग्य से, यह उसकी जेब से गिर गई होगी।

"तुमने इसका ज़िक्र पहले क्यों नहीं किया?" वे चिल्लाए। गैंडाल्फ़ ने उसे लपक लिया और ताले के छेद में फ़िट किया। फिर पत्थर का दरवाज़ा एक ज़ोरदार धक्के से पीछे हट गया, और वे सब अंदर चले गए। फ़र्श पर हड्डियाँ थीं और हवा में एक बुरी गंध फैली हुई थी; लेकिन आलमारी पर और ज़मीन पर, कोने में रखे पीतल के बटनों से लेकर सोने के सिक्कों से भरे बर्तनों तक, हर तरह की अव्यवस्थित लूट के सामान के बीच, ढेर सारा भोजन लापरवाही से अस्त-व्यस्त पड़ा था। दीवारों पर बहुत सारे कपड़े भी लटके थे—ट्रोल्स के लिए बहुत छोटे, मुझे डर है कि वे पीड़ितों के थे—और उनके बीच अलग-अलग बनावट, आकार और नाप की कई तलवारें थीं। दो ने उनका ध्यान विशेष रूप से खींचा, क्योंकि उनके म्यान बहुत खूबसूरत थे और मूठें जड़ी हुई थीं।

गैंडाल्फ़ और थोरिन ने इनमें से एक-एक ले ली; और बिल्बो ने एक चमड़े की म्यान में रखी हुई छुरी ली। यह एक ट्रोल के लिए केवल एक छोटी जेब-चाकू बनती, लेकिन हॉबिट के लिए यह एक छोटी तलवार जितनी अच्छी थी।

"ये अच्छी धार लगती हैं," जादूगर ने उन्हें आधा बाहर खींचकर और उत्सुकता से देखते हुए कहा। "ये किसी ट्रोल ने नहीं बनाई हैं, न ही इन हिस्सों और इन दिनों के इंसानों में किसी लोहार ने; लेकिन जब हम उन पर बने रून्स को पढ़ पाएँगे, तो हमें उनके बारे में और पता चलेगा।"

"चलो इस भयानक गंध से बाहर निकलें!" फ़िली ने कहा। इसलिए वे सिक्कों के बर्तन, और

वह भोजन जो अछूता था और खाने लायक लग रहा था, और साथ ही बीयर का एक बैरल, जो अभी भी भरा था, बाहर ले आए। उस समय तक उन्हें नाश्ते की इच्छा होने लगी थी, और बहुत भूखे होने के कारण उन्होंने ट्रोल्स के भंडार से मिली चीज़ों पर नाक नहीं सिकोड़ी। उनका अपना राशन बहुत कम था। अब उनके पास रोटी और पनीर, और खूब बीयर, और आग के अंगारों में सेंकने के लिए बेकन था।

उसके बाद वे सो गए, क्योंकि उनकी रात में बाधा पड़ी थी; और उन्होंने दोपहर तक और कुछ नहीं किया। फिर वे अपने टट्टुओं को लाए, और सोने के बर्तनों को ले गए, और उन्हें नदी के किनारे रास्ते से ज्यादा दूर नहीं, बहुत गुप्त रूप से दफ़ना दिया, उन पर बहुत सारे जादू करके रखे, ताकि अगर उन्हें कभी वापस आकर उन्हें फिर से हासिल करने का मौका मिले। जब यह हो गया, तो वे सब फिर से सवार हो गए, और पूरब की ओर जाने वाले रास्ते पर एक बार फिर धीरे-धीरे चल दिए।

"अगर मैं पूछ सकता हूँ, तो आप कहाँ गए थे?" जब वे सवारी कर रहे थे, थोरिन ने गैंडाल्फ़ से पूछा।

"आगे देखने गया था," उन्होंने कहा।

"और आपको सही वक्त पर वापस कौन लाया?" "पीछे देखना," उन्होंने कहा।

"ठीक है!" थोरिन ने कहा; "लेकिन क्या आप और स्पष्ट बता सकते हैं?"

"मैं अपने रास्ते की जासूसी करने के लिए आगे गया था। वह जल्द ही ख़तरनाक और मुश्किल होने वाला है। साथ ही मैं अपने राशन के छोटे स्टॉक को फिर से भरने के बारे में भी चिंतित था। हालाँकि, मैं ज्यादा दूर नहीं गया था, जब मैं रिवेंडेल से अपने कुछ दोस्तों से मिला।"

"वह कहाँ है?" बिल्बो ने पूछा।

"बाधा मत डालो!" गैंडाल्फ़ ने कहा। "अगर हम भाग्यशाली रहे, तो अब से कुछ दिनों में तुम वहाँ पहुँच जाओगे, और इसके बारे में सब कुछ पता कर लोगे। जैसा कि मैं कह रहा था, मैं एल्राँड के दो लोगों से मिला। वे ट्रोल्स के डर से जल्दी में जा रहे थे। यह उन्होंने ही मुझे बताया कि उनमें से तीन पहाड़ों से नीचे आ गए थे और सड़क से ज्यादा दूर नहीं, जंगल में बस गए थे: उन्होंने इलाके से सबको डराकर भगा दिया था, और वे राहगीरों को रोकते थे।

"मुझे तुरंत यह महसूस हुआ कि मुझे वापस बुलाया जा रहा है। पीछे देखते हुए मैंने आग को

दूरी पर देखा और उसी ओर चल पड़ा। तो अब तुम्हें पता चल गया है। अगली बार कृपया ज्यादा सावधान रहना, नहीं तो हम कभी कहीं नहीं पहुँच पाएँगे!”

"धन्यवाद!" थोरिन ने कहा।

--- ---

अध्याय III

एक छोटा विश्राम

उस दिन उन्होंने न तो गीत गाए और न ही कहानियाँ सुनाईं, भले ही मौसम सुधर गया था; न अगले दिन, न उसके अगले दिन। उन्हें महसूस होने लगा था कि खतरा दोनों ओर से दूर नहीं है। उन्होंने तारों के नीचे डेरा डाला, और उनके घोड़ों को उनसे ज्यादा खाने को मिला; क्योंकि घास तो बहुत थी, लेकिन उनके थैलों में ज्यादा कुछ नहीं बचा था, यहाँ तक कि ट्रोल्स से जो मिला था उसे मिलाकर भी। एक सुबह उन्होंने एक चौड़े, उथले स्थान पर नदी पार की, जहाँ पत्थरों और झाग का शोर भरा था। दूर का किनारा खड़ी और फिसलन भरा था। जब वे अपने टट्टुओं को खींचते हुए उसके शिखर पर पहुँचे, तो उन्होंने देखा कि विशाल पर्वतमालाएँ उनके बहुत करीब उतर आई हैं। वे पहले से ही निकटतम पर्वत के चरणों से केवल एक दिन की आसान यात्रा की दूरी पर लग रहे थे। वह अँधेरा और उदास दिख रहा था, हालाँकि उसकी भूरी ढलानों पर धूप के धब्बे थे, और उसके कंधों के पीछे बर्फ की चोटियाँ चमक रही थीं।

"क्या वह 'द माउंटेन' है?" बिल्बो ने गोल आँखें करके उसे देखते हुए, गंभीर स्वर में पूछा। उसने पहले कभी इतनी बड़ी दिखने वाली चीज़ नहीं देखी थी।

"बिल्कुल नहीं!" बालिन ने कहा। "वह तो केवल मिस्टी माउंटेंस की शुरुआत है, और हमें वाइल्डर लैंड में प्रवेश करने से पहले, किसी तरह उनके बीच से, या ऊपर से, या नीचे से गुज़रना होगा। और उनके दूसरी तरफ से भी पूरब में स्थित लोनली माउंटेन तक, जहाँ स्मॉग हमारे खज़ाने पर बैठा है, बहुत लंबी दूरी है।"

"ओह!" बिल्बो ने कहा, और ठीक उसी क्षण वह इतना थका हुआ महसूस कर रहा था जितना उसे पहले कभी याद नहीं था। वह एक बार फिर अपने हॉबिट-होल में अपनी पसंदीदा बैठक में आग के सामने अपनी आरामदायक कुर्सी, और केतली के गुनगुनाने के बारे में सोच रहा था।

यह आखिरी बार नहीं था!

अब गैंडाल्फ ने रास्ता दिखाया। "हमें रास्ता नहीं भटकना चाहिए, नहीं तो हमारा काम तमाम हो जाएगा," उन्होंने कहा। "एक तो हमें भोजन चाहिए, और उचित सुरक्षा में विश्राम—साथ ही मिस्टी माउंटेंस को सही रास्ते से पार करना बहुत ज़रूरी है, नहीं तो तुम उनमें खो जाओगे, और वापस आकर फिर से शुरुआत करनी पड़ेगी (अगर तुम कभी वापस आ पाए तो)।"

उन्होंने पूछा कि वह कहाँ जा रहे हैं, और उन्होंने उत्तर दिया: "तुम वाइल्ड के ठीक किनारे पर आ गए हो, जैसा कि तुममें से कुछ जानते होंगे। हमसे कुछ आगे कहीं छिपा हुआ है रिवेन्डेल की सुंदर घाटी, जहाँ एल्रॉन्ड लास्ट होमली हाउस में रहते हैं। मैंने अपने मित्रों के माध्यम से एक संदेश भेजा था, और हमारा इंतज़ार हो रहा है।"

यह सुनकर अच्छा और सुकूनदेह लगा, लेकिन वे अभी तक वहाँ पहुँचे नहीं थे, और पहाड़ों के पश्चिम में लास्ट होमली हाउस को ढूँढना उतना आसान नहीं था जितना लगता है। उनके सामने ज़मीन को तोड़ने के लिए कोई पेड़, कोई घाटी और कोई पहाड़ नहीं लग रहा था, केवल एक विशाल ढलान थी जो धीरे-धीरे ऊपर और ऊपर निकटतम पर्वत के चरणों से मिलने जा रही थी, एक विस्तृत भूमि जो हीदर और भुरभुरी चट्टान के रंग की थी, जिसमें घास-हरे और काई-हरे रंग के धब्बे और निशान दिख रहे थे जहाँ पानी हो सकता था।

सुबह बीत गई, दोपहर आ गई; लेकिन उस पूरे शांत वीराने में किसी भी निवास का कोई संकेत नहीं था। वे चिंतित होने लगे थे, क्योंकि अब उन्होंने देखा कि वह घर उनके और पहाड़ों के बीच लगभग कहीं भी छिपा हो सकता है। वे अपरत्याशित घाटियों पर आ गए, जो संकरी और खड़ी किनारों वाली थीं, और अचानक उनके पैरों के पास खुल गईं, और उन्होंने नीचे आश्चर्य से देखा कि उनके नीचे पेड़ हैं और तल में बहता पानी है। वहाँ ऐसी खाइयाँ थीं जिन्हें वे लगभग कूद सकते थे, लेकिन वे बहुत गहरी थीं और उनमें झरने थे। वहाँ गहरे खड्ड थे जिनमें न तो कूदा जा सकता था और न ही उतरा जा सकता था। वहाँ दलदल थे, उनमें से कुछ देखने में हरे-भरे सुखद स्थान थे, जिनमें फूल चमकीले और ऊँचे उग रहे थे; लेकिन जिस टट्टू ने अपनी पीठ पर बोझ लेकर वहाँ कदम रखा होता, वह कभी बाहर नहीं निकल पाता।

वास्तव में, नदी पार करने के स्थान से लेकर पहाड़ों तक की भूमि उससे कहीं अधिक चौड़ी थी जितना आपने कभी अनुमान लगाया होगा। बिल्बो चकित था। एकमात्र रास्ता सफेद पत्थरों से चिह्नित था, जिनमें से कुछ छोटे थे, और कुछ काई या हीदर से आधे ढके हुए थे। कुल मिलाकर, रास्ते का अनुसरण करना बहुत धीमा काम था, यहाँ तक कि गैंडाल्फ के मार्गदर्शन में भी, जो अपना रास्ता काफी अच्छी तरह से जानते थे।

पत्थरों को ढूँढते हुए उनका सिर और दाढ़ी इधर-उधर हिल रही थी, और वे उनके पीछे चल रहे थे, लेकिन जब दिन ढलने लगा तब भी वे खोज के अंत के करीब नहीं लग रहे थे। चाय का समय बहुत पहले बीत चुका था, और लग रहा था कि रात के खाने का समय भी जल्द ही बीत जाएगा। पतंगे फड़फड़ा रहे थे, और रोशनी बहुत मंद हो गई थी, क्योंकि चंद्रमा अभी तक नहीं उगा था। बिल्बो का टट्टू जड़ों और पत्थरों से ठोकर खाने लगा। वे ज़मीन में एक खड़ी ढलान के किनारे पर इतनी अचानक पहुँचे कि गैंडाल्फ का घोड़ा लगभग फिसलकर नीचे चला गया।

"यह रहा, आखिरकार!" उन्होंने पुकारा, और बाकी लोग उनके चारों ओर जमा हो गए और किनारे से नीचे देखा।

उन्होंने बहुत नीचे एक घाटी देखी। वे तल में एक पथरीले बिस्तर पर तेज़ी से बहते पानी की आवाज़ सुन सकते थे; हवा में पेड़ों की सुगंध थी; और पानी के पार घाटी की तरफ एक रोशनी थी।

बिल्बो कभी नहीं भूला कि वे गोधूलि बेला में रिवेन्डेल की गुप्त घाटी में खड़ी, टेढ़ी-मेढ़ी पगडंडी से कैसे फिसलते और सरकते हुए नीचे उतरे। जैसे-जैसे वे नीचे उतरते गए, हवा गर्म होती गई, और चीड़ के पेड़ों की महक ने उसे ऊँघने लगा दिया, जिससे वह बार-बार सिर हिलाता और लगभग गिर जाता, या टट्टू की गर्दन पर अपनी नाक मार लेता। जैसे-जैसे वे नीचे और नीचे जाते गए, उनका उत्साह बढ़ता गया। पेड़ बदल कर बीच और ओक के हो गए, और गोधूलि में एक आरामदायक एहसास था। घास से आखिरी हरा रंग लगभग फीका पड़ चुका था, जब वे अंततः धारा के किनारे से कुछ ही ऊपर एक खुले मैदान में पहुँचे।

"हम्म! यह तो एल्व्स जैसी महक है!" बल्बिो ने सोचा, और उसने तारों की ओर देखा। वे चमकीले और नीले जल रहे थे। तभी पेड़ों में हँसी जैसी एक गीत की धुन फूट पड़ी:

ओ! तुम क्या कर रहे हो,
और कहाँ जा रहे हो?
तुम्हारे टट्टुओं को नाल चाहिए!
नदी बह रही है!
ओ! ट्रा-ला-ला-लैली
यहाँ घाटी में नीचे!

ओ! तुम क्या ढूँढ रहे हो,
और कहाँ जा रहे हो?
लकड़ियाँ महक रही हैं,
बन्नॉक पक रहे हैं!
ओ! ट्रलि-ललि-ललि-लॉली
घाटी है खुशनुमा,
हा! हा!

ओ! तुम कहाँ जा रहे हो
दाढ़ियाँ हलिाते हुए?
कोई नहीं जानता, कोई नहीं जानता
मस्टिर बैगन्सि को क्या लाया
और बालनि और ड्वालनि को
घाटी में नीचे
जून में
हा! हा!

ओ! क्या तुम रुकोगे,
या उड़ जाओगे?
तुम्हारे टट्टू भटक रहे हैं!
दिन का उजाला मर रहा है!
उड़ना मूर्खता होगी,
रुकना खुशनुमा होगा
और सुनो और ध्यान दो
अँधेरा खत्म होने तक
हमारी धुन पर
हा! हा!

इस तरह वे पेड़ों में हँसे और गाए; और मैं शर्त लगाता हूँ कि आप इसे काफी हद तक बकवास मानते होंगे। ऐसा नहीं है कि उन्हें परवाह होगी; अगर आप उन्हें ऐसा बताते तो वे और भी ज्यादा हँसते। वे निश्चित रूप से एल्व्स थे। जैसे-जैसे अँधेरा गहरा होता गया, बिल्बो को जल्द ही उनकी झलक मिलने लगी। वह एल्व्स से प्यार करता था, हालाँकि वह उनसे शायद ही कभी मिला हो; लेकिन वह उनसे थोड़ा डरता भी था। ड्वार्फ्स का उनके साथ अच्छा तालमेल नहीं बैठता। यहाँ तक कि थोरिन और उसके दोस्तों जैसे काफी सभ्य ड्वार्फ्स भी उन्हें मूर्ख समझते हैं (जो कि सोचना बहुत मूर्खतापूर्ण है), या उनसे चिढ़ जाते हैं। क्योंकि कुछ एल्व्स उन्हें चिढ़ाते हैं और उन पर हँसते हैं, और सबसे ज्यादा उनकी दाढ़ियों पर।

"वाह, वाह!" एक आवाज़ ने कहा। "ज़रा देखो तो! बिल्बो हॉबिट एक टट्टू पर, मेरे प्यारे! क्या यह आनंददायक नहीं है!"

"अत्यंत आश्चर्यजनक अद्भुत!"

फिर वे एक और गीत गाने लगे जो उतना ही हास्यास्पद था जितना मैंने पूरा लिखा है। अंत में एक, एक लंबा युवा व्यक्ति, पेड़ों से बाहर आया और गैंडाल्फ और थोरिन को झुककर प्रणाम किया।

"घाटी में आपका स्वागत है!" उसने कहा।

"धन्यवाद!" थोरिन ने थोड़ा रूखेपन से कहा; लेकिन गैंडाल्फ पहले ही अपने घोड़े से उतरकर एल्व्स के बीच पहुँच चुका था, और उनसे हँसी-खुशी बातें कर रहा था।

"आप थोड़ा रास्ता भटक गए हैं," एल्फ ने कहा: "यानी, अगर आप पानी के पार और आगे घर तक जाने वाले एकमात्र रास्ते की तलाश में हैं। हम आपको सही रास्ता दिखा देंगे, लेकिन पुल पार करने तक आपके लिए पैदल हो जाना बेहतर होगा। क्या आप थोड़ी देर रुककर हमारे साथ गाना गाएँगे, या सीधे आगे बढ़ेंगे? रात का भोजन उधर तैयार हो रहा है," उसने कहा। "मुझे खाना पकाने के लिए जलती लकड़ी की आग की महक आ रही है।"

हालाँकि बिल्बो थका हुआ था, फिर भी वह थोड़ी देर रुकना चाहता था। जून में तारों के नीचे, एल्व्स का गायन ऐसी चीज़ नहीं है जिसे छोड़ा जाए, अगर आपको ऐसी चीज़ों में रुचि हो। साथ ही, वह इन लोगों से कुछ निजी बातचीत करना चाहता था, जो उसके नाम और उसके बारे में सब कुछ जानते प्रतीत होते थे, हालाँकि उसने उन्हें पहले कभी नहीं देखा था। उसने सोचा कि उसके साहसिक कार्य पर उनकी राय दिलचस्प हो सकती है। एल्व्स बहुत कुछ जानते हैं और समाचारों के लिए अद्भुत लोग होते हैं, और वे जानते हैं कि भूमि के निवासियों के बीच क्या चल रहा है, उतनी ही तेज़ी से जितनी तेज़ी से पानी बहता है, या उससे भी तेज़ी से।

लेकिन ड्वार्फ्स उस समय जल्द से जल्द रात के भोजन के लिए उत्सुक थे, और वे नहीं रुकना चाहते थे। वे सब अपने टट्टुओं को हाँकते हुए आगे बढ़े, जब तक कि उन्हें एक अच्छा रास्ता नहीं मिला और अंत में वे नदी के ठीक किनारे तक पहुँच गए। वह तेज़ी से और शोरगुल के साथ बह रही थी, जैसा कि गिर्मियों की शाम को पहाड़ी नदियाँ करती हैं, जब सूरज पूरे दिन ऊपर की बर्फ पर चमकता रहा हो। वहाँ केवल पत्थर का एक संकरा पुल था जिसमें कोई मुँडेर नहीं थी, इतना संकरा कि एक टट्टू मुश्किल से उस पर चल सके; और उन्हें उस पर से धीरे-धीरे और सावधानी से, एक-एक करके जाना पड़ा, हर कोई अपने टट्टू को लगाम से पकड़े हुए था। एल्व्स किनारे पर चमकीले लालटेन लाए थे, और जैसे ही दल पार हुआ, उन्होंने एक

खुशनुमा गीत गाया।

"अपनी दाढ़ी को झाग में मत डुबोओ, पिता!" उन्होंने थोरिन को चिल्लाकर कहा, जो लगभग अपने हाथों और घुटनों के बल झुका हुआ था। "इसे पानी दिए बिना ही यह काफी लंबी है।"

"ध्यान रखना बिल्बो सारे केक न खा जाए!" उन्होंने पुकारा। "वह अभी भी चाबी के छेदों से निकलने के लिए बहुत मोटा है!"

"शांत, शांत! भले लोगों! और शुभ रात्रि!" गैंडाल्फ ने कहा, जो सबसे अंत में आया था। "घाटियों के कान होते हैं, और कुछ एल्व्स की ज़बानें बहुत ज्यादा चंचल होती हैं। शुभ रात्रि!"

और इस तरह अंत में वे सब 'द लास्ट होमली हाउस' (अंतिम आरामदायक घर) पहुँचे, और उसके दरवाज़ों को पूरी तरह खुला पाया।

अब यह एक अजीब बात है, लेकिन जिन चीज़ों को पाना अच्छा होता है और जिन दिनों को बिताना अच्छा होता है, उनके बारे में जल्दी बता दिया जाता है, और वे सुनने में ज्यादा नहीं होती हैं; जबकि जो चीज़ें असुविधाजनक, धड़कन बढ़ाने वाली, और यहाँ तक कि भयानक होती हैं, वे एक अच्छी कहानी बना सकती हैं, और वैसे भी उन्हें बताने में बहुत समय लगता है। वे उस अच्छे घर में लंबे समय तक रुके, कम से कम चौदह दिन, और उन्हें वहाँ से जाना मुश्किल लगा। बिल्बो खुशी-खुशी हमेशा के लिए वहीं रुक जाता—भले ही यह मान लिया जाए कि कोई इच्छा उसे बिना किसी परेशानी के सीधे उसके हॉबिट-होल में वापस ले जा सकती थी। फिर भी, उनके ठहरने के बारे में बताने के लिए बहुत कम है।

घर का स्वामी एक एल्फ-मित्र था—उन लोगों में से एक जिनके पूर्वज इतिहास के आरंभ से पहले की अजीब कहानियों में आते थे, जिनमें दुष्ट गॉब्लिन्स और एल्व्स तथा उत्तर के पहले मनुष्यों के युद्ध शामिल थे। हमारी कहानी के उन दिनों में अभी भी कुछ लोग थे जिनके पूर्वज एल्व्स और उत्तर के नायक दोनों थे, और घर का स्वामी एल्रॉन्ड उनका प्रमुख था।

वह एक एल्फ-लॉर्ड जितना कुलीन और चेहरे से सुंदर था, एक योद्धा जितना बलवान, एक वज़ीर्ड जितना बुद्धिमान, ड्वार्फ्स के राजा जितना आदरणीय, और गर्मी जितना दयालु था। वह कई कहानियों में आता है, लेकिन बिल्बो के महान साहसिक कार्य की कहानी में उसका हिस्सा केवल छोटा है, हालाँकि महत्वपूर्ण है, जैसा कि आप देखेंगे, अगर हम कभी इसके अंत तक पहुँचते हैं। उसका घर एकदम सही था, चाहे आपको भोजन, या नींद, या काम, या कहानी सुनाना, या गाना, या बस बैठकर सोचना सबसे ज्यादा पसंद हो, या इन सबका एक सुखद मिश्रण। उस घाटी में बुरी चीज़ें नहीं आती थीं।

काश मेरे पास समय होता कि मैं आपको उन कहानियों में से कुछ या उन गीतों में से एक या दो बता पाता जो उन्होंने उस घर में सुने थे। वे सब, साथ ही टट्टू भी, कुछ ही दिनों में वहाँ ताज़ा और मज़बूत हो गए। उनके कपड़ों की मरम्मत की गई, साथ ही उनकी चोटों, उनके मिज़ाज और उनकी आशाओं की भी। उनके थैलों को भोजन और ऐसी सामग्री से भर दिया गया जो ले जाने में हल्की थी लेकिन उन्हें पहाड़ी दर्रों से पार कराने के लिए मज़बूत थी। उनकी योजनाओं को सर्वोत्तम सलाह से सुधारा गया। इस प्रकार ग्रीष्म संक्रांति की पूर्व संध्या आ गई, और उन्हें ग्रीष्म संक्रांति की सुबह जल्दी सूरज के साथ फिर से आगे बढ़ना था।

एल्रॉन्ड हर तरह के रून्स के बारे में सब कुछ जानता था। उस दिन उसने उन तलवारों को देखा जो वे ट्रोल्स के ठिकाने से लाए थे, और उसने कहा: "ये ट्रोल्स की बनाई हुई नहीं हैं। ये पुरानी तलवारें हैं, पश्चिम के उच्च एल्व्स की बहुत पुरानी तलवारें हैं, मेरे संबंधी। इन्हें गॉब्लिन-युद्धों के लिए गोंडोलिन में बनाया गया था। वे ज़रूर किसी ड्रैगन के भंडार या गॉब्लिन की लूट से आई होंगी, क्योंकि ड्रैगन्स और गॉब्लिन्स ने उस शहर को कई युग पहले नष्ट कर दिया था। थोरिन, रून्स इस तलवार को ऑर्ककरिस्ट नाम देते हैं, गोंडोलिन की प्राचीन भाषा में इसका अर्थ है गॉब्लिन-क्लीवर; यह एक प्रसिद्ध तलवार थी। गैंडाल्फ, यह ग्लैमड्रिंग थी, शत्रु-हथौड़ा जिसे गोंडोलिन के राजा ने कभी पहना था। इन्हें संभाल कर रखना!"

"मुझे आश्चर्य है कि ट्रोल्स को ये कहाँ से मिलीं?" थोरिन ने अपनी तलवार को नई रुचि से देखते हुए कहा।

"मैं कह नहीं सकता," एल्रॉन्ड ने कहा, "लेकिन कोई अनुमान लगा सकता है कि तुम्हारे ट्रोल्स ने अन्य लुटेरों को लूटा होगा, या पहाड़ों में किसी ठिकाने पर पुरानी चोरियों के अवशेष पाए होंगे। मैंने सुना है कि ड्वार्फ और गॉब्लिन युद्ध के बाद से मोरिया की खानों की वीरान गुफाओं में अभी भी पुराने भूले हुए खज़ाने पाए जाते हैं।"

थोरिन ने इन शब्दों पर गहन विचार किया। "मैं इस तलवार को सम्मान के साथ रखूँगा," उसने कहा। "यह जल्द ही एक बार फिर गॉब्लिन्स को चीर दे!"

"एक इच्छा जिसके पहाड़ों में जल्द ही पूरी होने की संभावना है!" एल्रॉन्ड ने कहा। "लेकिन अब मुझे अपना नक्शा दिखाओ!"

उसने उसे लिया और देर तक उसे देखता रहा, और उसने अपना सिर हिलाया; क्योंकि अगर वह ड्वार्फ्स और सोने के प्रति उनके प्रेम को पूरी तरह से स्वीकार नहीं करता था, तो वह ड्रैगन्स और उनकी क्रूर दुष्टता से नफरत करता था, और वह डेल शहर के विनाश और उसकी खुशनुमा घंटियों, और चमकीली रविर रनिग के जले हुए किनारों को याद करके दुखी हुआ। चंद्रमा एक चौड़े चाँदी के अर्धचंद्र के रूप में चमक रहा था। उसने नक्शे को ऊपर उठाया और सफ़ेद रोशनी उसमें से चमकी। "यह क्या है?" उसने कहा। "यहाँ मून-लेटर्स हैं, उन साधारण रून्स के बगल में जो कहते हैं 'दरवाज़ा पाँच फ़ीट ऊँचा और तीन कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं।'"

"मून-लेटर्स क्या होते हैं?" हॉबिट ने उत्साह से भरकर पूछा। जैसा कि मैंने आपको पहले बताया है, उसे नक्शे पसंद थे; और उसे रून्स और अक्षर और चतुर लिखावट भी पसंद थी, हालाँकि जब वह खुद लिखता था तो वह थोड़ी पतली और मकड़ी के जाले जैसी होती थी।

"मून-लेटर्स रून्स-अक्षर ही होते हैं, लेकिन आप उन्हें देख नहीं सकते," एल्रॉन्ड ने कहा, "सीधे देखने पर तो बिल्कुल नहीं। वे तभी देखे जा सकते हैं जब चंद्रमा उनके पीछे चमकता है, और इससे भी बड़ी बात यह है कि, अधिक चतुर प्रकार के मून-लेटर्स के लिए, चंद्रमा का

आकार और मौसम वही होना चाहिए जो उस दिन था जब वे लिखे गए थे। ड्वार्फ्स ने उनका आविष्कार किया और उन्हें चाँदी के कलमों से लिखा, जैसा कि आपके दोस्त आपको बता सकते हैं। ये बहुत पहले, ग्रीष्म संक्रांति की पूर्व संध्या पर एक अर्धचंद्र चंद्रमा में लिखे गए होंगे।"

"वे क्या कहते हैं?" गैंडाल्फ और थोरिन ने एक साथ पूछा, शायद इस बात से थोड़ा चिढ़ गए थे कि एल्रॉन्ड ने भी इसे पहले खोज लिया, हालाँकि वास्तव में इससे पहले कोई मौका नहीं मिला था, और भगवान जाने कब तक दूसरा मौका नहीं मिलता।

"भूरे पत्थर के पास खड़े रहना जब थ्रश खटखटाए," एल्रॉन्ड ने पढ़ा, "और डूबता सूरज ड्यूरिन के दिवस की अंतिम रोशनी के साथ ताले के छेद पर चमकेगा।"

"ड्यूरिन, ड्यूरिन!" थोरिन ने कहा। "वह ड्वार्फ्स की सबसे पुरानी जाति, लॉन्गबीयर्ड्स, के पिताओं के पिता थे, और मेरे पहले पूर्वज: मैं उनका वारिस हूँ।"

"तो ड्यूरिन का दिवस क्या है?" एल्रॉन्ड ने पूछा।

"ड्वार्फ्स के नए साल का पहला दिन," थोरिन ने कहा, "जैसा कि सभी को पता होना चाहिए, शरद ऋतु के अंतिम चंद्रमा का पहला दिन होता है जो शीत ऋतु की देहलीज पर आता है। हम इसे अब भी ड्यूरिन का दिवस कहते हैं जब शरद ऋतु का अंतिम चंद्रमा और सूरज एक साथ आकाश में होते हैं। लेकिन मुझे डर है कि इससे हमें ज्यादा मदद नहीं मिलेगी, क्योंकि इन दिनों यह अनुमान लगाना हमारी क्षमता से बाहर है कि ऐसा समय फिर कब आएगा।"

"यह तो देखना बाकी है," गैंडाल्फ ने कहा। "क्या और कोई लिखावट है?"

"इस चंद्रमा से देखने लायक और कुछ नहीं है," एल्रॉन्ड ने कहा, और उसने नक्शा थोरिन को वापस दे दिया; और फिर वे ग्रीष्म संक्रांति की पूर्व संध्या पर एल्व्स को नाचते और गाते देखने के लिए पानी के पास नीचे चले गए।

अगली सुबह ग्रीष्म संक्रांति की ऐसी सुबह थी जैसी कल्पना की जा सकती थी, उतनी ही सुंदर और ताज़ी: नीला आकाश और एक भी बादल नहीं, और सूरज पानी पर नाच रहा था। अब वे विदाई और शुभ यात्रा के गीतों के बीच विदा हुए, उनके दिल और अधिक रोमांच के लिए तैयार थे, और उन्हें मिस्टी माउंटेंस के ऊपर से उस पार की भूमि तक जाने वाले रास्ते का ज्ञान था।

--- ---

अध्याय IV

पहाड़ी के ऊपर और पहाड़ी के नीचे

उन पर्वतों पर ऊपर जाने के कई रास्ते थे, और उन्हें पार करने के कई दर्रे। लेकिन अधिकांश रास्ते धोखे और छल से भरे थे और कहीं नहीं ले जाते थे या बुरे अंजाम तक पहुँचाते थे; और अधिकांश दर्रे बुरी चीज़ों और भयानक खतरों से भरे हुए थे। ड्वार्फ्स और हॉबिट ने, एल्रॉन्ड की बुद्धिमत्तापूर्ण सलाह और गैंडाल्फ के ज्ञान तथा स्मृति की सहायता से, सही दर्रे तक जाने वाला सही रास्ता चुना।

घाटी से बाहर चढ़ने और लास्ट होमली हाउस को मीलों पीछे छोड़ने के कई दिनों बाद भी, वे ऊपर, और ऊपर, और ऊपर चढ़ते जा रहे थे। यह एक कठिन और खतरनाक रास्ता था, एक टेढ़ा-मेढ़ा, एकांत और लंबा मार्ग। अब वे उन भूमियों पर पीछे मुड़कर देख सकते थे जिन्हें वे छोड़ आए थे, जो उनके पीछे बहुत नीचे फैली हुई थीं। पश्चिम में बहुत, बहुत दूर, जहाँ चीज़ें नीली और धुंधली थीं, बिल्बो जानता था कि वहीं उसका सुरक्षित और आरामदायक चीज़ों का अपना देश और उसका छोटा हॉबिट-होल स्थित है। वह काँप उठा। यहाँ ऊपर कड़ाके की ठंड हो रही थी, और हवा चट्टानों के बीच से तीखी आवाज़ में आ रही थी। कभी-कभी, दोपहर की धूप से बर्फ पर ढीले हुए बड़े-बड़े पत्थर भी पहाड़ों की ढलानों से सरपट नीचे आते थे, और उनके बीच से गुज़र जाते थे (जो सौभाग्य की बात थी), या उनके सिर के ऊपर से (जो चिंताजनक था)। रातें असुविधाजनक और ठंडी थीं, और वे ज़ोर से गाने या बात करने की हिम्मत नहीं करते थे, क्योंकि गूँज अजीब थी, और चुप्पी को टूटना पसंद नहीं था—सिवाय पानी के शोर, हवा के विलाप और पत्थर के टूटने की आवाज़ के।

“नीचे गर्मी बढ़ रही होगी,” बिल्बो ने सोचा, “और घास काटने का काम चल रहा होगा और पिकनिकें हो रही होंगी। इस गति से तो, इससे पहले कि हम दूसरी तरफ उतरना भी शुरू करें, वे कटाई और ब्लैकबेरी तोड़ने का काम कर रहे होंगे।” और बाकी लोग भी उतने ही निराशाजनक

विचार सोच रहे थे, हालाँकि जब उन्होंने ग्रीष्म संक्रांति की सुबह बड़ी उम्मीद के साथ एल्रॉन्ड को विदाई दी थी, तो उन्होंने पहाड़ों को पार करने और उस पार की भूमियों पर तेज़ी से सवारी करने के बारे में खुशी-खुशी बात की थी। उन्होंने सोचा था कि वे लोनली माउंटेन में गुप्त द्वार तक पहुँच जाएँगे, शायद शरद ऋतु के ठीक उसी अगले अंतिम चंद्रमा पर—"और शायद वह ड्यूरिन का दिवस होगा," उन्होंने कहा था। केवल गैंडाल्फ ने सिर हिलाया और कुछ नहीं कहा था। ड्वार्फ्स कई वर्षों से उस रास्ते से नहीं गुज़रे थे, लेकिन गैंडाल्फ गुज़रा था, और वह जानता था कि जब से ड्रेगन्स ने मनुष्यों को उन भूमियों से भगाया था, और गोब्लिन्स गुप्त रूप से फैल गए थे, तब से वाइल्ड में बुराई और खतरा कैसे बढ़ गया और फला-फूला था। गैंडाल्फ जैसे बुद्धिमान विज़ार्ड्स और एल्रॉन्ड जैसे अच्छे दोस्तों की अच्छी योजनाएँ भी कभी-कभी भटक जाती हैं जब आप वाइल्ड के किनारे पर खतरनाक रोमांच के लिए निकलते हैं; और गैंडाल्फ इतना बुद्धिमान विज़ार्ड था कि वह यह जानता था।

वह जानता था कि कुछ अप्रत्याशित हो सकता है, और उसे शायद ही यह उम्मीद करने की हिम्मत थी कि वे उन महान ऊँचे पहाड़ों को, जिनकी चोटियाँ एकांत थीं और घाटियाँ ऐसी थीं जहाँ कोई राजा शासन नहीं करता था, बिना किसी भयानक रोमांच के पार कर जाएँगे। वे नहीं कर पाए। सब ठीक था, जब तक कि एक दिन उनका सामना एक तूफ़ान से नहीं हुआ—एक तूफ़ान से भी बढ़कर, एक गर्जन-युद्ध (thunder-battle)। आप जानते हैं कि ज़मीन पर और नदी की घाटी में एक सचमुच बड़ा तूफ़ान कितना भयानक हो सकता है; खासकर ऐसे समय में जब दो बड़े तूफ़ान मिलते हैं और टकराते हैं। रात में पहाड़ों में बिजली और गड़गड़ाहट और भी भयानक होती है, जब तूफ़ान पूरब और पश्चिम से उठते हैं और युद्ध करते हैं। बिजली चोटियों पर बिखरती है, और चट्टानें काँप उठती हैं, और बड़ी गड़गड़ाहट हवा को चीरती हुई हर गुफा और खोखले स्थान में लुढ़कती और गिरती चली जाती है; और अँधेरा अत्यधिक शोर और अचानक रोशनी से भर जाता है।

बिल्बो ने इस तरह की कोई चीज़ कभी देखी या कल्पना भी नहीं की थी। वे एक संकरी जगह में बहुत ऊँचाई पर थे, जिसके एक तरफ एक धुंधली घाटी में भयानक गिरावट थी। वे रात के लिए एक लटकती हुई चट्टान के नीचे शरण लिए हुए थे, और वह एक कंबल के नीचे लेटा हुआ सिर से पैर तक काँप रहा था। जब उसने बिजली की चमक में झाँका, तो उसने देखा कि घाटी के

उस पार पत्थर के दैत्य बाहर थे, और खेल-खेल में एक-दूसरे पर चट्टानें फेंक रहे थे, उन्हें पकड़ रहे थे, और उन्हें अँधेरे में नीचे फेंक रहे थे जहाँ वे बहुत नीचे पेड़ों के बीच चूर हो जाती थीं, या धमाके के साथ छोटे-छोटे टुकड़ों में बिखर जाती थीं।

फिर हवा और बारिश आई, और हवा ने बारिश और ओलों को हर दिशा में कोड़े की तरह मारा, जिससे लटकती हुई चट्टान भी बिलकुल सुरक्षा नहीं दे पाई। जल्द ही वे भीग रहे थे और उनके टट्टू सिर नीचे किए और पूँछ टाँगों के बीच दबाए खड़े थे, और उनमें से कुछ डर के मारे हिनहिना रहे थे। वे पहाड़ों की ढलानों पर दैत्यों के ठहाके लगाने और चिल्लाने की आवाज़ सुन सकते थे।

"यह बिलकुल नहीं चलेगा!" थोरिन ने कहा। "अगर हम उड़ नहीं गए, या डूब नहीं गए, या बिजली से नहीं मारे गए, तो कोई दैत्य हमें उठाकर फुटबॉल की तरह आसमान में उछाल देगा।"

पर्वतीय मार्ग

"ठीक है, अगर तुम कोई बेहतर जगह जानते हो, तो हमें वहाँ ले चलो!" गैंडाल्फ ने कहा, जो बहुत चिड़चिड़ा महसूस कर रहा था, और खुद भी दैत्यों को लेकर बिलकुल खुश नहीं था।

उनके तर्क का अंत यह हुआ कि उन्होंने फिली और किली को बेहतर आश्रय खोजने के लिए भेजा। उनकी आँखें बहुत तेज़ थीं, और ड्वार्फ्स में लगभग पचास साल छोटे होने के कारण उन्हें आमतौर पर इस तरह के काम मिलते थे (जब हर कोई देख सकता था कि बिल्बो को भेजना बिलकुल बेकार था)। अगर आप कुछ खोजना चाहते हैं तो देखने जैसा कुछ नहीं है (या कम से कम थोरिन ने युवा ड्वार्फ्स से यही कहा)। यदि आप देखते हैं, तो आपको निश्चित रूप से कुछ न कुछ मिल ही जाता है, लेकिन यह हमेशा वह चीज़ नहीं होती जिसकी आपको तलाश थी। इस अवसर पर भी यही साबित हुआ।

जल्द ही फिली और किली हवा में चट्टानों को पकड़े हुए रेंगते हुए वापस आए। उन्होंने कहा, "हमें एक सूखी गुफा मिली है," "अगले कोने से ज्यादा दूर नहीं; और टट्टू समेत सभी अंदर जा

सकते हैं।"

"क्या तुमने इसे अच्छी तरह से खोज लिया है?" विज़ार्ड ने कहा, जो जानता था कि पहाड़ों में गुफाएँ शायद ही कभी खाली रहती हैं।

"हाँ, हाँ!" उन्होंने कहा, हालाँकि हर कोई जानता था कि उन्हें ज्यादा समय नहीं लगा होगा; वे बहुत जल्दी वापस आ गए थे। "यह बहुत बड़ी नहीं है, और यह ज्यादा अंदर तक नहीं जाती है।"

बेशक, गुफाओं के बारे में यही खतरनाक हिस्सा होता है: आप नहीं जानते कि वे कभी-कभी कितनी दूर तक जाती हैं, या पीछे का कोई मार्ग कहाँ ले जा सकता है, या अंदर क्या आपका इंतज़ार कर रहा है। लेकिन अब फिली और किली की खबर काफी अच्छी लग रही थी। इसलिए वे सब उठे और चलने की तैयारी की। हवा चीख़ रही थी और गड़गड़ाहट अभी भी गरज रही थी, और उन्हें खुद को और अपने टट्टुओं को आगे ले जाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। फिर भी, उन्हें ज्यादा दूर नहीं जाना था, और जल्द ही वे रास्ते में बाहर निकली हुई एक बड़ी चट्टान के पास पहुँचे। यदि आप उसके पीछे जाते, तो आपको पहाड़ के किनारे में एक नीची मेहराब मिलती। जब टट्टुओं का सामान उतार दिया गया और उनकी काठी हटा दी गई, तो उन्हें ज़रा दबाकर अंदर ले जाने की जगह थी।

जैसे ही वे मेहराब के नीचे से गुज़रे, उन्हें अपने चारों ओर होने के बजाय हवा और बारिश को बाहर सुनना अच्छा लगा, और दैत्यों तथा उनकी चट्टानों से सुरक्षित महसूस हुआ। लेकिन विज़ार्ड कोई जोखिम नहीं ले रहा था। उसने अपनी छड़ी जलाई—जैसा कि उसने बिल्बो के भोजन-कक्ष में उस दिन किया था जो, यदि आपको याद हो, तो बहुत पहले की बात लगती है—, और उसकी रोशनी से उन्होंने गुफा को सिरे से सिरे तक खोजा।

यह काफी उचित आकार की लगी, लेकिन बहुत बड़ी और रहस्यमय नहीं थी। इसका फर्श सूखा था और इसमें कुछ आरामदायक कोने थे। एक सिरे पर टट्टुओं के लिए जगह थी; और वे वहीं खड़े थे (बदलाव से बहुत खुश), भाप छोड़ रहे थे, और अपने नाक-थैलों में चर रहे थे। ओइन और ग्लोइन आग जलाना चाहते थे

दरवाज़े पर आग जलाना चाहते थे ताकि वे अपने कपड़े सुखा सकें, लेकिन गैंडाल्फ़ ने इसकी अनुमति नहीं दी। इसलिए उन्होंने अपनी गीली चीज़ें फ़र्श पर फैला दीं, और अपने गठ्ठरों से सूखी चीज़ें निकालीं; फिर उन्होंने अपने कंबलों को आरामदायक बनाया, अपनी चिलिम निकालीं और धुएँ के छल्ले उड़ाए, जिन्हें गैंडाल्फ़ ने अलग-अलग रंगों में बदल दिया और उनका मनोरंजन करने के लिए उन्हें छत के पास नचाना शुरू कर दिया। उन्होंने खूब बातें कीं, तूफ़ान के बारे में भूल गए, और इस बात पर चर्चा की कि ख़ज़ाने में अपने हिस्से का वे क्या करेंगे (जब उन्हें वह मिल जाएगा, जो उस क्षण इतना असंभव नहीं लग रहा था); और इस तरह वे एक-एक करके सो गए। और वह आखिरी बार था जब उन्होंने अपने साथ लाए टट्टुओं, पैकेजों, सामानों, औज़ारों और साज़ोसामान का इस्तेमाल किया।

उस रात यह अच्छी बात साबित हुई कि वे छोटे बिल्बो को अपने साथ लाए थे। क्योंकि, किसी तरह, वह काफी देर तक सो नहीं पाया; और जब वह सोया भी, तो उसे बहुत बुरे सपने आए। उसने सपना देखा कि गुफा के पीछे की दीवार में एक दरार बड़ी होती जा रही है, और चौड़ी होती जा रही है, और वह बहुत डरा हुआ था लेकिन चिल्ला नहीं सकता था या कुछ भी नहीं कर सकता था सिवाय लेटे रहने और देखने के। फिर उसने सपना देखा कि गुफा का फ़र्श धँस रहा है, और वह फिसल रहा है—नीचे, नीचे गिरने लगा है, पता नहीं कहाँ तक।

इस पर वह एक भयानक झटके के साथ जाग गया, और पाया कि उसके सपने का एक हिस्सा सच था। गुफा के पीछे एक दरार खुल गई थी, और वह पहले से ही एक चौड़ा रास्ता बन चुकी थी। वह ठीक समय पर टट्टुओं की आखिरी पूँछों को उसमें गायब होते हुए देखने के लिए मौजूद था। बेशक उसने बहुत ज़ोर से चीख़ मारी, जितनी ज़ोर से एक हॉबिट चीख़ सकता है, जो उनके आकार के हिसाब से आश्चर्यजनक है।

इससे पहले कि आप 'चट्टानें और खंड' कह पाते, गॉब्लिन बाहर कूद पड़े, बड़े गॉब्लिन, भयानक बदसूरत दिखने वाले गॉब्लिन, ढेर सारे गॉब्लिन। कम से कम हर ड्वार्फ़ के लिए छह थे, और बिल्बो के लिए भी दो थे; और 'चकमक और पत्थर' कहने से पहले ही, उन सभी को पकड़ लिया गया और दरार के रास्ते ले जाया गया।

लेकिन गैंडाल्फ़ नहीं। बिल्बो की चीख़ ने इतना तो अच्छा किया था। इसने उसे पलक झपकते ही पूरी तरह जगा दिया था, और जब गॉब्लिन उसे पकड़ने आए, तो गुफा में बिजली जैसी एक ज़बरदस्त चमक हुई, बारूद जैसी गंध आई, और उनमें से कई मरकर गिर पड़े।

दरार 'चट' की आवाज़ के साथ बंद हो गई, और बिल्बो और ड्वार्फ़ उसके गलत तरफ़ थे! गैंडाल्फ़ कहाँ था? इसका अंदाज़ा न तो उन्हें था और न ही गॉब्लिनों को, और गॉब्लिनों ने पता लगाने के लिए इंतज़ार नहीं किया। उन्होंने बिल्बो और ड्वार्फ़ों को पकड़ा और उन्हें तेज़ी से आगे बढ़ाया। यह गहरा, गहरा, अँधेरा था, जिसे केवल वे गॉब्लिन ही देख सकते थे जिन्होंने पहाड़ों के दिल में रहना शुरू कर दिया था। वहाँ के रास्ते हर दिशा में एक-दूसरे को काटते हुए और उलझे हुए थे, लेकिन गॉब्लिन अपना रास्ता वैसे ही जानते थे जैसे आप नज़दीकी डाकघर का जानते हैं; और रास्ता नीचे और नीचे जाता रहा, और यह बहुत ही भयानक रूप से घुटन भरा था। गॉब्लिन बहुत कठोर थे, और बेरहमी से नोच रहे थे, और अपनी भयानक पथरीली आवाज़ों में खिखिला रहे थे और हँस रहे थे; और बिल्बो तब से भी ज़्यादा दुखी था जब ट्रोल ने उसे उसके पैर की उंगलियों से उठा लिया था। उसने बार-बार अपने प्यारे चमकदार हॉबिट-होल की कामना की। यह आखिरी बार नहीं था।

अब उनके सामने एक लाल रोशनी की झलक आई। गॉब्लिनों ने गाना शुरू कर दिया, या कर्कश आवाज़ में बोलने लगे, अपने सपाट पैरों को पत्थर पर थपथपाकर ताल मिला रहे थे, और साथ ही अपने कैदियों को भी हिला रहे थे।

ताली! चट! काली दरार!
पकड़ो, झपटो! नोचो, दबोचो!
और नीचे नीचे गॉब्लिन-टाउन को
तुम जाओगे, मेरे लाल!
टकराव, धड़ाम! कुचलो, तोड़ो!
हथौड़ा और चिमटा! खटखटाओ और घंटा!
कूटना, कूटना, दूर ज़मीन के नीचे!

हो, हो! मेरे लाल!
सर्र, सटाक! चाबुक की फटकार!
पीटो और मारो! चल्लिाओ और ममियिाओ!
काम, काम! और टालने की हम्मित न करना,
जब गॉब्लनि पीते हैं, और गॉब्लनि हँसते हैं,
गोल गोल दूर ज़मीन के नीचे
नीचे, मेरे लाल!

यह सचमुच भयावह लग रहा था। दीवारों में ताली, चट! और कुचलो, तोड़ो! की, और उनके हो, हो! मेरे लाल! की भद्दी हँसी की गूँज थी। गाने का सामान्य अर्थ बहुत स्पष्ट था; क्योंकि अब गॉब्लनिों ने चाबुक नकिाले और सर्र, सटाक! की आवाज़ के साथ उन्हें मारा, और उन्हें अपने सामने जतिनी तेज़ी से हो सके, दौड़ाना शुरू कर दयिा; और एक से अधकि ड्वार्फ़ पहले ही बुरी तरह चल्लिा रहे थे और ममियिा रहे थे, जब वे एक बड़ी गुफा में लड़खड़ाते हुए पहुँचे।

यह बीच में एक बड़ी लाल आग से, और दीवारों के कनिारे मशालों से रोशन थी, और यह गॉब्लनिों से भरी हुई थी। वे सब हँसे और पैर पटके और तालयिाँ बजाईं, जब ड्वार्फ़ (पीछे और चाबुक के सबसे नज़दीक बेचारे छोटे बल्बिो के साथ) दौड़ते हुए अंदर आए, जबकि गॉब्लनि-चालक पीछे से चल्लिा रहे थे और अपने चाबुक फटकार रहे थे। टट्टू पहले से ही एक कोने में समिटे हुए थे; और सारा सामान और पैकेज टूटे हुए खुले पड़े थे, जन्हिें गॉब्लनि खंगाल रहे थे, गॉब्लनि सूँघ रहे थे, गॉब्लनि छू रहे थे, और गॉब्लनि आपस में झगड़ रहे थे।

मुझे डर है कि उन उत्कृष्ट छोटे टट्टुओं को उन्होंने आखरिी बार देखा, जनिमें एक मज़बूत छोटा सफ़ेद साथी भी शामलि था जसिे एल्रॉन्ड ने गैंडाल्फ़ को उधार दयिा था, क्योंकि उसका घोड़ा पहाड़ी रास्तों के लएि उपयुक्त नहीं था। क्योंकि गॉब्लनि घोड़े और टट्टू और गधे (और अन्य बहुत अधकि भयानक चीज़ें) खाते हैं, और वे हमेशा भूखे रहते हैं। हालाँकि, अभी कैदी केवल अपने बारे में सोच रहे थे। गॉब्लनिों ने उनके हाथ उनकी पीठ के पीछे जंजीरों से बाँध दएि और उन सभी को एक कतार में जोड़ दयिा, और उन्हें गुफा के दूर सरि तक घसीटा, जसिमें छोटा बल्बिो पंक्ति के अंत में खचिा जा रहा था।

वहाँ, परछाइयों में, एक बड़े सपाट पत्थर पर एक विशाल सिर वाला एक ज़बरदस्त गॉब्लिन बैठा था, और उसके चारों ओर सशस्त्र गॉब्लिन खड़े थे जो उन कुल्हाड़ियों और मुड़ी हुई तलवारों को लिए हुए थे जिनका वे उपयोग करते हैं। अब गॉब्लिन क्रूर, दुष्ट और बुरे दिल वाले होते हैं। वे कोई सुंदर चीज़ें नहीं बनाते, लेकिन वे कई चतुर चीज़ें बनाते हैं। जब वे कष्ट उठाते हैं, तो वे सबसे कुशल ड्वार्फ़ों को छोड़कर किसी भी अन्य की तरह सुरंग और खान खोद सकते हैं, हालाँकि वे आमतौर पर अस्त-व्यस्त और गंदे होते हैं। हथौड़े, कुल्हाड़ियाँ, तलवारें, कटारें, गैंतियाँ, चिमटे, और साथ ही यातना के उपकरण, वे बहुत अच्छी तरह से बनाते हैं, या दूसरों से अपने डिज़ाइन के अनुसार बनवाते हैं—ऐसे कैदियों और गुलामों से जिन्हें हवा और रोशनी की कमी के कारण मरने तक काम करना पड़ता है। यह असंभव नहीं है कि उन्होंने कुछ ऐसी मशीनों का आविष्कार किया हो जिन्होंने बाद में दुनिया को परेशान किया, खासकर एक बार में बड़ी संख्या में लोगों को मारने के चतुर उपकरण, क्योंकि पिहिए और इंजन और विस्फोट हमेशा उन्हें प्रसन्न करते थे, और साथ ही जितना हो सके अपने हाथों से काम न करना भी; लेकिन उन दिनों और उन जंगली हिस्सों में वे (जैसा कि इसे कहा जाता है) इतनी दूर तक 'उन्नत' नहीं हुए थे। वे ड्वार्फ़ों से विशेष रूप से नफ़रत नहीं करते थे, उतनी ही नफ़रत करते थे जितनी वे हर किसी और हर चीज़ से करते थे, और ख़ासकर व्यवस्थित और समृद्ध लोगों से; कुछ हिस्सों में तो दुष्ट ड्वार्फ़ों ने उनके साथ गठबंधन भी कर लिया था। लेकिन थोरिन के लोगों के प्रति उनका एक विशेष द्वेष था, उस युद्ध के कारण जिसका ज़िक्र आपने सुना है, लेकिन जो इस कहानी में नहीं आता; और वैसे भी गॉब्लिनों को परवाह नहीं होती कि वे किसे पकड़ते हैं, जब तक कि यह चतुराई और गुप्त रूप से किया जाए, और कैदी अपना बचाव करने में सक्षम न हों।

“ये दयनीय व्यक्ति कौन हैं?” ग्रेट गॉब्लिन ने कहा।

“ड्वार्फ़, और यह!” चालकों में से एक ने कहा, बिल्बो की ज़ंजीर को खींचते हुए जिससे वह घुटनों के बल आगे गिर पड़ा। “हमने उन्हें अपने 'सामने के बरामदे' में शरण लेते हुए पाया।”

“इससे तुम्हारा क्या मतलब है?” ग्रेट गॉब्लिन ने थोरिन की ओर मुड़ते हुए कहा। “किसी

अच्छे काम के लिए तो नहीं, मैं

मैं शर्त लगाता हूँ! मेरे लोगों के निजी मामलों की जासूसी कर रहे हो, मेरा अनुमान है! चोर, मुझे जानकर आश्चर्य नहीं होगा! हत्यारे और एल्वों के दोस्त, यह भी असंभव नहीं! बोलो! तुम्हें क्या कहना है?"

"ड्वार्फ़ थोरिन आपकी सेवा में उपस्थित है!" उसने उत्तर दिया—यह महज़ एक शिष्टाचारवश कही गई बात थी। "जिन चीज़ों का आप संदेह कर रहे हैं और कल्पना कर रहे हैं, उनके बारे में हमें ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था। हमने तूफ़ान से बचने के लिए एक ऐसी गुफ़ा में शरण ली जो सुविधाजनक और अप्रयुक्त लग रही थी; किसी भी तरह से गॉब्लिनों को असुविधा पहुँचाने का विचार हमारे मन में दूर-दूर तक नहीं था।" यह बात काफ़ी हद तक सच थी!

"हम्म!" ग्रेट गॉब्लिन ने कहा। "तुम ऐसा कहते हो! क्या मैं पूछ सकता हूँ कि तुम पहाड़ों पर कर क्या रहे थे, और तुम कहाँ से आ रहे थे, और कहाँ जा रहे थे? वास्तव में मैं तुम्हारे बारे में सब कुछ जानना चाहता हूँ। थोरिन ओकेनशील्ड, इससे तुम्हें ज्यादा फ़ायदा नहीं होगा, मैं तुम्हारे लोगों के बारे में पहले से ही बहुत कुछ जानता हूँ; लेकिन सच बताओ, वरना मैं तुम्हारे लिए कुछ ख़ास तौर पर असुविधाजनक चीज़ तैयार करूँगा!"

"हम अपने रिश्तेदारों, अपने भतीजों और भतीजियों, और पहले, दूसरे और तीसरे चचेरे भाइयों, और अपने दादाओं के अन्य वंशजों से मिलने के लिए यात्रा पर थे, जो इन वास्तव में मेहमाननवाज़ पहाड़ों के पूर्वी तरफ़ रहते हैं," थोरिन ने कहा, यह न जानते हुए कि इस क्षण में तुरंत क्या कहा जाए, जब स्पष्ट रूप से सटीक सच बिल्कुल भी काम नहीं आने वाला था।

"यह झूठा है, हे वास्तव में ज़बरदस्त वाले!" चालकों में से एक ने कहा। "जब हमने इन जीवों को नीचे आने के लिए आमंत्रित किया, तो गुफ़ा में हमारे कई लोग बिजली की चपेट में आ गए; और वे पत्थरों की तरह मर चुके हैं। साथ ही इसने इसका स्पष्टीकरण नहीं दिया है!" उसने वह तलवार बाहर निकाली जिसे थोरिन ने पहना हुआ था, वह तलवार जो ट्रोलों के ठिकाने से आई थी।

जब ग्रेट गॉब्लिन ने उसे देखा तो वह क्रोध में सचमुच भयानक रूप से चिल्लाया, और उसके सभी सैनिकों ने अपने दाँत पीसे, अपनी ढालें टकराईं और ज़मीन पर पाँव पटके। वे तलवार को तुरंत पहचान गए। इसने अपने समय में सैकड़ों गॉब्लिनों को मारा था, जब गोंडोलिन के सुंदर एल्वों ने पहाड़ियों में उनका शिकार किया था या उनकी दीवारों के सामने लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने इसे ऑर्क्क्रिस्ट, गॉब्लिन-क्लीवर कहा था, लेकिन गॉब्लिन इसे केवल 'बाइटर' कहते थे। वे इससे नफ़रत करते थे और जो कोई भी इसे रखता था उससे और भी ज़्यादा नफ़रत करते थे।

“हत्यारों और एल्फ़-दोस्तों!” ग्रेट गॉब्लिन चिल्लाया। “इन्हें काटो! इन्हें पीटो! इन्हें दाँतों से काटो! इन्हें पीसो! इन्हें साँपों से भरे अंधेरे छेदों में ले जाओ, और इन्हें फिर कभी रोशनी न देखने दो!” वह इतने क्रोध में था कि अपनी सीट से कूद गया और स्वयं थोरिन की ओर मुँह खोलकर झपटा।

ठीक उसी क्षण गुफ़ा की सारी बत्तियाँ बुझ गईं, और बड़ी आग 'पूफ!' की आवाज़ के साथ नीले चमकते धुएँ के एक बुर्ज में बदल गई, जो छत तक ऊपर उठा, और गॉब्लिनों के बीच तीखी सफ़ेद चिंगारियाँ बिखेर दीं।

इसके बाद जो चीख़ना और बड़बड़ाना, कराहना, अस्पष्ट बोलना और गपशप करना; दहाड़ें, गुर्राहटें और शाप; चीत्कारें और चिल्लाहटें हुईं, वे वर्णन से परे थीं। सैकड़ों जंगली बिल्लियों और भेड़ियों को एक साथ धीरे-धीरे ज़िंदा भूनने पर भी इसकी तुलना नहीं की जा सकती थी। चिंगारियाँ गॉब्लिनों में छेद कर रही थीं, और जो धुआँ अब छत से गिर रहा था, उसने हवा को इतना गाढ़ा कर दिया कि उनकी आँखें भी उसमें से देख नहीं पा रही थीं। जल्द ही वे एक-दूसरे के ऊपर गिर रहे थे और फ़र्श पर ढेर बनाकर लोट रहे थे, काट रहे थे, लात मार रहे थे और लड़ रहे थे, मानो वे सब पागल हो गए हों।

अचानक एक तलवार अपनी ही रोशनी में चमकी। बिल्बो ने देखा कि जब ग्रेट गॉब्लिन अपने क्रोध के बीच हक्का-बक्का खड़ा था, तो वह तलवार सीधे उसके आर-पार हो गई। वह मरकर

गिर पड़ा, और गॉब्लिन सैनिक चीख़ते हुए तलवार के सामने अंधेरे में भाग गए।

तलवार वापस अपनी म्यान में चली गई। “जल्दी मेरा पीछा करो!” एक भयंकर और शांत आवाज़ ने कहा; और इससे पहले कि बिल्बो समझ पाता कि क्या हुआ है, वह फिर से तेज़ी से भाग रहा था, जितनी तेज़ी से वह भाग सकता था, पंक्ति के अंत में, और अधिक अंधेरे रास्तों से नीचे, जबकि गॉब्लिन-हॉल की चीख़ें उसके पीछे धीमी होती जा रही थीं। एक हल्की रोशनी उन्हें आगे ले जा रही थी।

“तेज़, और तेज़!” आवाज़ ने कहा। “मशालें जल्द ही फिर से जलाई जाएँगी।”

“बस एक मिनट!” डोरी ने कहा, जो बिल्बो के ठीक पीछे था, और एक भला आदमी था। उसने हॉबिट को अपनी बंधी हुई हथेलियों के साथ जैसे-तैसे अपने कंधों पर चढ़ाया, और फिर वे सब ज़ंजीरों की खनखनाहट के साथ दौड़ पड़े, और कई बार लड़खड़ाए, क्योंकि उनके पास खुद को संभालने के लिए हाथ नहीं थे। वे काफ़ी देर तक नहीं रुके, और तब तक वे पहाड़ के ठीक दिल में पहुँच चुके होंगे।

फिर गैंडल्फ़ ने अपनी छड़ी जलाई। बेशक, वह गैंडल्फ़ ही था; लेकिन उस समय वे यह पूछने में बहुत व्यस्त थे कि वह वहाँ कैसे पहुँचा। उसने अपनी तलवार फिर से निकाली, और फिर से वह अंधेरे में अपने आप चमक उठी। यदि गॉब्लिन आस-पास होते तो वह एक ऐसे क्रोध से जलती थी जो उसे चमका देता था; अब गुफ़ा के महान स्वामी को मारने की ख़ुशी में वह नीली लौ की तरह उज्ज्वल थी। उसने गॉब्लिन-ज़ंजीरों को काटने और सभी कैदियों को जल्द से जल्द आज़ाद करने में ज़रा भी देर नहीं लगाई। यदि आपको याद हो, तो इस तलवार का नाम ग्लैमड्रिंग द फ़ो-हैमर था। गॉब्लिन इसे केवल 'बीटर' कहते थे, और यदि संभव हो तो वे इसे 'बाइटर' से भी ज़्यादा नफ़रत करते थे। ऑर्किक्रिस्ट को भी बचा लिया गया था; क्योंकि गैंडल्फ़ उसे भी साथ लाए थे, उन्होंने उसे डरे हुए पहरेदारों में से एक से छीन लिया था। गैंडल्फ़ अधिकांश चीज़ों के बारे में सोचते थे; और हालाँकि वह सब कुछ नहीं कर सकते थे, पर मुश्किल में फँसे दोस्तों के लिए वह बहुत कुछ कर सकते थे।

“क्या हम सब यहाँ हैं?” उसने थोरिन को झुककर उसकी तलवार वापस देते हुए कहा। “मुझे देखने दो: एक—वह थोरिन है; दो, तीन, चार, पाँच, छह, सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह; फ़िली और कीली कहाँ हैं? वे यहाँ हैं! बारह, तेरह—और यहाँ मिस्टर बैगिन्स हैं: चौदह! अच्छा, अच्छा! इससे बुरा भी हो सकता था, और फिर यह इससे कहीं बेहतर भी हो सकता था। न टट्टू हैं, न भोजन है, और न ही यह पता है कि हम कहाँ हैं, और ठीक पीछे नाराज़ गॉब्लिनों की भीड़ है! चलो, आगे बढ़ो!”

वे आगे बढ़ गए। गैंडल्फ़ बिल्कुल सही थे: उन्हें उन रास्तों में बहुत पीछे गॉब्लिनों का शोर और भयानक चीख़ें सुनाई देने लगीं जिनसे वे आए थे। इसने उन्हें पहले से कहीं ज़्यादा तेज़ी से आगे बढ़ाया, और चूँकि बेचारा बिल्बो आधी गति से भी नहीं चल सकता था—क्योंकि ड्वार्फ़, मैं आपको बता सकता हूँ, जब उन्हें ज़रूरत होती है तो वे ज़बरदस्त रफ़्तार से भाग सकते हैं—इसलिए वे बारी-बारी से उसे अपनी पीठ पर उठाकर ले गए।

फिर भी गॉब्लिन ड्वार्फ़ों से तेज़ चलते हैं, और ये गॉब्लिन रास्ता बेहतर जानते थे (उन्होंने रास्ते ख़ुद बनाए थे), और वे पागलपन की हद तक नाराज़ थे; इसलिए वे जो कुछ भी कर सकते थे, ड्वार्फ़ों ने चीख़ों और दहाड़ों को नज़दीक और नज़दीक आते सुना। जल्द ही वे गॉब्लिनों के पैरों की थपथपाहट भी सुन सकते थे, कई-कई पैर जो बस आख़िरी मोड़ के ठीक पीछे लग रहे थे। जिस सुरंग में वे चल रहे थे, उसमें उनके पीछे लाल मशालों की टिमटिमाहट देखी जा सकती थी; और वे जानलेवा रूप से थक रहे थे।

“हाय, हाय मैंने अपनी हॉबिट-होल क्यों छोड़ी!” बेचारे मिस्टर बैगिन्स ने बॉम्बुर की पीठ पर ऊपर-नीचे उछलते हुए कहा।

“हाय, हाय मैं एक मनहूस छोटे हॉबिट को खजाने की खोज पर क्यों लाया!” बेचारे बॉम्बुर ने कहा, जो मोटा था, और गर्मी तथा आतंक में पसीने को अपनी नाक से टपकाते हुए लड़खड़ाता हुआ चल रहा था।

इस बिंदु पर गैंडल्फ़ पीछे रह गए, और थोरिन भी उनके साथ। उन्होंने एक तीखा मोड़ लिया।

“पीछे मुड़ो!” वह चल्लिाया। “अपनी तलवार नकिालो थोरनि!”

और कुछ कयिा नहीं जा सकता था; और गॉब्लनिों को यह पसंद नहीं आया। वे पूरी चीख़ के साथ कोने से तेज़ी से भागते हुए आए, और गॉब्लनि-क्लीवर, और फ़ो-हैमर को अपनी चकति आँखों के ठीक सामने ठंडा और चमकदार चमकता हुआ पाया। आगे वालों ने अपनी मशालें गरिा दीं और इससे पहले कि वे

मारे गए। पीछे वालों ने और भी ज़ोर से चीख़ मारी, और पीछे की ओर उछल पड़े, जसिसे वे अपने पीछे दौड़ रहे गॉब्लनिों को गराते चले गए। "बाइटर् और बीटर्!" वे चल्लिाए; और जल्द ही वे सब घबराकर अस्त-व्यस्त हो गए, और उनमें से ज्यादातर उसी रास्ते पर वापस धकेलते हुए भागने लगे जसिसे वे आए थे।

उनमें से कसिी ने भी उस मोड़ को पार करने की हम्मित करने से पहले काफ़ी लंबा समय बीत गया। तब तक ड्वार्फ़ फरि से आगे नकिल चुके थे, गॉब्लनिों के राज्य की अंधेरी सुरंगों में बहुत, बहुत दूर। जब गॉब्लनिों को यह पता चला, तो उन्होंने अपनी मशालें बुझा दीं और नरम जूते पहन लएि, और उन्होंने सबसे तेज़ धावकों को चुना जनिके कान और आँखें सबसे पैनी थीं। ये अंधेरे में नेवलों की तरह तेज़ दौड़े, और चमगादड़ों से शायद ही ज्यादा शोर कर रहे थे।

यही कारण था कि न तो बल्बिो, न ही ड्वार्फ़ों, और न ही गैंडल्फ़ ने उन्हें आते सुना। और न ही वे उन्हें देख पाए। लेकनि उन्हें उन गॉब्लनिों ने देख लयिा जो चुपचाप पीछे से दौड़कर आए थे, क्योंकि गैंडल्फ़ अपनी छड़ी से एक हल्की रोशनी नकिलने दे रहा था ताकि ड्वार्फ़ों को आगे बढ़ने में सहायता मलि सके।

एकदम से डोरी, जो अब फरि से बल्बिो को लएि हुए पीछे था, को अंधेरे में पीछे से दबोच लयिा गया। वह चल्लिाया और गरि पड़ा; और हॉबटि उसके कंधों से लुढ़ककर घने अंधेरे में चला गया, उसका सरि कठोर चट्टान से टकराया, और उसे आगे कुछ भी याद नहीं रहा।

--- ---

अध्याय V

अँधेरे में पहेलियाँ

जब बिल्बो ने आँखें खोलीं, तो उसे संदेह हुआ कि क्या उसने खोली भी हैं; क्योंकि आँखें बंद होने पर जितना अँधेरा था, उतना ही अब भी था। उसके आस-पास कोई नहीं था। ज़रा उसके डर की कल्पना कीजिए! वह कुछ सुन नहीं सकता था, कुछ देख नहीं सकता था, और फर्श के पत्थर के सिवा कुछ महसूस भी नहीं कर सकता था।

बहुत धीरे से वह उठा और चारों हाथ-पैर के बल टटोलता रहा, जब तक कि वह सुरंग की दीवार से नहीं टकराया; लेकिन ऊपर या नीचे कहीं भी उसे कुछ नहीं मिला: बिलकुल कुछ नहीं, न गॉब्लिनों का कोई निशान, न ड्वार्फ़ों का कोई निशान। उसका सिर चकरा रहा था, और उसे यह भी ठीक से पता नहीं था कि जब वह गिरा था तब वे किस दिशा में जा रहे थे। उसने जितना हो सका उतना अंदाज़ा लगाया, और काफी दूर तक रेंगता रहा, जब तक कि अचानक उसके हाथ को सुरंग के फर्श पर पड़ी ठंडी धातु की एक छोटी-सी अंगूठी जैसी चीज़ महसूस नहीं हुई। यह उसके जीवन-पथ में एक निर्णायक मोड़ था, पर उसे इसका पता नहीं था। उसने लगभग बिना सोचे ही अंगूठी अपनी जेब में डाल ली; निश्चित रूप से उस क्षण वह किसी विशेष उपयोग की नहीं लग रही थी। वह ज्यादा आगे नहीं गया, बल्कि ठंडे फर्श पर बैठ गया और काफी देर तक पूरी तरह से उदासी में डूबा रहा। उसने घर पर अपनी रसोई में बेकन और अंडे तलने के बारे में सोचा—क्योंकि उसे अंदर से महसूस हो रहा था कि अब किसी न किसी भोजन का समय हो गया है; लेकिन इससे वह और भी ज्यादा दुखी हो गया।

वह सोच नहीं पा रहा था कि क्या करे; न ही वह सोच पा रहा था कि क्या हुआ था; या उसे क्यों पीछे छोड़ दिया गया था; या यदि उसे पीछे छोड़ दिया गया था, तो गॉब्लिनों ने उसे क्यों नहीं पकड़ा था; या यहाँ तक कि उसका सिर इतना दुख क्यों रहा था। सच तो यह था कि वह बहुत देर से एक बहुत ही अँधेरे कोने में, नज़र से दूर और भुला दिया गया, चुपचाप पड़ा हुआ था।

कुछ देर बाद उसने अपनी पाइप टटोली। वह टूटी नहीं थी, और यह कुछ राहत की बात थी। फिर उसने अपनी थैली टटोली, और उसमें कुछ तंबाकू था, और यह उससे भी ज्यादा राहत की बात थी। फिर उसने माचिस टटोली, पर उसे बिलकुल भी माचिस नहीं मिली, और इससे उसकी आशाएँ पूरी तरह से टूट गईं। यह उसके लिए अच्छा ही हुआ, जैसा कि उसने होश में आने पर स्वीकार किया। भगवान जानता है कि उस भयानक जगह में माचिस जलाने और तंबाकू की गंध से अँधेरी दरारों में से क्या कुछ उस पर आ जाता। फिर भी उस क्षण वह बहुत ही हताश महसूस कर रहा था। लेकिन माचिस खोजने के लिए अपनी सारी जेबें थपथपाते और अपने चारों ओर टटोलते हुए उसका हाथ अपनी छोटी तलवार की मूठ पर पड़ा—वह छोटा खंजर जो उसे ट्रोलों से मिला था, और जिसे वह पूरी तरह भूल चुका था; सौभाग्य से गॉब्लिनों ने भी उस पर ध्यान नहीं दिया था, क्योंकि वह उसे अपनी ब्रीचेस के अंदर पहने हुए था।

अब उसने उसे बाहर निकाला। वह उसकी आँखों के सामने हल्की और धुंधली चमक रही थी। “तो यह भी एक एल्विश ब्लेड है,” उसने सोचा; “और गॉब्लिन ज्यादा नज़दीक नहीं हैं, फिर भी काफी दूर भी नहीं हैं।”

लेकिन किसी तरह उसे सांत्वना मिली। गोंडोलिन में बनी हुई, उन गॉब्लिन-युद्धों के लिए तैयार की गई ब्लेड पहनना काफी शानदार था जिनके बारे में इतने सारे गीत गाए गए थे; और उसने यह भी गौर किया था कि ऐसे हथियार अचानक सामने आने वाले गॉब्लिनों पर गहरा प्रभाव डालते थे।

“वापस जाऊँ?” उसने सोचा। “बिलकुल बेकार! बगल में जाऊँ? असंभव! आगे जाऊँ? बस यही एक काम है! चलो, आगे बढ़ो!” इसलिए वह उठा, और अपनी छोटी तलवार को आगे पकड़े हुए, एक हाथ से दीवार टटोलते हुए, और दिल धक-धक करता हुआ, सरपट चलने लगा।

अब निश्चित रूप से बिल्बो एक ऐसी स्थिति में था जिसे ‘संकटपूर्ण’ कहा जाता है। लेकिन आपको याद रखना चाहिए कि यह उसके लिए उतना संकटपूर्ण नहीं था जितना मेरे या आपके लिए होता। हॉबिट साधारण लोगों जैसे नहीं होते; और आखिरकार, भले ही उनके बिल अच्छी,

खुशनुमा जगहें हों और ठीक से हवादार हों, जो गॉब्लिनों की सुरंगों से काफी अलग हैं, फिर भी वे हमसे ज्यादा सुरंगों में रहने के आदी होते हैं, और वे ज़मीन के नीचे आसानी से अपनी दिशा का ज्ञान नहीं खोते—खासकर तब जब उनके सिर की चोट ठीक हो चुकी हो। साथ ही वे बहुत चुपचाप चल सकते हैं, आसानी से छिप सकते हैं, और गिरने तथा चोटों से अद्भुत रूप से उबर सकते हैं, और उनके पास ज्ञान और बुद्धिमानी की बातों का एक भंडार होता है जिसे मनुष्यों ने ज्यादातर कभी सुना ही नहीं या बहुत पहले भुला दिया है।

फिर भी, मैं मिस्टर बैगन्स की जगह पर होना पसंद नहीं करता। सुरंग का कोई अंत नहीं लग रहा था। वह बस इतना जानता था कि एक-दो मोड़ और घुमाव के बावजूद यह अभी भी काफी तेज़ी से नीचे की ओर जा रही थी और उसी दिशा में बनी हुई थी। बीच-बीच में किनारे की ओर जाने वाले रास्ते थे, जैसा कि वह अपनी तलवार की हल्की चमक से जानता था, या दीवार पर हाथ रखकर महसूस कर सकता था। उसने इन पर कोई ध्यान नहीं दिया, सिवाय इसके कि गॉब्लिनों या आधे-कल्पित अँधेरी चीज़ों के उनमें से बाहर आने के डर से वह तेज़ी से आगे बढ़ गया। वह चलता गया, चलता गया, और नीचे, और नीचे; और उसे किसी भी चीज़ की कोई आवाज़ सुनाई नहीं दी, सिवाय कभी-कभार उसके कानों के पास से गुज़रने वाले चमगादड़ की फड़फड़ाहट के, जिसने उसे पहले तो चौंका दिया, लेकिन फिर यह इतनी बार होने लगी कि उसने परवाह करना छोड़ दिया। मुझे नहीं पता कि वह कब तक ऐसे ही चलता रहा, आगे बढ़ने से नफ़रत करता हुआ, रुकने की हिम्मत न करता हुआ, चलता रहा, चलता रहा, जब तक कि वह थक कर चूर नहीं हो गया। उसे लगा जैसे वह कल तक का सारा रास्ता पार कर चुका है और उससे भी आगे के दिनों तक पहुँच गया है।

अचानक बिना किसी चेतावनी के वह छपाक से पानी में जा घुसा! उफ़! वह बर्फ़ जैसा ठंडा था। इसने उसे तुरंत और अचानक रोक दिया। वह नहीं जानता था कि यह रास्ते में बस एक गड्ढा है, या मार्ग को पार करती हुई किसी भूमिगत धारा का किनारा है, या किसी गहरे, अँधेरे, पाताल लोक के सरोवर का तट। तलवार लगभग बिलकुल भी नहीं चमक रही थी। वह रुक गया, और जब उसने ध्यान से सुना, तो उसे एक अदृश्य छत से नीचे पानी में बूँदें टप-टप-टपकने की आवाज़ सुनाई दी; लेकिन किसी और तरह की आवाज़ नहीं लग रही थी।

“तो यह कोई गड्ढा या सरोवर है, भूमिगत नदी नहीं,” उसने सोचा। फिर भी वह अँधेरे में आगे पानी में उतरने की हिम्मत नहीं कर पाया। वह तैर नहीं सकता था; और उसने पानी में रेंगती हुई, बड़ी, उभरी हुई, अंधी आँखों वाली, घिनौनी, चिपचिपी चीज़ों के बारे में भी सोचा। पहाड़ों के हृदय में स्थित गड्ढों और सरोवरों में अजीबोगरीब चीज़ें रहती हैं: मछलियाँ जिनके पूर्वज, भगवान जाने कितने साल पहले, तैरकर अंदर आए थे, और फिर कभी बाहर नहीं निकले, जबकि अँधेरे में देखने की कोशिश करते-करते उनकी आँखें बड़ी और बड़ी और बड़ी होती गईं; साथ ही मछलियों से भी ज़्यादा चिपचिपी अन्य चीज़ें भी हैं। यहाँ तक कि गॉब्लिनों ने अपने लिए जो सुरंगें और गुफाएँ बनाई हैं, उनमें भी उनकी जानकारी के बिना अन्य चीज़ें रहती हैं जो बाहर से चुपके से घुसकर अँधेरे में छिप गई हैं। इनमें से कुछ गुफाएँ भी अपनी शुरुआत में गॉब्लिनों के आने से सदियों पहले की हैं, जिन्होंने केवल उन्हें चौड़ा किया और रास्तों से जोड़ा, और मूल मालिक अभी भी अजीब कोनों में दुबके हुए और सूंघते हुए घूम रहे हैं।

यहाँ गहरे नीचे, अँधेरे पानी के पास, बूढ़ा गॉलम रहता था, एक छोटा, चिपचिपा प्राणी। मुझे नहीं पता कि वह कहाँ से आया था, न ही वह कौन था या क्या था। वह गॉलम था—अँधेरे जितना ही काला, सिवाय उसके पतले चेहरे पर दो बड़ी गोल, पीली आँखों के। उसके पास एक छोटी नाव थी, और वह सरोवर पर बिल्कुल चुपचाप चप्पू चलाता था; क्योंकि वह सरोवर ही था, चौड़ा, गहरा और जानलेवा ठंडा। वह अपने बड़े पैरों को किनारे से लटकाकर चप्पू चलाता था, लेकिन उसने कभी एक लहर तक पैदा नहीं की। वह ऐसा नहीं करता था। वह अपनी पीली, दीपक जैसी आँखों से अंधी मछलियों को खोज रहा था, जिन्हें वह सोचने की गति से अपने लंबी उँगलियों से पकड़ लेता था। उसे मांस भी पसंद था। जब उसे गॉब्लिन मिल जाता, तो वह उसे अच्छा मानता था; लेकिन वह ध्यान रखता था कि वे उसे कभी पकड़ न पाएँ। जब वह आस-पास घूम रहा होता था, तो यदि वे कभी पानी के किनारे के पास अकेले आते थे, तो वह बस उन्हें पीछे से गला घोंट देता था। वे बहुत कम ही ऐसा करते थे, क्योंकि उन्हें यह महसूस होता था कि वहाँ नीचे, पहाड़ की बिलकुल जड़ों में, कुछ अप्रिय चीज़ छिपी हुई है। वे आ चुके थे

सरोवर पर, जब वे बहुत पहले सुरंग खोदते हुए नीचे आ रहे थे, और उन्होंने पाया कि वे आगे नहीं जा सकते; इसलिए उस दिशा में उनका रास्ता वहीं समाप्त हो गया, और उस ओर जाने

का कोई कारण नहीं था—जब तक कि महान गॉब्लिन उन्हें न भेजता। कभी-कभी उसे सरोवर की मछली खाने का मन करता था, और कभी-कभी न तो गॉब्लिन और न ही मछली वापस आती थी।

वास्तव में, गॉलम सरोवर के बीच में एक चिपचिपी चट्टान के द्वीप पर रहता था। वह अब दूर से अपनी पीली, दूरबीन जैसी आँखों से बिल्बो को देख रहा था। बिल्बो उसे देख नहीं सकता था, लेकिन वह बिल्बो के बारे में बहुत सोच रहा था, क्योंकि वह देख सकता था कि वह बिल्कुल भी गॉब्लिन नहीं था।

गॉलम अपनी नाव में चढ़ा और द्वीप से तेज़ी से निकल गया, जबकि बिल्बो किनारे पर पूरी तरह से हक्का-बक्का बैठा था और अपने रास्ते और अपनी समझ के अंत पर पहुँच चुका था। अचानक गॉलम ऊपर आया और फुसफुसाया और फुफकारा:

“हमें आशीर्वाद मिले और हमें छींटे पड़ें, मेरे अनमोल! मुझे लगता है कि यह एक शानदार दावत है; कम से कम यह हमारे लिए एक स्वादिष्ट निवाला तो बनेगा ही, गॉलम!” और जब उसने गॉलम कहा, तो उसने अपने गले में एक भयानक निगलने वाली आवाज़ निकाली। इस तरह उसे अपना नाम मिला, हालाँकि वह हमेशा खुद को ‘मेरे अनमोल’ कहता था।

जब फुफकार उसके कानों में आई, और उसने अचानक उन पीली आँखों को अपनी ओर निकला हुआ देखा, तो हॉबिट लगभग अपनी खाल से बाहर उछल पड़ा।

“तुम कौन हो?” उसने अपनी कटार को अपने सामने करते हुए कहा।

“यह क्या है, मेरे अनमोल?” गॉलम फुसफुसाया (जो हमेशा खुद से बात करता था क्योंकि उसके पास बात करने के लिए कोई और नहीं था)। वह यही जानने आया था, क्योंकि इस समय उसे वास्तव में बहुत भूख नहीं लगी थी, बस जिज्ञासा थी; अन्यथा वह पहले झपटता और बाद में फुसफुसाता।

“मैं मिस्टर बिल्बो बैगन्स हूँ। मैंने ड्वार्फों को खो दिया है और मैंने विज़र्ड को खो दिया है, और मुझे नहीं पता कि मैं कहाँ हूँ; और मैं जानना भी नहीं चाहता, बस किसी तरह यहाँ से निकल सकूँ।”

“इसके हाथों में क्या है?” गॉलम ने तलवार को देखते हुए कहा, जो उसे बिल्कुल पसंद नहीं आई।

“एक तलवार, एक फलक जो गोंडोलिन से आया है!” “स्स्स्स्” गॉलम ने कहा, और काफी विनम्र हो गया। “शायद तुम यहाँ बैठो और इसके साथ थोड़ी सी बातें करो, मेरे अनमोल। इसे पहेलियाँ पसंद हैं, शायद इसे पसंद हैं, हैं ना?” वह कम से कम इस क्षण के लिए तो दोस्ताना दिखना चाहता था, और जब तक वह तलवार और हॉबिट के बारे में और अधिक पता नहीं लगा लेता—कि क्या वह वास्तव में अकेला था, क्या वह खाने के लिए अच्छा था, और क्या गॉलम वास्तव में भूखा था। पहेलियाँ ही थीं जिनके बारे में वह सोच सकता था। उन्हें पूछना, और कभी-कभी उनका अनुमान लगाना, एकमात्र खेल था जो उसने बहुत, बहुत पहले, जब उसने अपने सभी दोस्तों को खो दिया था और उसे भगा दिया गया था, अकेला, और पहाड़ों के नीचे अँधेरे में रेंगता हुआ नीचे, नीचे आ गया था, तब अन्य अजीब प्राणियों के साथ उनके छेदों में बैठकर खेला था।

“बहुत ठीक,” बिल्बो ने कहा, जो सहमत होने के लिए उत्सुक था, जब तक कि वह प्राणी के बारे में और अधिक पता नहीं लगा लेता—कि क्या वह बिल्कुल अकेला था, क्या वह क्रूर या भूखा था, और क्या वह गॉब्लिनों का दोस्त था।

“तुम पहले पूछो,” उसने कहा, क्योंकि उसे पहेली सोचने का समय नहीं मिला था।

इसलिए गॉलम ने फुफकारा:

जड़ें हैं पर कोई न देखे,
पेड़ों से भी ऊँचा है,

ऊपर, ऊपर जाता है,
फिर भी कभी नहीं बढ़ता?

“आसान!” बिल्बो ने कहा। “पहाड़, मेरा अनुमान है।”

“यह आसानी से अनुमान लगा लेता है? इसे हमारे साथ एक प्रतियोगिता करनी होगी, मेरे अनमोल! अगर अनमोल पूछता है, और यह जवाब नहीं देता, तो हम इसे खा जाते हैं, मेरे अनमोल। अगर यह हमसे पूछता है, और हम जवाब नहीं देते, तो हम वही करते हैं जो यह चाहता है, है ना? हम इसे बाहर का रास्ता दिखाते हैं, हाँ!”

“ठीक है!” बिल्बो ने कहा, असहमति जताने की हिम्मत न करते हुए, और खाए जाने से बचाने वाली पहेलियाँ सोचने के लिए लगभग अपना दिमाग फोड़ रहा था।

तीस सफ़ेद घोड़े एक लाल पहाड़ी पर,
पहले वे चबाते हैं,
फिर वे खटखटाते हैं,
फिर वे स्थिर खड़े हो जाते हैं।

पूछने के लिए वह बस यही सोच पाया—खाने का विचार उसके दिमाग पर हावी था। यह काफी पुरानी पहेली भी थी, और गॉलम इसका जवाब उतना ही जानता था जितना आप जानते हैं।

“शाहबलूत, शाहबलूत,” उसने फुफकारा। “दाँत! दाँत! मेरे अनमोल; लेकिन हमारे पास तो केवल छह हैं!” फिर उसने अपनी दूसरी पहेली पूछी:

आवाज़हीन रोता है,
पंखहीन फड़फड़ाता है,
दाँतहीन काटता है,
मुँहहीन बड़बड़ाता है।

“बस एक पल!” बिल्बो चिल्लाया, जो अभी भी खाने के बारे में असहज रूप से सोच रहा था। सौभाग्य से उसने पहले कभी कुछ ऐसा ही सुना था, और अपनी बुद्धि वापस पाकर उसने जवाब सोचा। “हवा, हवा बेशक,” उसने कहा, और वह इतना खुश हुआ कि उसने तुरंत एक पहेली बना डाली। “यह उस गंदे छोटे भूमिगत प्राणी को चकरा देगा,” उसने सोचा:

एक नीले मुख में एक आँख ने
एक हरे मुख में एक आँख देखी।
“वह आँख इस आँख जैसी है”
पहली आँख ने कहा,
“पर नचिले स्थान पर है,
ऊँचे स्थान पर नहीं।”

“स्स्, स्स्, स्स्,” गॉलम ने कहा। वह बहुत, बहुत लंबे समय से भूमिगत था, और इस तरह की चीज़ें भूल रहा था। लेकिन जैसे ही बिल्बो उम्मीद करने लगा कि वह नीच प्राणी जवाब नहीं दे पाएगा, गॉलम ने युगों-युगों-युगों पहले की यादें ताज़ा कर लीं, जब वह एक नदी के किनारे एक टीले में अपनी दादी के साथ रहता था, “स्स्स्, स्स्स्, मेरे अनमोल,” उसने कहा। “इसका मतलब डेज़ी पर सूरज है, हाँ।”

लेकिन ये साधारण, ज़मीन के ऊपर की रोज़मर्रा की पहेलियाँ उसे थका रही थीं। साथ ही, उन्होंने उसे उन दिनों की याद दिला दी जब वह कम अकेला, धूर्त और बुरा था, और इससे उसका मिज़ाज खराब हो गया। इससे भी ज्यादा, उन्होंने उसे भूखा कर दिया; इसलिए इस बार उसने कुछ और मुश्किल और ज्यादा अप्रिय आज़माया:

यह देखा नहीं जा सकता, महसूस नहीं किया जा सकता,
सुना नहीं जा सकता, सूंघा नहीं जा सकता।
यह तारों के पीछे और पहाड़ियों के नीचे रहता है,
और खाली छेदों को भरता है।

यह पहले आता है और बाद में पीछा करता है,
जीवन समाप्त करता है, हँसी को मारता है।

दुर्भाग्य से गॉलम के लिए, बिल्बो ने इस तरह की चीज़ें पहले सुनी थीं; और जवाब वैसे भी उसके चारों ओर था। "अंधेरा!" उसने बिना सिर खुजाए या सोचने वाली टोपी पहने कहा।

एक डिब्बा जिसमें न कब्ज़े हैं, न चाबी, न ढक्कन,
फिर भी अंदर सुनहरा खजाना छिपा है,

उसने समय पाने के लिए पूछा, जब तक कि वह वास्तव में कोई कठिन पहेली न सोच ले। उसने सोचा कि यह भयानक रूप से आसान पहेली है, हालाँकि उसने इसे सामान्य शब्दों में नहीं पूछा था। लेकिन यह गॉलम के लिए एक मुश्किल सवाल साबित हुआ। उसने खुद से फुफकारा, और फिर भी उसने जवाब नहीं दिया; वह फुसफुसाया और थूकने लगा।

कुछ देर बाद बिल्बो अधीर हो गया। "तो, यह क्या है?" उसने कहा। "जवाब उबलती हुई केतली नहीं है, जैसा कि तुम अपनी आवाज़ से सोचते हुए लग रहे हो।"

"हमें एक मौका दो; इसे हमें एक मौका देने दो, मेरे अनमोल—स्स्—स्स्।"

"ठीक है," बिल्बो ने उसे लंबा मौका देने के बाद कहा, "तुम्हारे अनुमान का क्या?"

लेकिन अचानक गॉलम को बहुत पहले घोंसलों से चोरी करना याद आया, और नदी के किनारे बैठकर अपनी दादी को सिखाना, अपनी दादी को चूसना सिखाना— "अंडे!" उसने फुफकारा। "अंडे ही हैं!" फिर उसने पूछा:

साँस के बिना जीवित,
मृत्यु जितना ठंडा;
कभी प्यासा नहीं, हमेशा पीता रहता,

पूरी तरह कवच में, पर कभी खनकता नहीं।

उसने भी अपनी बारी में सोचा कि यह भयानक रूप से आसान पहेली है, क्योंकि वह हमेशा जवाब के बारे में सोचता रहता था। लेकिन अंडे वाली पहेली से वह इतना घबरा गया था कि इस समय उसे कुछ बेहतर याद नहीं आया। फिर भी यह बेचारे बिल्बो के लिए एक मुश्किल सवाल था, जो अगर हो सके तो पानी से कभी कोई वास्ता नहीं रखता था। मैं कल्पना करता हूँ कि आप बेशक जवाब जानते हैं, या पलक झपकते ही इसका अनुमान लगा सकते हैं, क्योंकि आप आराम से घर पर बैठे हैं और आपके सोचने में बाधा डालने के लिए खाए जाने का खतरा नहीं है। बिल्बो बैठा रहा और उसने एक-दो बार गला साफ़ किया, लेकिन कोई जवाब नहीं आया।

कुछ देर बाद गॉलम खुद से खुशी से फुफकारने लगा: "क्या यह अच्छा है, मेरे अनमोल? क्या यह

रसदार? क्या यह लज़ीज़ और करकराने लायक है?" वह अँधेरे में से बिल्बो को घूरने लगा।

"एक पल रुको," हॉबिट ने काँपते हुए कहा। "मैंने तुम्हें अभी-अभी एक अच्छा लंबा मौका दिया था।"

"इसे जल्दी करनी होगी, जल्दी!" गॉलम ने कहा, और बिल्बो तक पहुँचने के लिए अपनी नाव से किनारे पर चढ़ना शुरू कर दिया। लेकिन जब उसने अपना लंबा जालीदार पैर पानी में डाला, तो डर के मारे एक मछली उछलकर बाहर आ गई और बिल्बो के पैर की उँगलियों पर गिरी।

"उफ़!" उसने कहा, "यह ठंडा और चिपचिपा है!"—और इस तरह उसने अनुमान लगा लिया। "मछली! मछली!" वह चिल्लाया। "यह मछली है!"

गॉलम भयानक रूप से निराश हुआ; लेकिन बिल्बो ने जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी दूसरी पहेली पूछ ली, ताकि गॉलम को वापस अपनी नाव में जाकर सोचना पड़े।

बिना-पैर एक-पैर पर लेटा है, दो-पैर तीन-पैर के पास बैठा है, चार-पैर को कुछ मिला।

यह पहेली पूछने का वास्तव में सही समय नहीं था, लेकिन बिल्बो जल्दी में था। अगर यह किसी और समय पूछी जाती, तो गॉलम को इसका अनुमान लगाने में कुछ परेशानी हो सकती थी। जैसा कि था, मछली की बात हो रही थी, इसलिए "बिना-पैर" इतना मुश्किल नहीं था, और उसके बाद बाकी आसान था। "छोटी मेज पर मछली, मेज पर बैठा आदमी स्टूल पर बैठा है, बिल्ली के पास हड्डियाँ हैं"—बेशक यही जवाब है, और गॉलम ने जल्द ही इसे दे दिया। फिर उसने सोचा कि अब कुछ कठिन और भयानक पूछने का समय आ गया है। उसने यह कहा:

यह चीज़ सब कुछ खा जाती है:
पक्षी, पशु, पेड़, फूल;
लोहा कुतरती, स्टील चबाती;
कठोर पत्थरों को पीसकर आटा बनाती;
राजा का वध करती, नगर उजाड़ती,
और ऊँचे पहाड़ को भी गिरा देती।

बेचारा बिल्बो अँधेरे में बैठा उन सभी राक्षसों और नरभक्षियों के भयानक नामों के बारे में सोच रहा था जिनके बारे में उसने कहानियों में सुना था, लेकिन उनमें से किसी ने भी ये सब काम नहीं किए थे। उसे महसूस हो रहा था कि जवाब बिलकुल अलग है और उसे यह पता होना चाहिए, लेकिन वह इसके बारे में सोच नहीं पा रहा था। वह डरने लगा था, और डर सोचने के लिए बुरा होता है। गॉलम अपनी नाव से बाहर निकलने लगा। वह पानी में छप-छप करता हुआ किनारे की ओर तैरकर आया; बिल्बो उसकी आँखें अपनी ओर आते हुए देख सकता था। उसकी ज़बान मुँह में चिपक गई थी; वह चिल्लाना चाहता था: "मुझे और समय दो! मुझे समय दो!" लेकिन अचानक चीख़ के साथ जो कुछ बाहर आया, वह था:

"समय! समय!"

बिल्बो शुद्ध भाग्य से बच गया। क्योंकि बेशक वही जवाब था।

गॉलम एक बार फिर निराश हुआ; और अब वह गुस्सा हो रहा था, और खेल से थक भी गया था। इससे उसे वास्तव में बहुत भूख लग गई थी। इस बार वह नाव पर वापस नहीं गया। वह अँधेरे में बिल्बो के पास बैठ गया। इससे हॉबिट सबसे भयानक रूप से असहज हो गया और उसकी बुद्धि तितिर-बितिर हो गई।

“इसे हमसे एक सवाल पूछना होगा, मेरे अनमोल, हाँ, हाँ, हाँ। अनुमान लगाने के लिए बस एक और सवाल, हाँ, हाँ,” गॉलम ने कहा।

लेकिन बिल्बो उस गंदी गीली ठंडी चीज़ के अपने बगल में बैठे होने, और उसे सहलाने और कुरेदने के कारण कोई सवाल सोच ही नहीं पा रहा था। उसने खुद को खुजलाया, उसने खुद को चिकोटी काटी; फिर भी वह कुछ भी नहीं सोच पाया।

“हमसे पूछो! हमसे पूछो!” गॉलम ने कहा।

बिल्बो ने खुद को चिकोटी काटी और खुद को थप्पड़ मारा; उसने अपनी छोटी तलवार को कसकर पकड़ा; उसने अपने दूसरे हाथ से अपनी जेब में भी टटोला। वहाँ उसे वह अँगूठी मिली जो उसने रास्ते में उठाई थी और जिसके बारे में वह भूल गया था।

“मेरी जेब में क्या है?” उसने ज़ोर से कहा। वह खुद से बात कर रहा था, लेकिन गॉलम ने सोचा कि यह एक पहेली है, और वह भयानक रूप से परेशान हो गया।

“ठीक नहीं! ठीक नहीं!” उसने फुफकारा। “यह ठीक नहीं है, मेरे अनमोल, है ना, हमसे यह पूछना कि इसकी गंदी छोटी जेबों में क्या है?”

बिल्बो ने देखा कि क्या हुआ है और उसके पास पूछने के लिए कुछ बेहतर न होने के कारण, वह अपने सवाल पर अड़ा रहा, “मेरी जेब में क्या है?” उसने और ज़ोर से कहा।

“स्स्-स्स्-स्स्-स्स्-स्स्,” गॉलम ने फुफकारा। “इसे हमें तीन अनुमान देने होंगे, मेरे अनमोल, तीन अनुमान।”

“बहुत ठीक! अनुमान लगाओ!” बिल्बो ने कहा।

“हाथ!” गॉलम ने कहा।

“गलत,” बिल्बो ने कहा, जिसने सौभाग्य से अभी-अभी अपना हाथ बाहर निकाल लिया था। “फिर से अनुमान लगाओ!”

“स्स्-स्स्-स्स्-स्स्-स्स्,” गॉलम ने पहले से कहीं ज्यादा परेशान होकर कहा। उसने उन सभी चीज़ों के बारे में सोचा जो वह अपनी जेबों में रखता था: मछली की हड्डियाँ, गॉब्लिनों के दाँत, गीले सीप, चमगादड़ के पंख का एक टुकड़ा, अपने नुकीले दाँत तेज़ करने के लिए एक नुकीला पत्थर, और अन्य गंदी चीज़ें। उसने यह सोचने की कोशिश की कि दूसरे लोग अपनी जेबों में क्या रखते हैं।

“चाकू!” उसने अंत में कहा।

“गलत!” बिल्बो ने कहा, जिसने अपना चाकू कुछ समय पहले खो दिया था। “आखिरी अनुमान!”

अब गॉलम उस स्थिति से कहीं ज्यादा खराब स्थिति में था जब बिल्बो ने उससे अंडे वाली पहेली पूछी थी। वह फुफकारा और थूका और आगे-पीछे झूलने लगा, और अपने पैर ज़मीन पर पटके, और मरोड़ा और ऐंठा; लेकिन फिर भी वह अपना आखिरी अनुमान बर्बाद करने की हिम्मत नहीं कर पाया।

“जल्दी करो!” बिल्बो ने कहा। “मैं इंतज़ार कर रहा हूँ!” उसने साहसी और प्रफुल्लित लगने की कोशिश की, लेकिन उसे ज़रा भी यकीन नहीं था कि खेल कैसे समाप्त होगा, चाहे गॉलम

सही अनुमान लगाए या नहीं।

“समय समाप्त!” उसने कहा।

“डोरी, या कुछ नहीं!” गॉलम चीखा, जो बिलकुल ठीक नहीं था—एक ही बार में दो अनुमान लगाना।

“दोनों गलत,” बिल्बो ने बहुत राहत महसूस करते हुए चिल्लाया; और वह तुरंत अपने पैरों पर उछल पड़ा, अपनी पीठ नज़दीकी दीवार से सटा ली, और अपनी छोटी तलवार बाहर निकाल ली। वह जानता था, बेशक, कि पहेली का खेल पवित्र और अत्यंत प्राचीन था, और यहाँ तक कि दुष्ट प्राणी भी इसे खेलते समय धोखा देने से डरते थे। लेकिन उसे लगा कि वह मुश्किल समय में किसी भी वादे को निभाने के लिए इस चिपचिपी चीज़ पर भरोसा नहीं कर सकता। इससे बचने के लिए कोई भी बहाना काफी होगा। और आख़िरकार वह आखिरी सवाल प्राचीन नियमों के अनुसार एक वास्तविक पहेली भी नहीं था।

लेकिन किसी भी हाल में गॉलम ने तुरंत उस पर हमला नहीं किया। वह बिल्बो के हाथ में तलवार देख सकता था। वह काँपते और फुसफुसाते हुए चुपचाप बैठा रहा। आख़िरकार बिल्बो और इंतज़ार नहीं कर सका।

“तो?” उसने कहा। “तुम्हारे वादे का क्या? मैं जाना चाहता हूँ। तुम्हें मुझे रास्ता दिखाना होगा।”

“क्या हमने ऐसा कहा था, अनमोल? गंदे छोटे बैगन्स को बाहर का रास्ता दिखाएँ, हाँ, हाँ। लेकिन इसकी जेबों में क्या है, हं? डोरी नहीं, अनमोल, लेकिन कुछ नहीं भी नहीं। ओह नहीं! गॉलम!”

“तुम चिंता मत करो,” बिल्बो ने कहा। “वादा, वादा होता है।”

“यह चिड़चिड़ा है, अधीर है, अनमोल,” गॉलम ने फुफकारा। “लेकिन इसे इंतज़ार करना होगा,

हाँ इसे करना होगा। हम इतनी जल्दी सुरंगों में ऊपर नहीं जा सकते। हमें पहले कुछ चीज़ें लेने जाना होगा, हाँ, चीज़ें जो हमारी मदद करेंगी।"

"ठीक है, जल्दी करो!" बिल्बो ने कहा, गॉलम के दूर जाने की सोचकर राहत महसूस की। उसने सोचा कि वह बस बहाना बना रहा है और उसका वापस आने का कोई इरादा नहीं है। गॉलम किसी बारे में बात कर रहा था? वह अँधेरी झील पर कौन सी उपयोगी चीज़ रख सकता था? लेकिन वह गलत था। गॉलम का वापस आने का इरादा था। वह अब गुस्सा था और भूखा था। और वह एक दयनीय दुष्ट प्राणी था, और उसके पास पहले से ही एक योजना थी।

ज़्यादा दूर नहीं उसका द्वीप था, जिसके बारे में बिल्बो कुछ नहीं जानता था, और वहाँ अपने छिपने की जगह पर उसने कुछ दयनीय बेकार चीज़ें रखी थीं, और एक बहुत सुंदर चीज़, बहुत सुंदर, बहुत अद्भुत। उसके पास एक अँगूठी थी, एक सुनहरी अँगूठी, एक अनमोल अँगूठी।

"मेरा जन्मदिन का तोहफ़ा!" उसने खुद से फुसफुसाया, जैसा कि वह अंतहीन अँधेरे दिनों में अक्सर करता था। "हमें अब वही चाहिए, हाँ; हमें वह चाहिए!"

वह इसे चाहता था क्योंकि यह शक्ति की अँगूठी थी, और अगर आप उस अँगूठी को अपनी उंगली में डाल लेते, तो आप अदृश्य हो जाते; केवल पूरे सूरज की रोशनी में ही आपको देखा जा सकता था, और तब भी केवल आपकी परछाईं से, और वह परछाईं अस्थिर और धुंधली होती।

"मेरा जन्मदिन का तोहफ़ा! यह मेरे जन्मदिन पर मुझे मिला था, मेरे अनमोल।" उसने हमेशा खुद से यही कहा था। लेकिन कौन जानता है कि गॉलम को वह तोहफ़ा कैसे मिला, बहुत पहले पुराने दिनों में जब ऐसी अँगूठियाँ दुनिया में खुलेआम थीं? शायद वह स्वामी भी जो उन पर शासन करता था, यह नहीं बता सकता था कि

गॉलम पहले इसे पहनता था, जब तक कि वह इससे थक नहीं गया; और फिर उसने इसे अपनी त्वचा के पास एक थैली में रखा, जब तक कि वह उसे चुभने नहीं लगा; और अब आमतौर पर

वह इसे अपने द्वीप पर चट्टान के एक छेद में छिपा देता था, और इसे देखने के लिए हमेशा वापस जाता रहता था। और फिर भी कभी-कभी वह इसे पहन लेता था, जब वह अब और इससे अलग रहना सहन नहीं कर पाता था, या जब वह बहुत, बहुत भूखा होता था, और मछली खाकर ऊब चुका होता था। तब वह भटकते हुए गॉब्लिन्स की तलाश में अँधेरे रास्तों पर रेंगता था। वह उन जगहों पर भी जाने की हिम्मत कर सकता था जहाँ मशालें जल रही होती थीं और जिससे उसकी आँखें झपकती और दुखती थीं; क्योंकि वह सुरक्षित रहता। ओह हाँ, बिलकुल सुरक्षित। कोई उसे देख नहीं पाता, कोई उसे पहचान नहीं पाता, जब तक कि उसके हाथ उनके गले पर नहीं होते। कुछ ही घंटे पहले उसने इसे पहना था, और एक छोटा गॉब्लिन-बच्चा पकड़ा था। वह कितना चीखा था! उसके पास अभी भी चबाने के लिए एक या दो हड्डियाँ बची थीं, लेकिन उसे कुछ नरम चाहिए था।

“बिलकुल सुरक्षित, हाँ,” उसने खुद से फुसफुसाया। “वह हमें नहीं देख पाएगा, है ना, मेरे अनमोल? नहीं। वह हमें नहीं देख पाएगा, और उसकी वह गंदी छोटी तलवार बेकार हो जाएगी, हाँ बिलकुल।”

यही उसके दुष्ट छोटे दिमाग में था, जब वह अचानक बिल्बो के पास से फिसला, और अपनी नाव की ओर वापस उछला, और अँधेरे में चला गया। बिल्बो ने सोचा कि उसने उसे आखिरी बार सुन लिया है। फिर भी वह थोड़ी देर रुका रहा; क्योंकि उसे अकेले बाहर निकलने का रास्ता खोजने का कोई अंदाज़ा नहीं था।

अचानक उसने एक चीख सुनी। इससे उसकी रीढ़ में सिहरन दौड़ गई। गॉलम अँधेरे में दूर कहीं कोस रहा था और रो रहा था, आवाज़ से लग रहा था कि वह ज्यादा दूर नहीं है। वह अपने द्वीप पर था, यहाँ-वहाँ खरोंच रहा था, व्यर्थ में खोज रहा था और ढूँढ रहा था।

“वह कहाँ है? वह कहाँ है?” बिल्बो ने उसे चिल्लाते हुए सुना। “वह खो गई है, मेरे अनमोल, खो गई, खो गई! हमें शाप दो और कुचल दो, मेरा अनमोल खो गया है!”

“क्या बात है?” बिल्बो ने आवाज़ दी। “तुमने क्या खो दिया है?”

“इसे हमसे पूछना नहीं चाहिए,” गॉलम चीखा। “यह इसका काम नहीं है, नहीं, गॉलम! वह खो गई है, गॉलम, गॉलम, गॉलम।”

“खैर, मैं भी खो गया हूँ,” बिल्बो चिल्लाया, “और मैं खोए हुए से बाहर निकलना चाहता हूँ। और मैं खेल जीत गया, और तुमने वादा किया था। तो चलो! आओ और मुझे बाहर निकालो, और फिर अपनी तलाश जारी रखना!” हालाँकि गॉलम पूरी तरह से दयनीय लग रहा था, बिल्बो को अपने दिल में ज्यादा दया नहीं मिली, और उसे यह महसूस हो रहा था कि जिस चीज़ को गॉलम इतनी शिद्दत से चाहता था, वह शायद ही कुछ अच्छी हो सकती थी। “चलो!” उसने चिल्लाया।

“नहीं, अभी नहीं, अनमोल!” गॉलम ने जवाब दिया। “हमें उसे ढूँढना होगा, वह खो गई है, गॉलम।”

“लेकिन तुमने मेरे आखिरी सवाल का अंदाज़ा नहीं लगाया, और तुमने वादा किया था,” बिल्बो ने कहा।

“कभी अंदाज़ा नहीं लगाया!” गॉलम ने कहा। फिर अचानक अँधेरे में से एक तेज़ फुफकार आई। “इसकी जेबों में क्या है? हमें वह बताओ। इसे पहले बताना होगा।”

जहाँ तक बिल्बो जानता था, कोई खास वजह नहीं थी कि वह क्यों न बताए। गॉलम का दिमाग उसके दिमाग से ज्यादा तेज़ी से अंदाज़े पर पहुँच गया था; स्वाभाविक रूप से, क्योंकि गॉलम ने युगों तक इसी एक चीज़ पर विचार किया था, और उसे हमेशा इसके चोरी हो जाने का डर रहता था। लेकिन बिल्बो देरी से परेशान था। आखिरकार, उसने भयानक जोखिम उठाकर, काफ़ी हद तक ईमानदारी से, खेल जीत लिया था। “उत्तरों का अंदाज़ा लगाना था, उन्हें बताना नहीं था,” उसने कहा।

“लेकिन वह एक उचित सवाल नहीं था,” गॉलम ने कहा। “पहेली नहीं थी, अनमोल, नहीं।”

“ओह, ठीक है, अगर यह सामान्य सवालों की बात है,” बल्बिो ने जवाब दिया, “तो मैंने पहले एक सवाल पूछा था। तुमने क्या खोया है? मुझे वह बताओ!”

“इसकी जेबों में क्या है?” आवाज़ और ज़ोर से और तीखी फुफकारती हुई आई, और जैसे ही उसने उसकी ओर देखा, बल्बिो ने घबराकर अब दो छोटे प्रकाश बिंदु देखे जो उसे घूर रहे थे। जैसे-जैसे गॉलम के मन में संदेह बढ़ा, उसकी आँखों की रोशनी एक फीकी लौ के साथ जल उठी।

“तुमने क्या खोया है?” बल्बिो डटा रहा।

लेकिन अब गॉलम की आँखों में रोशनी हरी आग बन चुकी थी, और वह तेज़ी से पास आ रही थी। गॉलम फिर से अपनी नाव में था, तेज़ी से अँधेरे किनारे की ओर वापस चप्पू चला रहा था; और उसके दिल में हानि और संदेह का ऐसा क्रोध भरा था कि अब किसी भी तलवार का डर उसे नहीं था।

बल्बिो अंदाज़ा नहीं लगा सका कि किसी चीज़ ने उस दयनीय प्राणी को पागल कर दिया था, लेकिन उसने देखा कि अब सब ख़त्म हो चुका था, और गॉलम का इरादा किसी भी हाल में उसकी हत्या करने का था। ठीक समय पर वह मुड़ा और जिस अँधेरे रास्ते से वह आया था, उसी पर आँखें बंद करके वापस ऊपर की ओर भागा, दीवार से सटकर रहा और उसे अपने बाएँ हाथ से महसूस करता रहा।

“इसकी जेबों में क्या है?” उसने अपने पीछे ज़ोर से फुफकार सुनी, और गॉलम के नाव से कूदने की छपाक की आवाज़ भी सुनी। “मेरे पास क्या है, मुझे आश्चर्य है?” उसने हाँफते और लड़खड़ाते हुए खुद से कहा। उसने अपना बायाँ हाथ अपनी जेब में डाला। अँगूठी बहुत ठंडी महसूस हुई क्योंकि वह चुपचाप उसकी टटोलती हुई तर्जनी उंगली पर फिसल गई।

फुफकार उसके ठीक पीछे थी। वह अब मुड़ा और गॉलम की आँखें छोटी हरी लालटेन की तरह

ढलान पर ऊपर आते हुए देखीं। भयभीत होकर उसने तेज़ी से भागने की कोशशि की, लेकनि अचानक उसके पैर फर्श में एक बाधा से टकराए, और वह अपनी छोटी तलवार के साथ ज़मीन पर औंधा गरि गया।

एक ही पल में गॉलम उस पर आ गया। लेकनि इससे पहले कि बिल्बो कुछ कर पाता, अपनी साँस वापस लेता, खुद को उठाता, या अपनी तलवार लहराता, गॉलम उसे नज़रअंदाज़ करते हुए, कोसता और फुसफुसाता हुआ दौड़ते हुए आगे नकिल गया।

इसका क्या मतलब हो सकता था? गॉलम अँधेरे में देख सकता था। बल्बो उसकी आँखों की रोशनी को पीछे से भी फीका चमकते हुए देख सकता था। दर्द से वह उठा, और अपनी तलवार म्यान में रखी, जो अब फरि से हल्की चमक रही थी, फरि वह बहुत सावधानी से उसके पीछे चला। और कुछ करने को नहीं लग रहा था। गॉलम के पानी की ओर वापस रेंगकर जाना अच्छा नहीं था। शायद अगर वह उसका पीछा करता, तो गॉलम अनजाने में उसे भागने का कोई रास्ता दखिा सकता था।

“शाप! शाप! शाप!” गॉलम फुफकारा। “बैगन्स को शाप! वह चली गई! इसकी जेबों में क्या है? ओह, हमें अंदाज़ा है, हमें अंदाज़ा है, मेरे अनमोल। उसने उसे ढूँढ लयिा है, हाँ उसने ज़रूर ढूँढा होगा। मेरा जन्मदनि का तोहफ़ा।”

बल्बो ने कान खड़े कए। वह आखरिकार खुद भी अंदाज़ा लगाने लगा था। वह थोड़ा जल्दी चला, गॉलम के जतिना करीब जाने की हम्मत कर सकता था, उतना करीब गया। गॉलम अभी भी तेज़ी से जा रहा था, पीछे नहीं देख रहा था, लेकनि अपना सरि अगल-बगल घुमा रहा था, जैसा कि बल्बो दीवारों पर हल्की चमक से देख सकता था।

“मेरा जन्मदनि का तोहफ़ा! शाप! हमने उसे कैसे खो दयिा, मेरे अनमोल? हाँ, वही बात है। जब हम पछिली बार इस रास्ते से आए थे, जब हमने उस गंदे छोटे चीखने वाले को मरोड़ा था। वही बात है। शाप! इतने युगों और युगों के बाद वह हमसे फसिल गई! वह चली गई, गॉलम।”

अचानक गॉलम बैठ गया और रोने लगा, एक सीटी जैसी और गड़गड़ाहट वाली आवाज़ जो सुनने में भयानक थी। बिल्बो रुक गया और सुरंग की दीवार से सटकर खुद को चपटा कर लिया। थोड़ी देर बाद गॉलम रोना बंद करके बात करने लगा। ऐसा लग रहा था कि वह खुद से बहस कर रहा है।

“वहाँ वापस जाकर ढूँढने का कोई फ़ायदा नहीं, नहीं। हमें वे सारी जगहें याद नहीं हैं जहाँ हम गए हैं। और यह बेकार है। बैगन्स ने उसे अपनी जेबों में रख लिया है; वह गंदा नाक वाला ढूँढ चुका है, हम कहते हैं।”

“हम अंदाज़ा लगाते हैं, अनमोल, सिर्फ़ अंदाज़ा। हम तब तक नहीं जान सकते जब तक हम उस गंदे प्राणी को ढूँढकर उसे निचोड़ नहीं देते। लेकिन वह नहीं जानता कि तोहफ़ा क्या कर सकता है, है ना? वह बस उसे अपनी जेबों में रखेगा। वह नहीं जानता, और वह ज़्यादा दूर नहीं जा सकता। उसने खुद को खो दिया है, उस गंदे नाक वाले ने। वह बाहर निकलने का रास्ता नहीं जानता। उसने ऐसा कहा था।”

“उसने ऐसा कहा था, हाँ; लेकिन वह चालाक है। वह वह नहीं कहता जो उसका मतलब होता है। वह यह नहीं बताएगा कि उसकी जेबों में क्या है। वह जानता है। वह अंदर आने का रास्ता जानता है, उसे बाहर जाने का रास्ता ज़रूर पता होगा, हाँ। वह पिछले दरवाज़े की ओर जा रहा है। पिछले दरवाज़े की ओर, वही बात है।”

“तब गॉब्लिन्स उसे पकड़ लेंगे। वह उस रास्ते से बाहर नहीं निकल सकता, अनमोल।”

“स्सस, सस, गॉलम! गॉब्लिन्स! हाँ, लेकिन अगर उसके पास तोहफ़ा है, हमारा अनमोल तोहफ़ा, तो”

गॉब्लिन्स उसे पा लेंगे, गॉलम! वे उसे ढूँढ लेंगे, वे पता लगा लेंगे कि वह क्या करता है। हम फिर कभी सुरक्षित नहीं रहेंगे, कभी नहीं, गॉलम! गॉब्लिन्स में से कोई एक उसे पहन लेगा, और तब कोई उसे देख नहीं पाएगा। वह वहाँ होगा पर दिखाई नहीं देगा। हमारी चालाक आँखें

भी उसे नहीं पहचान पाएँगी; और वह दबे पाँव, चालाकी से आएगा और हमें पकड़ लेगा, गॉलम, गॉलम!”

“तो फिर बातें करना बंद करो, अनमोल, और जल्दी करो। अगर बैगन्स उस रास्ते गया है, तो हमें जल्दी जाकर देखना चाहिए। जाओ! अब ज्यादा दूर नहीं है। जल्दी करो!”

एक उछाल के साथ गॉलम उठा और तेज़ी से लड़खड़ाता हुआ आगे बढ़ चला। बिल्बो सावधानी से उसके पीछे भागा, हालाँकि अब उसका मुख्य डर किसी और बाधा से टकराकर शोर के साथ गिर जाने का था। उसका सिर आशा और आश्चर्य के भँवर में घूम रहा था। ऐसा लग रहा था कि जो अँगूठी उसके पास थी, वह जादुई अँगूठी थी: वह आपको अदृश्य बना देती थी! उसने ऐसी चीज़ों के बारे में, बेशक, पुरानी-पुरानी कहानियों में सुना था; लेकिन यह मानना मुश्किल था कि उसने सचमुच, संयोग से, एक ढूँढ ली थी। फिर भी वह वहीं थी: गॉलम अपनी चमकीली आँखों के साथ, उससे बस एक गज की दूरी से गुज़र गया था।

वे आगे बढ़ते गए, गॉलम आगे फड़फड़ाता हुआ, फुसफुसाता और कोसता रहा; बिल्बो पीछे-पीछे, जितना धीमे एक हॉबिट जा सकता है, उतनी धीमे जा रहा था। जल्द ही वे ऐसी जगहों पर पहुँचे जहाँ, जैसा कि बिल्बो ने नीचे आते समय ध्यान दिया था, अगल-बगल से रास्ते खुलते थे, इधर और उधर। गॉलम ने तुरंत उन्हें गिनना शुरू कर दिया।

“एक बाएँ, हाँ। एक दाएँ, हाँ। दो दाएँ, हाँ, हाँ। दो बाएँ, हाँ, हाँ।” और इसी तरह आगे।

जैसे-जैसे गिनती बढ़ी, वह धीमा होता गया, और वह काँपने तथा रोने जैसा होने लगा; क्योंकि वह पानी को और दूर, और दूर छोड़ता जा रहा था, और वह डर रहा था। गॉब्लिन्स आस-पास हो सकते थे, और उसने अपनी अँगूठी खो दी थी। आखिरकार वह एक निचले मुहाने के पास रुका, जो ऊपर जाते समय उनके बाएँ हाथ पर था।

“सात दाएँ, हाँ। छह बाएँ, हाँ!” उसने फुसफुसाया। “यही है। पिछले दरवाज़े का रास्ता यही है, हाँ। यह रहा मार्ग!”

उसने अंदर झाँका, और पीछे हट गया। “लेकिन हम अंदर जाने की हिम्मत नहीं कर सकते, अनमोल, नहीं हम हिम्मत नहीं कर सकते। वहाँ नीचे गॉब्लिन्स हैं। बहुत सारे गॉब्लिन्स। हमें उनकी गंध आ रही है। ससस!”

“हम क्या करेंगे? उन्हें शाप दो और उन्हें कुचल दो! हमें यहीं इंतज़ार करना होगा, अनमोल, थोड़ा इंतज़ार करो और देखो।”

इस तरह वे पूरी तरह रुक गए। गॉलम आख़िरकार बिल्बो को बाहर निकलने के रास्ते तक ले आया था, लेकिन बिल्बो अंदर नहीं जा सकता था! गॉलम ठीक मुहाने पर कूबड़ सा बनाकर बैठा था, और उसकी आँखें उसके सिर में ठंडी चमक रही थीं, जब वह अपने सिर को घुटनों के बीच अगल-बगल हिला रहा था।

बिल्बो दीवार से एक चूहे से भी ज्यादा ख़ामोशी से सरक गया; लेकिन गॉलम तुरंत तन गया, और सूँघा, और उसकी आँखें हरी हो गईं। उसने धीरे से लेकिन ख़तरे भरी फुसफुसाहट की। वह हॉबिट को देख नहीं सकता था, लेकिन अब वह सतर्क था, और उसके पास अन्य इंद्रियाँ थीं जिन्हें अँधेरे ने तेज़ कर दिया था: सुनना और सूँघना। वह ज़मीन पर अपने चपटे हाथ फैलाकर पूरी तरह नीचे दुबका हुआ लग रहा था, और उसका सिर बाहर निकला हुआ था, नाक लगभग पत्थर से सटी हुई थी। हालाँकि वह अपनी आँखों की चमक में केवल एक काली छाया था, बिल्बो देख या महसूस कर सकता था कि वह धनुष की प्रत्यंचा की तरह तना हुआ था, छलांग लगाने के लिए तैयार।

बिल्बो ने लगभग साँस लेना बंद कर दिया, और वह खुद भी अकड़ गया। वह हताश था। उसे इस भयानक अँधेरे से बाहर निकलना ही था, जब तक उसमें थोड़ी भी ताक़त बची थी। उसे लड़ना होगा। उसे इस गंदी चीज़ को छुरा घोंपना होगा, इसकी आँखें निकालनी होंगी, इसे मारना होगा। इसका मतलब था कि यह उसे मारना चाहता था। नहीं, यह निष्पक्ष लड़ाई नहीं थी। वह अब अदृश्य था। गॉलम के पास तलवार नहीं थी। गॉलम ने वास्तव में उसे मारने की धमकी नहीं दी थी, न ही अभी तक कोशिश की थी। और वह दुखी था, अकेला, खोया हुआ।

बल्बिो के दिल में अचानक एक समझ, भय के साथ मिली हुई दया, उमड़ आई: प्रकाश या बेहतर होने की आशा के बिना अंतहीन अनजाने दिनों की एक झलक, कठोर पत्थर, ठंडी मछली, दबे पाँव आना और फुसफुसाना। ये सारे विचार एक सेकंड के झटके में गुज़र गए। वह काँप उठा। और फिर एकदम अचानक दूसरे झटके में, मानो एक नई ताक़त और संकल्प से उठा हो, उसने छलांग लगाई।

किसी आदमी के लिए यह कोई बड़ी छलांग नहीं थी, लेकिन अँधेरे में एक छलांग। वह गॉलम के सिर के ठीक ऊपर से कूदा, सात फ़ीट आगे और हवा में तीन फ़ीट; वास्तव में, अगर उसे पता होता, तो वह बस मार्ग के निचले मेहराब से अपना सिर टकराने से बाल-बाल बचा था।

गॉलम ने खुद को पीछे की ओर फेंका, और हॉबिट के ऊपर से उड़ते ही उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी: उसके हाथ हवा में ही बंद हो गए, और बल्बिो, अपने मज़बूत पैरों पर ठीक से गिरकर, नई सुरंग में तेज़ी से भाग गया। उसने यह देखने के लिए मुड़कर नहीं देखा कि गॉलम क्या कर रहा था। पहले तो लगभग उसकी एड़ियों के पास फुसफुसाहट और शाप देने की आवाज़ आई, फिर वह रुक गई। अचानक एक रक्त जमा देने वाली चीख़ आई, जो नफ़रत और निराशा से भरी थी। गॉलम हार गया था। उसने आगे जाने की हिम्मत नहीं की। वह हार गया था: उसने अपना शिकार खो दिया था, और उसने वह एकमात्र चीज़ भी खो दी थी जिसकी उसने कभी परवाह की थी, अपना अनमोल। उस चीख़ से बल्बिो का दिल मुँह को आ गया, लेकिन फिर भी वह टिका रहा। अब एक गूँज की तरह धीमी, लेकिन ख़तरे भरी आवाज़ पीछे से आई:

“चोर, चोर, चोर! बैगन्स! हम इससे नफ़रत करते हैं, हम इससे नफ़रत करते हैं, हम इससे हमेशा के लिए नफ़रत करते हैं!”

फिर चुप्पी छा गई। लेकिन वह भी बल्बिो को ख़तरे भरी लगी। उसने सोचा, “अगर गॉब्लिन्स इतने पास हैं कि उसे उनकी गंध आ गई,” “तो उन्होंने उसकी चीख़ और शाप देने की आवाज़ ज़रूर सुनी होगी। अब सावधान रहो, वरना यह रास्ता तुम्हें और भी बुरी चीज़ों की ओर ले जाएगा।”

मार्ग नीचा और खुरदुरा बना हुआ था। यह हॉबिट के लिए ज्यादा मुश्किल नहीं था, सिवाय इसके कि, तमाम सावधानी के बावजूद, उसने अपने बेचारे पैर के अँगूठे को फ़र्श के गंदे नुकीले पत्थरों से फिर से, कई बार, टकरा दिया। बिल्बो ने सोचा, "गॉब्लिन्स के लिए थोड़ा नीचा है, कम से कम बड़े वालों के लिए," यह न जानते हुए कि बिड़े वाले भी, पहाड़ों के ओर्क्स, अपने हाथ लगभग ज़मीन पर रखकर, झुककर बड़ी तेज़ी से चलते हैं।

जल्द ही वह मार्ग जो नीचे की ओर ढलान पर था, फिर से ऊपर जाने लगा, और थोड़ी देर बाद वह तेज़ी से चढ़ने लगा। इससे बिल्बो की गति धीमी हो गई। लेकिन आख़िरकार ढलान रुकी, मार्ग ने एक मोड़ लिया और फिर से नीचे की ओर झुक गया, और वहाँ, एक छोटी सी चढ़ाई के तल पर, उसने देखा, एक और कोने से छनकर आती हुई—रोशनी की एक झलक। आग या लालटेन जैसी लाल रोशनी नहीं, बल्कि बाहर की तरह की पीली रोशनी। तब बिल्बो दौड़ने लगा।

जितनी तेज़ी से उसके पैर उसे ले जा सकते थे, उतनी तेज़ी से भागते हुए उसने आख़िरी मोड़ लिया और अचानक एक खुली जगह में आ गया, जहाँ इतने समय तक अँधेरे में रहने के बाद, रोशनी चकाचौंध कर देने वाली लग रही थी। वास्तव में, यह केवल एक दरवाज़े से अंदर आती धूप की एक किरण थी, जहाँ एक बड़ा दरवाज़ा, एक पत्थर का दरवाज़ा, खुला छोड़ दिया गया था।

बिल्बो ने पलकें झपकाईं, और फिर अचानक उसने गॉब्लिन्स को देखा: पूरे कवच में, खींची हुई तलवारों के साथ गॉब्लिन्स दरवाज़े के ठीक अंदर बैठे थे, और बड़ी-बड़ी आँखों से उसे देख रहे थे, और उस मार्ग को देख रहे थे जो उस तक जाता था। वे जागे हुए थे, सतर्क थे, किसी भी चीज़ के लिए तैयार थे।

उन्होंने उसे उससे पहले देखा जितना उसने उन्हें देखा था। हाँ, उन्होंने उसे देखा। चाहे यह एक दुर्घटना थी, या अँगूठी की आख़िरी चाल इससे पहले कि वह एक नया स्वामी चुनती, वह उसकी उँगली पर नहीं थी। खुशी की चीख़ों के साथ गॉब्लिन्स उस पर झपटे।

डर और खो जाने की एक पीड़ा, गॉलम के दुख की गूँज की तरह, बिल्बो को लगी, और अपनी तलवार निकालना भी भूलकर उसने अपने हाथ जेबों में डाल लिए। और अँगूठी अभी भी वहीं थी, उसकी बाईं जेब में, और वह उसकी उँगली पर फिसल गई। गॉब्लिन्स अचानक रुक गए। उन्हें उसका कोई निशान दिखाई नहीं दिया।

वह गायब हो गया था। उन्होंने पहले से दोगुनी ज़ोर से चीख़ मारी, लेकिन इतनी खुशी से नहीं।

“वह कहाँ है?” वे चिल्लाए।

“वापस मार्ग में जाओ!” कुछ चिल्लाए।

“इस तरफ़!” कुछ चिल्लाए। “उस तरफ़!” दूसरों ने चिल्लाया। “दरवाज़े पर नज़र रखो,” कप्तान दहाड़ा। सीटियाँ बजीं, कवच टकराए, तलवारें खड़खड़ाईं, गॉब्लिन्स ने शाप दिए और कसम खाई और इधर-उधर भागे।

और इधर-उधर भागे, एक-दूसरे पर गिरते हुए और बहुत क्रोधित हो रहे थे। वहाँ एक भयानक चीख़-पुकार, हंगामा और गड़बड़ी थी।

बिल्बो बुरी तरह डरा हुआ था, लेकिन उसमें इतनी समझ थी कि वह समझ गया कि क्या हुआ था और वह गॉब्लिन-प्रहरियों के लिए पेय रखे एक बड़े पीपे के पीछे खिसक गया, और इस तरह रास्ते से हट गया और टकराने, कुचलकर मारे जाने, या छूकर पकड़े जाने से बच गया।

“मुझे दरवाज़े तक पहुँचना है, मुझे दरवाज़े तक पहुँचना है!” वह खुद से कहता रहा, लेकिन कोशिश करने का साहस करने से पहले काफी समय बीत गया। तब यह आँख-मिचौली के एक भयानक खेल जैसा था। जगह दौड़ते हुए गॉब्लिन्स से भरी थी, और बेचारा छोटा हॉबिट इधर-उधर चकमा दे रहा था, उसे एक गॉब्लिन ने गिरा दिया जो समझ नहीं पाया कि वह किससे टकराया था, वह चारों हाथ-पैर के बल रेंगता हुआ भागा, ठीक समय पर कप्तान के पैरों

के बीच से फिसल गया, उठा, और दरवाज़े की ओर भागा।

वह अभी भी थोड़ा खुला था, लेकिन एक गॉब्लिन ने उसे लगभग बंद कर दिया था। बिल्बो ने ज़ोर लगाया लेकिन वह उसे हिला नहीं सका। उसने दरार से निकलने की कोशिश की। उसने ज़ोर लगाया और ज़ोर लगाया, और वह अटक गया! यह भयानक था। उसके बटन दरवाज़े के किनारे और चौखट के बीच फँस गए थे। वह बाहर खुली हवा में देख सकता था: वहाँ कुछ सीढ़ियाँ थीं जो ऊँचे पहाड़ों के बीच एक संकरी घाटी में नीचे जा रही थीं; एक बादल के पीछे से सूरज निकला और दरवाज़े के बाहर तेज़ी से चमका—लेकिन वह निकल नहीं पा रहा था।

अचानक अंदर मौजूद गॉब्लिन्स में से एक चिल्लाया: "दरवाज़े के पास एक परछाई है। कुछ बाहर है!"

बिल्बो का दिल मुँह में आ गया। उसने ज़ोरदार झटका दिया। बटन चारों दिशाओं में टूटकर बिखर गए। वह बाहर निकल गया, फटा हुआ कोट और वास्कट पहने हुए, एक बकरी की तरह सीढ़ियों से नीचे कूदता हुआ, जबकि हैरान गॉब्लिन्स अभी भी दरवाज़े की चौखट पर उसके प्यारे पीतल के बटन उठा रहे थे।

बेशक वे जल्द ही उसके पीछे नीचे आए, चिल्लाते और शोर मचाते हुए, और पेड़ों के बीच शिकार करते हुए। लेकिन उन्हें सूरज पसंद नहीं है: यह उनके पैरों को डगमगाता है और उनके सिर को चकराता है। वे अँगूठी पहने बिल्बो को नहीं ढूँढ पाए, जो पेड़ों की छाया में अंदर-बाहर खिसक रहा था, तेज़ी से और चुपचाप दौड़ रहा था, और सूरज से दूर रह रहा था; इसलिए वे जल्द ही बड़बड़ाते और शाप देते हुए दरवाज़े की रखवाली करने वापस चले गए। बिल्बो बच निकला था।

--- ---